www.uttambharatnews.com
RNI No. DELHIN/2017/75336
email:-uttambharat05@gmail.com

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष त्रयोदशी, विक्रम संवत 2082

वर्ष : 09 अंक : 299
नई दिल्ली
सोमवार, 17 नवम्बर 2025
मूल्य : 3.00 पृष्ठ : 12

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

उत्तम भारत

"सत्य, निष्पक्ष, भारत"

नई दिल्ली व हरियाणा से प्रकाशित • चंडीगढ़ • उत्तर प्रदेश • मध्यप्रदेश • उत्तराखंड • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • छत्तीसगढ़ • जम्मू कश्मीर से प्रसारित

03 रेजांगला युद्ध के वीर शहीदों के सम्मान में ... | 06 मिटाना होगी मानवता की दुश्मन बनती जा ... | दिल्ली कार ब्लास्ट जांच पर अमेरिकी विदेश.. 12

संसद में कांग्रेस अपने युवा सांसदों को बोलने तक नहीं देती :मोदी

✔ प्रधानमंत्री मोदी शनिवार को सूरत में एक कार्यक्रम के दौरान जनसमूह को संबोधित कर रहे थे।

उत्तम भारत संवाददाता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कांग्रेस पार्टी की अंतर्कलह को लेकर निशाना साधा है। अगले महीने शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस में युवा सांसदों को बोलने का अवसर नहीं दिया जाता है। यह बात कई युवा सांसदों ने खुद उन्हें बताई है। प्रधानमंत्री मोदी शनिवार को सूरत में एक कार्यक्रम के दौरान जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया, "कांग्रेस का पूरा युवा वर्ग, जो पहली बार संसद आया है, वह अपने भविष्य को लेकर चिंतित है। जब कांग्रेस और इंडी अलायंस के युवा सांसद मिलते हैं तो वे कहते हैं कि हम क्या कर सकते हैं? हमारा करियर खत्म हो रहा है। हमें संसद में बोलने का मौका भी नहीं मिलता। हर बार यही कहा जाता है कि संसद को ताला लगा दो।" पीएम मोदी ने कहा, "ऐसे युवा सांसद अपने क्षेत्रों में जवाब नहीं दे पा रहे हैं। वे कहते हैं कि जब अपने क्षेत्रों के विषय को संसद में नहीं उठा पाएंगे तो दोबारा कौन मौका देगा। ऐसे में हमारी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। हमें विकास की नई ऊंचाइयों को पार करना है।" सीपीआई(एम) के राज्यसभा सदस्य जॉन ब्रिटास ने भी संसद के अंदर की स्थिति को लेकर खुलासा किया था। केरल से आने वाले सांसद जॉन ब्रिटास ने स्वीकार किया था कि राहुल गांधी ने उन्हें संसद को बाधित करने के लिए कहा और उन्हें बोलने से रोका।

मई 2025 में एक पॉडकास्ट में जॉन ब्रिटास ने कथित तौर पर कहा कि उन्होंने 'इंडिया' गठबंधन की बैठकों में राहुल गांधी से अनुरोध किया था कि वे संसद में रोजाना व्यवधान न डालें, क्योंकि वे केरल से जुड़े मुद्दे उठाना चाहते थे। कई सांसदों ने इस बात का समर्थन किया था, लेकिन राहुल गांधी ने इनकार कर दिया।" उन्होंने कहा, "मैं एक मीटिंग में उनके रुख (राहुल गांधी) को लेकर थोड़ा आलोचनात्मक था। मैंने उनसे कहा कि रोज संसद को बाधित करना अच्छा नहीं है। आपको कुछ तरीके अपनाने होंगे। नए तरीके से विरोध करना होगा। आपको रचनात्मक होना होगा। उन्हें कुछ दिक्कत हुई और देखिए, वे प्रश्नकाल, शून्यकाल, चर्चा और डिबेट भी बंद कर रहे हैं।" पिछला संसद सत्र पूरी तरह हंगामे की भेंट चढ़ा था। बिहार में एसआईआर प्रक्रिया का विरोध करते हुए विपक्षी दलों ने मानसून सत्र में लगातार गतिरोध पैदा किया। फिलहाल 12 राज्यों में एसआईआर प्रक्रिया जारी है और संसद का शीतकालीन सत्र एक दिसंबर से शुरू होगा। इस बार भी संसद में एसआईआर और कथित वोट चोरी जैसे विषयों पर हंगामा होने के पूरे आसार हैं।

पीएम मोदी ने बुलेट ट्रेन परियोजना की समीक्षा की, इंजीनियरों और कर्मचारियों से भी की बातचीत

सूरत। गुजरात में देश की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना का काम तेजी से किया जा रहा है। इस बीच बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर गुजरात दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुंबई-अहमदाबाद हाईस्पीड रेल कॉरिडोर की प्रगति का भी जायजा लिया। इसके लिए पीएम मोदी सूरत बुलेट ट्रेन स्टेशन पर पहुंचे थे, जहां उन्होंने काम में लगे इंजीनियरों और कर्मचारियों से बातचीत भी की। रविवार को इससे संबंधित एक वीडियो भी सामने आया, जिसमें पीएम मोदी सूरत स्टेशन पर काम की बारीकी से जांच करते हुए नजर आए। उन्होंने काम में लगे इंजीनियरों और कर्मचारियों से बातचीत की। उन्होंने पूछा कि काम में किसी तरह की परेशानी तो नहीं आ रही है और प्रोजेक्ट को सफल बनाने के लिए किस तरह से काम किया जा रहा है? इस दौरान कर्मचारियों ने बताया कि हर स्तर पर पूरी मेहनत और बारीकी के साथ काम किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कर्मचारियों की मेहनत की सराहना की और कहा कि यह प्रोजेक्ट न सिर्फ गुजरात बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि हाई-स्पीड ट्रेन परियोजना देश के ट्रांसपोर्ट सिस्टम को आधुनिक बनाने में एक अहम कदम है और इससे यात्रियों को तेज और सुविधाजनक सफर मिलेगा। गौरतलब है कि मुंबई-अहमदाबाद हाईस्पीड रेल कॉरिडोर अहमदाबाद, वडोदरा, भरूच, सूरत, वापी, ठाणे और मुंबई जैसे बड़े शहरों को जोड़ता है। इससे न सिर्फ मुंबई और गुजरात के बीच यात्रा सुगम होगी, बल्कि व्यापार और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

भारत की युवा शक्ति और कोरियाई टेक्नोलॉजी एक अच्छा मिश्रण, दोनों देशों को होगा फायदा : हरदीप पुरी

नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने अपने कोरियाई दौरे के दौरान रविवार को कहा कि भारत की युवा शक्ति और कोरियाई टेक्नोलॉजी एक अच्छा मिश्रण है और इससे दोनों देशों को फायदा होगा। दक्षिण कोरिया की राजधानी सोल के दौरे पर गए पुरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा,"कोरिया में करियर और शिक्षा के अवसर तलाश रहे युवा भारतीय पेशेवरों और छात्रों के एक समूह से जुड़कर मुझे बहुत खुशी हुई।" पुरी ने आगे कहा, "उन्होंने (भारतीय पेशेवरों और छात्रों) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की वृद्धि और विकास के लिए अपने सपनों और उत्साह के बारे में पूरे मनोभाव से बात की।" इस दौरे पर पुरी ने कई दक्षिण कोरियाई कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों के साथ बातचीत की और भारत एवं कोरिया के बीच विशेषकर शिपबिल्डिंग में साझेदारी के अवसर की खोज की। सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर की एक पोस्ट में पुरी ने कहा, "हमारे ऊर्जा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रम माल ढुलाई पर सालाना लगभग 5-8 अरब डॉलर खर्च करते हैं और उन्हें फिलहाल लगभग 59 जहाजों की आवश्यकता है। हनवा ओशन जैसी वैश्विक दिग्गज कंपनियों के लिए भारत के साथ काम करने और इन जहाजों का निर्माण करने का एक बड़ा अवसर है।" केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि यह सही समय है कि जब वैश्विक मांग को पूरा करने वाली समुद्री जहाज बनाने वाली दिग्गज कंपनियां भारत के साथ जुड़े। पुरी ने कहा, "हम न केवल 5 वर्षों में अपने जहाजों की लागत वसूल कर लेंगे, बल्कि भारत को एक वैश्विक समुद्री शिपिंग हब के रूप में भी स्थापित करेंगे।" केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कोरियाई शिपिंग कंपनियों के पास ज्ञान और क्षमता है। वहीं, भारत के पास मांग, स्किल मेनपावर और सही नीतियां हैं, जिससे इसे मेक इन इंडिया पहल के साथ एक सफल साझेदारी में बदला जा सकता है।

युवाओं तक सकारात्मक कार्य पहुंचाये मीडिया, ताकि उनमें उत्साह और आशा बढ़े : उपराष्ट्रपति

शैलेन्द्र शर्मा

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने रविवार को कहा कि मीडिया का कर्तव्य है कि वह देश में हो रहे सकारात्मक कार्यों को युवाओं तक पहुंचाए, ताकि उनमें उत्साह और आशा का वातावरण बने। पत्रकारिता का मूल उद्देश्य उन लोगों को आवाज देना है, जिनकी आवाज समाज में कम सुनी जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि मीडिया नशीले पदार्थों से मुक्त समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, क्योंकि वह जनजागरूकता बढ़ाता है और जिम्मेदार सार्वजनिक विमर्श को बढ़ावा देता है। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने आज नई दिल्ली में आयोजित मनोरमा न्यूज न्यूजमेकर अवॉर्ड-2024 समारोह में पर्यटन तथा पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि सिनेमा और राजनीति अलग संसार हैं और दोनों में समान अनिश्चितता है। उन्होंने गोपी की दोनों क्षेत्रों में निरंतरता और सफलता की प्रशंसा की। अपने संबोधन में उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि मनोरमा समूह ने सत्य, भाषा और संस्कृति के प्रति अपने निरंतर समर्पण के कारण पीढ़ियों से जनता का विश्वास और सम्मान अर्जित किया है। उन्होंने कहा कि समूह ने मलयालम साहित्य और मीडिया जगत में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। साथ ही समाज में जागरूकता बढ़ाने के उसके प्रयास उल्लेखनीय हैं। उल्लेखनीय है कि मनोरमा न्यूज न्यूजमेकर अवॉर्ड प्रतिवर्ष उन व्यक्तियों को दिया जाता है, जिन्होंने अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया हो।

82.53 किलो कोकीन जब्ती मामला : ईडी ने 70 लाख रुपए कैश जब्त किया, 110 बैंक खाते फ्रीज

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 82.53 किलो कोकीन की जब्ती से जुड़े मामले में दिल्ली-एनसीआर और जयपुर में पांच ठिकानों पर छापे मारे। इस कार्रवाई में केंद्रीय एजेंसी ने 70 लाख रुपए की नकदी जब्त की और 110 म्यूल बैंक खातों को फ्रीज किया। ईडी के दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय ने रविवार को जानकारी दी कि एक बड़े ड्रग्स तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क की चल रही जांच के सिलसिले में शुक्रवार को पांच जगहों पर तलाशी अभियान चलाया गया। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत ईडी ने छापे मारे। तलाशी के दौरान, ईडी ने 70 लाख रुपए की नकदी, कुछ अहम दस्तावेज, डिजिटल उपकरण और वित्तीय रिकॉर्ड जब्त किए। यह मामला नवंबर 2024 में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की ओर से 82.53 किलो कोकीन की जब्ती से जुड़ा है, जिसके कारण एनसीबी ने ग्लोबल ड्रग ट्रैफिकिंग सिंडिकेट में शामिल कई व्यक्तियों और संस्थाओं के खिलाफ शिकायत दर्ज की। ईडी ने बताया कि तलाशी में मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से संचालित एक ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए के नेटवर्क का भी पता चला। तलाशी अभियान के परिणामस्वरूप 110 म्यूल बैंक खातों को फ्रीज कर दिया गया, जिनमें यूपीआई आईडी और डिजिटल वॉलेट से जुड़े 73 खाते शामिल थे। इन सभी का सट्टेबाजी से संबंधित लेनदेन के लिए सक्रिय रूप से इस्तेमाल किया जा रहा था। इसके अलावा, तलाशी के दौरान जब्त किए गए दस्तावेजों और डिजिटल साक्ष्यों से धन के लेन-देन के लिए दुबई स्थित क्रिप्टोकरेंसी वॉलेट के इस्तेमाल का खुलासा हुआ है। ईडी की ओर से यह कार्रवाई नारकोटिक्स कार्टेल और डिजिटल लॉन्ड्रिंग नेटवर्क का समर्थन करने वाले फाइनेंशियल इकोसिस्टम को ध्वस्त करने के लगातार प्रयासों का हिस्सा है। फिलहाल, अन्य लाभार्थियों का पता लगाने और अपराध की आय से बनाई गई संपत्तियों की पहचान करने के लिए आगे की जांच जारी है।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने सीएजी को भारत की 'नैतिक संपदा' का संरक्षक बताया

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने रविवार को भारत की नैतिक संपदा को बनाए रखने के लिए जवाबदेही, पारदर्शिता और ईमानदारी के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) के योगदान की सराहना भी की। लेखापरीक्षा दिवस समारोह 2025 में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए, उपराष्ट्रपति ने सीएजी की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की और इस संस्था को 'जनता के खजाने का संरक्षक' बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि लेखापरीक्षा में निष्पक्षता और सत्य को कायम रखते हुए सीएजी जवाबदेही, पारदर्शिता और सत्यनिष्ठा, भारत की नैतिक संपदा का एक स्तंभ है। राधाकृष्णन ने केंद्र सरकार और सभी राज्य सरकारों के लिए "एक राष्ट्र, एक वस्तु व्यय शीर्ष" अधिसूचित करने के लिए भारत के सीएजी की भी सराहना की। यह एक ऐसा सुधार है जो सरकारी व्यय की पारदर्शिता और तुलनात्मकता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगा। उपराष्ट्रपति ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ), अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) और कई अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों के लिए बाह्य लेखा परीक्षक के रूप में अपनी भूमिका के माध्यम से सीएजी की वैश्विक प्रतिष्ठा बढ़ी है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि सीएजी वर्तमान में एशियाई सर्वोच्च लेखापरीक्षा संस्थानों के संगठन (एएसओएसएआई) की अध्यक्षता कर रहे हैं, जो भारत के अनुयायी से वैश्विक नेता के रूप में उभरने की यात्रा का प्रमाण है। उपराष्ट्रपति ने कहा, "जैसे-जैसे देश 'विकसित भारत 2047' के विजन की ओर बढ़ रहा है, सीएजी प्रभावी शासन के लिए राजकोषीय अनुशासन और पारदर्शिता सुनिश्चित करने में एक प्रमुख भागीदार बना रहेगा।" उन्होंने अधिकारियों से सार्वजनिक व्यय में पारदर्शिता बढ़ाने और यह सुनिश्चित करने के लिए अपने कौशल और लेखा परीक्षा क्षमताओं को निरंतर एडवांस बनाने का आग्रह किया, ताकि जनता का पैसा जन कल्याण के लिए उपयोग किया जाए। दिल्ली में एक अलग मीडिया पुरस्कार समारोह में, उपराष्ट्रपति ने केंद्रीय पर्यटन और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी को सम्मानित किया। अपने संबोधन में, उपराष्ट्रपति ने कहा कि सिनेमा और राजनीति दो बिल्कुल अलग दुनियाएं हैं, लेकिन एक बात समान है - दोनों ही अनिश्चित क्षेत्र हैं। उन्होंने दोनों में बने रहने और सफल होने के लिए सुरेश गोपी की सराहना की। उपराष्ट्रपति ने युवाओं में आशावाद को प्रेरित करने के लिए देश के सकारात्मक विकास को उजागर करने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया।

वीरांगना ऊदा देवी न केवल नारी शक्ति, बल्कि हर हिंदुस्तानी के लिए प्रेरणा हैं : योगी

✔ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ शौर्य, त्याग व बलिदान की प्रतिमूर्ति वीरांगना ऊदा देवी पासी के बलिदान दिवस पर रविवार को उनकी प्रतिमा का अनावरण किया

उत्तम भारत संवाददाता, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की स्वाधीनता में वीरों व वीरांगनाओं का योगदान अविस्मरणीय है। इस मामले में लखनऊ की भूमि अनोखी है। उन्होंने कहा कि 1857 के प्रथम स्वातंत्र्य समर का केंद्र बिंदु उत्तर प्रदेश ही था। शहीद मंगल पांडेय ने बैरकपुर में इसकी हुंकार भरी थी। धन सिंह कोतवाल ने उसे मेरठ में आगे बढ़ाया था। झांसी में महारानी लक्ष्मीबाई अमर योद्धा के रूप में उसे नेतृत्व दे रही थीं। बिठूर में तात्या टोपे उस लहर को मजबूती प्रदान कर रहे थे। सीएम ने बेगम हजरत महल का भी जिक्र किया और कहा कि वीरांगना ऊदा देवी पासी जैसे अमर सेनानियों के साथ मिलकर विदेशी फिरंगियों को भगाने के लिए प्रथम स्वातंत्र्य समर की अमर योद्धा के रूप में वे स्मरण की जाती हैं। वीरांगना ऊदा देवी न केवल नारी शक्ति, बल्कि हर हिंदुस्तानी के लिए प्रेरणा हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ शौर्य, त्याग व बलिदान की प्रतिमूर्ति वीरांगना ऊदा देवी पासी के बलिदान दिवस पर रविवार को उनकी प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने पासी स्वाभिमान दिवस को भी संबोधित किया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वीरांगना ऊदा देवी ने विदेशी हुकूमतों के चूलों को हिलाने व अत्याचार का जवाब देने के लिए 16 नवंबर 1857 को लखनऊ के सिकंदरबाग में पीपल के पेड़ पर चढ़कर 36 अंग्रेज सैनिकों को ढेर किया था। उनका नाम इतिहास में अमर हो गया। वीरांगना ऊदा देवी का बलिदान प्रेरणा देता है कि अन्याय बड़ा हो तो प्रतिरोध उससे भी बड़ा होना चाहिए। उन्होंने अन्याय के खिलाफ लड़ने के लिए देश के क्रांतिकारियों व युवाओं को मार्गदर्शन दिया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में डबल इंजन की सरकार पीएम मोदी के मार्गदर्शन में विरासत का सम्मान कर रही है। काशी में काशी विश्वनाथ धाम, अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भगवान राम का मंदिर निर्माण किया गया। सीएम योगी ने कहा कि महाराजा बिजली पासी किले के कार्यक्रमों में मैं गया था। हमारी सरकार ने किले के सुंदरीकरण के साथ ही लाइट एंड साउंड का कार्य भी स्वीकृत किया है, जिससे वर्तमान पीढ़ी इस क्षेत्र के उन सभी योद्धाओं (महाराजा लाखन पासी, सातन पासी, चीता पासी, बिजली पासी, राजा गंगाबख्श रावत, वीरा पासी) के इतिहास को जान सके और उससे प्रेरणा प्राप्त कर सके। सरकार इनके पुराने किलों के पुनरोद्धार के साथ ही इसे नौजवानों व वर्तमान पीढ़ी के लिए प्रेरणा का केंद्र बिंदु बना रही है।

सीएम धामी ने रक्षा मंत्री राजनाथ से की शिष्टाचार भेंट

✔ एयरफोर्स आडिट ब्रांच को देहरादून में ही रखने का किया अनुरोध

✔ मुख्यमंत्री धामी ने धार्मिक सांस्कृतिक धरोहरों से सम्बंधित मामलों में हस्तक्षेप का किया आग्रह

उत्तम भारत संवाददाता, देहरादून/नई दिल्ली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से शिष्टाचार भेंट कर उत्तराखंड से संबंधित दो महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सामरिक हित, रक्षा प्रणाली और धार्मिक-सांस्कृतिक धरोहरों की दृष्टि से आवश्यक मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए केंद्रीय मंत्री से आवश्यक सहयोग और हस्तक्षेप का आग्रह किया। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री धामी ने सबसे पहले एयर फोर्स ऑडिट ब्रांच को देहरादून में यथावत रखने का अनुरोध रखा। उन्होंने रक्षा मंत्री को अवगत कराया कि यह महत्वपूर्ण ऑडिट ब्रांच लंबे समय से राजधानी देहरादून में बिना किसी व्यवधान और सुचारू रूप से कार्यरत है। राज्य की सीमाएँ चीन व नेपाल जैसे दो अंतरराष्ट्रीय देशों से लगने, तथा देहरादून में सेना, अर्धसैनिक बलों और रक्षा प्रतिष्ठानों की बड़ी संख्या होने के कारण, यहां की प्रशासनिक और सामरिक महत्ता अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देहरादून में स्थित एयर फोर्स ऑडिट ब्रांच न केवल रणनीतिक रूप से उपयुक्त है, बल्कि यहां उपलब्ध बुनियादी सुविधाएँ और सुरक्षा परिवेश भी इसे संचालन के लिए आदर्श बनाते हैं। मुख्यमंत्री ने रक्षा मंत्री से आग्रह किया कि ब्रांच को अन्यत्र स्थानांतरित न किया जाए तथा इसे देहरादून से ही संचालित रखने के निर्देश दिए जाएँ। मुख्यमंत्री धामी ने इसके साथ ही ग्वालदम-नंदकेसरी-थराली-देवाल-मुन्दोली-वाण मोटर मार्ग के रख-रखाव एवं अनुरक्षण का कार्य उत्तराखंड लोक निर्माण विभाग के पास ही बनाए रखने का भी प्रबल अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि यह मार्ग उत्तराखंड की आस्था और सांस्कृतिक पहचान से जुड़े विश्वप्रसिद्ध नंदा देवी राजजात यात्रा का मुख्य मार्ग है। वर्ष 2026 में प्रस्तावित अगली राजजात यात्रा के मद्देनजर इस मार्ग की बेहतर स्थिति सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने बताया कि स्थानीय भूगोल, संवेदनशील स्थलाकृति, पर्वतीय परिस्थितियों और आपात स्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया की दृष्टि से पीडब्लूडी ही इस मार्ग के रख-रखाव के लिए सबसे उचित विभाग है। लोक निर्माण विभाग इस मार्ग की जटिलताओं से भली-भांति परिचित है और स्थानीय स्तर पर उसकी कार्यकुशलता एवं समयबद्ध निष्पादन से यात्रा के दौरान लाखों श्रद्धालुओं, स्थानीय ग्रामीणों और पर्यटकों को सुगम आवागमन सुनिश्चित हो सकेगा। मुख्यमंत्री ने रक्षा मंत्री को बताया कि नंदा देवी राजजात यात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह राज्य की सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपरा और पर्वतीय आस्था का प्रतीक है। ऐसे में यात्रा मार्ग का समय रहते उच्च गुणवत्ता के साथ अनुरक्षण आवश्यक है। बैठक के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मुख्यमंत्री द्वारा प्रस्तुत दोनों विषयों को गंभीरता से सुना और इन पर सकारात्मक रूप से विचार करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार उत्तराखंड के सामरिक, सांस्कृतिक और विकास से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर लेती है और राज्य को हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

P-10:28 paga09_jhn.qxd 11/16/2025 8:51 PM Page 1

हरियाणा में उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की 32वीं बैठक की अध्यक्षता करेंगे केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

फरीदाबाद। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह, सोमवार, 17 नवंबर, 2025 को फरीदाबाद, हरियाणा में उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की 32वीं बैठक की अध्यक्षता करेंगे। उत्तरी क्षेत्रीय परिषद में हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, दिल्ली, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख और चंडीगढ़ राज्य/संघ राज्यक्षेत्र शामिल हैं। भारत सरकार, राज्य सरकारों, और संघ राज्यक्षेत्रों के वरिष्ठ अधिकारी भी परिषद की इस बैठक में भाग लेंगे। यह बैठक अंतर-राज्य परिषद सचिवालय, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा हरियाणा सरकार की मेजबानी में आयोजित की जा रही है। केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह, मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी व देश के उत्तरी राज्यों के विशिष्टजनों के आगमन को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा पुख्ता इंतजाम किए गए तथा सुरक्षा की दृष्टि से भी कड़े प्रबंध किए गए है।

उत्तर क्षेत्रीय परिषद के उपाध्यक्ष मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी

उल्लेखनीय है कि राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 की धारा 15 से 22 के तहत उत्तरी क्षेत्रीय परिषद सहित 5 क्षेत्रीय परिषदों की स्थापना की गई है। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह उत्तरी क्षेत्रीय परिषद के अध्यक्ष हैं और हरियाणा के मुख्यमंत्री इसके उपाध्यक्ष हैं। सदस्य राज्यों में से एक राज्य के मुख्यमंत्री, हर साल परिषद के उपाध्यक्ष होते हैं। इस क्षेत्रीय परिषद में उत्तरी क्षेत्र के प्रत्येक राज्य के मुख्यमंत्री तथा दो वरिष्ठ मंत्री, और उत्तरी क्षेत्र के संघ राज्यक्षेत्रों के उप-राज्यपाल, मुख्यमंत्री एवं प्रशासक सदस्य हैं। क्षेत्रीय परिषद ने मुख्य सचिवों के स्तर पर एक स्थायी समिति का भी गठन किया है। राज्यों द्वारा प्रस्तावित मुद्दों को पहले क्षेत्रीय परिषद की स्थायी समिति के समक्ष चर्चा के लिए प्रस्तुत किया जाता है, जिनमें विचार के बाद शेष बचे मुद्दों को क्षेत्रीय परिषद की बैठक में विचार के लिए प्रस्तुत किया जाता है।

मजबूत राज्यों से ही बनता राष्ट्र मजबूत

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने सहकारी संघवाद के आधार पर ळएअट इल्अफ्अळ की कल्पना देश के सामने रखी है और क्षेत्रीय परिषदें इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। क्षेत्रीय परिषदें मजबूत राज्य ही मजबूत राष्ट्र बनाते हैं की भावना से काम करती हैं।परिषदें दो या अधिक राज्यों अथवा केंद्र और राज्यों को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर, संवाद और चर्चा के लिए एक व्यवस्थित तंत्र, तथा इसके जरिये आपसी सहयोग को बढ़ाने के लिए मंच प्रदान करती हैं।

यह हैं क्षेत्रीय परिषद की बैठकों का महत्व

क्षेत्रीय परिषदों की भूमिका सलाहकारी है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में ये परिषदें विभिन्न क्षेत्रों में आपसी समझ और सहयोग के स्वस्थ बंधन को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण कारक साबित हुई हैं। सभी राज्य सरकारों, केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों के सहयोग से पिछले ग्यारह वर्षों में (जून 2014 से अब तक) विभिन्न क्षेत्रीय परिषदों और इनकी स्थायी समितियों की कुल 63 बैठकें आयोजित हुई है।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह का कांग्रेस नेता अनिल नेताजी ने अपने सर्मथकों सहित किया भव्य स्वागत

फरीदाबाद। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह शनिवार को कांग्रेस के अनिल नेताजी के निवास स्थान गांधी कॉलोनी सेक्टर 21 बी पर वोट चोर-गद्दी छोड़ अभियान के तहत आयोजित चाय पर चर्चा कार्यक्रम में पहंचे। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता अनिल नेताजी ने अपने सर्मथकों सहित मुख्य अतिथि के तौर पर पधारे हरियाणा प्रदेश के अध्यक्ष आदरणीय राव नरेंद्र सिंह, जिला अध्यक्ष बलजीत कौशिक, जिला प्रभारी सुधीर चौधरी, का बुक्के देकर भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकताओं को संबोधित को संबोधित करते प्रदेशाध्यक्ष राव नरेन्द्र ने कहा कि भाजपा संविधान को बदलना चाहती है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस नेता राहुल गांधी सत्ता नहीं, बल्कि संविधान और लोकतंत्र बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। उनकी इस लड़ाई में हम सभी को एकजुट होकर पूरी मजबूती से खड़ा होना है। उन्होंने कहा कि संविधान निमार्ता बाबा साहब डॉ बी.आर. अंबेडकर और स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा बनाए गए संविधान के साथ कांग्रेस किसी भी सूरत में छेड़छाड़ और बदलाव नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भाजपा के निरंकुश और तानाशाही शासन के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं, क्योंकि कांग्रेस का इतिहास झुकने का नहीं, बल्कि लडने. का रहा है। इसलिए वोट चोरी की लड़ाई को हर गांव, हर बूथ और हर घर तक लेकर जाना है, ताकि जनता भाजपा की सच्चाई समझ सके। उन्होंने वोट चोर-गद्दी छोड़ अभियान कार्यक्रम में मौजूद कार्यकताओं को संकल्प दिलाया कि वे पूरी एकजुटता के साथ इस लड़ाई को लड़ेंगे। इस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता अनिल नेताजी ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को विश्वास दिलाया कि फरीदाबाद में कांग्रेस कभी पीछे नहीं रहेगी। जब भी कोई जिम्मेदारी मिली है उन्होंने पार्टी द्वारा दिए गए कार्यक्रम को मजबूती से करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि हम 24 घंटे में किसी भी काम करने को लेकर वह तुरन्त खड़े मिलेगें। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद में जब भी कोई हादसा या घटना हुई है कांग्रेस सिपाही के रूप में हमेशा पीड़ित के साथ खड़े रहे है। उन्होंने कांग्रेस कार्यकताओं से आह्वान किया कि सभी एकजुट होकर भाजपा की जनविरोधी ताकत को उखाड़ फैंकने का काम करेगें। तभी कांग्रेस सत्ता में आएगी। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता गुलशन बग्गा, सुमित गौड, परसोत्तम लाल, वरिष्ठ नेता अनिल कुमार नेताजी के सुपुत्र गौरव चौधरी, आरसी बागोरिया,अनिल भंडारी, गजन लंबा, रेनू चौहान, सविता चौधरी, रतन पाल चौहान, भारत कपूर, गोलू भाई, विपिन कर्दम, राजवीर प्रधान, प्रेम भाई, रूपेश देव, पहलवान शीशपाल, पराग गौतम, इकबाल कुरैशी, चंचल तंवर,आदि कांग्रेस कार्यकर्ता विशेष रूप से उपस्थित थे।

तावडू मंडल में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान मंडल स्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया गया

तावडू। तावडू में आत्मनिर्भर संकल्प अभियान मंडल स्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता भाजपा के तावडू मंडल अध्यक्ष शिवम गर्ग ने की। इस अवसर पर मुख्य वक्ता दिनेश राघव, तावडू मंडल प्रभारी धर्मेन्द्र यादव, चेयरमैन प्रतिनिधि और अनाज मंडी प्रधान संजय गोयल, वाइस चेयरमैन धर्मेन्द्र भारद्वाज, मंडल महामंत्री पंकज कुमार, मंडल महामंत्री पंकज तनेजा, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष पूनम सोनी, ओबीसी मोर्चा मंडल अध्यक्ष संजय जांगिड, जिला आई टी सदस्य सुनील प्रजापति, मंडल टीम एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मंडल अध्यक्ष शिवम गर्ग ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत एक नए युग की शुरूआत है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का मतलब है स्वावलंबन, स्वाभिमान और स्वदेशी। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक ऐसा सपना है, जिसमें भारत अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए पूरी तरह से सक्षम हो। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता दिनेश राघव ने आत्मनिर्भर भारत के विषय विस्तार पूर्वक जानकारी दी। सम्मेलन में आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूत करने और मंडल स्तर पर पार्टी को मजबूत बनाने पर चर्चा की गई और सभी को स्वदेशी अपनाओ की शपथ दिलाई गई।

तावडू की छात्रा निक्कू ने हिंदी कविता प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल करते हुए गोल्ड मेडल जीता

तावडू। उपमंडल के गांव बावला में स्थित हरद्वारी लाल गोयल राजकीय महाविद्यालय से गुरुग्राम यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम में आयोजित यूथ फेस्टिवल में महाविद्यालय की छात्रा निक्कू ने हिंदी कविता प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल करते हुए गोल्ड मेडल जीता। महाविद्यालय ने स्लोगन प्रतियोगिता में भी ईनाम हासिल किया। पुरुस्कार वितरण समारोह के दौरान मुख्य अतिथियों पर्यावरण एवं वन मंत्री राव नरबीर सिंह तथा शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने विजेताओं को मेडल प्रदान किये। योगेश त्यागी, योगिता, सुनील कुमार आदि की विशेष भूमिका रही। महाविद्यालय के प्राचार्य ऋषि कुमार ने विजेताओं को बधाई दी। जिला स्तरीय रेड क्रॉस आयोजित पांच दिवसीय प्रतियोगिता में सोनिया तथा मुस्कान के द्वारा क्विज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

तावडू में कामधेनु गोधाम में विराजे रमण बिहारी जी व कामेश्वर महाराज

तावडू। उपमंडल के गांव बिस्सर अकबरपुर में स्थित गौशाला में रमण बिहारी व कामेश्वर महादेव विराजमान हो गए। सबको आशीर्वाद देते हुए गोविंद गिरी महाराज जी ने कहा कि आज आवश्यकता है, सनातन धर्म के सिद्धांतों को जन जन तक पहुंचाने की। अब कामधेनु गोधाम इसकी जन जागृति में आगे आयेगा। कामधेनु गोदाम के संस्थापक एस पी गुप्ता ने सभी सम्मानित अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि उनके लिए अत्यन्त हर्ष का दिन है। कामधेनु आरोग्य संस्थान में नवनिर्मित मंदिर के उद्घाटन समारोह में परम पूज्य स्वामी का आगमन हुआ। भागवत कथा के साथ भगवान जी मन्दिर में विराजमान हो गये और हमारे भारत भूमि के महान संत श्रद्धेय गोविन्द देव गिरी जी महाराज की पावन उपस्थिति में लोकार्पण समारोह हुआ। यह हम सभी गो भक्तों व कामधेनु परिवार के लिए अत्यन्त सौभाग्य की बात है। इस सप्तदिवसीय भागवत कथा में मित्र, पारिवारिक जनों ने यजमान बनकर सेवा कार्य किया एवं अनेक परिवारिक जनों के सहयोग से यह सब संभव हो पाया। अब भगवान से यही प्रार्थना है कि वह हमें शक्ति प्रदान करे ताकि हम समाज व राष्ट्र की सेवा और कर सकें।

तावडू में फायर बिग्रेड कर्मियों ने गाय का रैस्क्यू सफलता पूर्वक किया।

तावडू। शहर के वार्ड नंबर 2 में स्थित पानी से भरे एक गड्ढे में रविवार को एक गाय गिर गई। जिसकी सूचना फायर बिग्रेडकर्मियों को दी गई। फायर बिग्रेड कर्मियों ने तुरंत प्रभाव से मौके पर पहुंच गाय का रैस्क्यू सफलता पूर्वक किया। फायरमैन मंजीत सिंह, रविन्द्र आदि की टीम ने सूचना पर शहर के वार्ड नंबर 2 पानी से भरे गड्ढे में फंसी गाय को सफलता पूर्वक रैस्क्यू कर गाय का सुरक्षित निकाल लिया। जबकि गाय को किसी तरह का कोई नुकसान नहीं हुआ। लोगों ने फायर बिग्रेड कर्मियों का आभार व्यक्त किया।

तिगांव विधानसभा में भी होंगी शहरों जैसी सुविधाएं: विपुल गोयल

● मैं आपके लिए मंत्री विधायक नेता नहीं, भाई बेटा हूं - राजेश नागर

फरीदाबाद। शहर का विकास और सभी के साथ से सुशासन के लिए काम करना हमारा मूल मंत्र है। तिगांव में भी हम शहरों जैसी सुविधाएं देने के लिए प्रयास कर रहे हैं। मैं और राजेश नागर मिलकर फरीदाबाद का विकास करने में लगे हैं, लेकिन इसमें आप सबका भी भरपूर सहयोग हमें चाहिए क्योंकि कुछ लोग अफवाह फैला कर शहर का विकास रोकना चाहते हैं। यह बात कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने कही। वह ज्ञापन देने पहुंची 84 पाल की सरदारी को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मंत्री राजेश नागर भी मौके पर मौजूद रहे। इस अवसर पर मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि मैं और राजेश नागर बचपन के साथी हैं। हमारा आपस में कुछ भी छुपा नहीं रहता है। मैं ऐसा कोई काम नहीं करूंगा जिससे क्षेत्र को कोई नुकसान हो, लेकिन यह बात आप भी जानते हो कि शहर की सफाई के लिए कूड़े का निस्तारण करना भी बहुत जरूरी है। ऐसा ना हो कि सरदारी हर जगह कूड़े घर का विरोध करे। इस अवसर पर मंत्री राजेश नागर ने कहा कि विरोधियों द्वारा नीमका में कूड़ा घर बनाए जाने की अफवाह ऐसे समय में फैलाई गई, जब हम दोनों मंत्री और सभी प्रमुख नेता शहर से बाहर बिहार चुनाव में व्यस्त थे लेकिन मुझे जैसे ही पता चला मैंने वहीं से इस बारे में मंत्री विपुल गोयल और विभाग के अधिकारियों से पता कर अफवाह की हवा निकाल दी। उन्होंने कहा कि आज आप लोगों का प्यार और समर्थन देखकर मैं एक बार फिर आपके सामने नतमस्तक हो रहा हूं। इससे पहले बड़ी संख्या में सरदारी नीमका स्थित 84 पाल के चबूतरे पर एकत्रित हुई और तय किया कि नीमका की जमीन पर किसी विश्वविद्यालय, आईटी हब आदि के लिए सरकार से मांग करें। उन्होंने इस बारे में मंत्री राजेश नागर के साथ मिलकर स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल को एक ज्ञापन भी सौंपा। जिसमें हर संभव प्रयास का वादा मंत्री गोयल ने सरदारी से किया। इससे बाद सभी ने मंत्री राजेश नागर का उनके निवास भतोला निवास पर अभिनंदन किया। जिसमें हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे। सभा में मंत्री राजेश नागर ने कहा कि मैं आपके लिए मंत्री या विधायक नहीं हूं बल्कि आपका भाई बेटा हूं। आप लोगों ने मुझे बनाया है और मैं आप लोगों की सेवा करने के लिए राजनीति में आया हूं। इस अवसर पर रणवीर चंदीला, पार्षद प्रदीप टोंगर, पार्षद लाल मिश्रा, भाजपा नेता अजय प्रताप भड़ाना, सरपंच महिपाल आर्य, सरपंच लालपुर ललित चौहान, सरपंच केहर सिंह, सरपंच हरिश्चंद्र, सरपंच वेद प्रकाश, सरपंच विक्रम सिंह, रामसिंह सरपंच महमूदपुर, आरडब्ल्यूए प्रेजिडेंट सेक्टर 76 विनोद नागर, संत राज चंदीला, खड़क सिंह चेयरमेन, हरिचंद सरपंच तिगांव, हरिचंद सरपंच मुझेड़ी, अजब चंदीला, बोधराज तिगांव, राजन नागर, नंदू चंदीला, पप्पू भगत, राजवीर सरपंच, बोहरा चतर सिंह, प्रहलाद शर्मा, ठाकुर वीरभान, ललित नागर, राजेंद्र सरपंच, सुरेंद्र बिधूड़ी, प्रताप नागर, लीलू नागर सहित समस्त 84 पाल की सरदारी मौजूद रही।

साई धाम में सामूहिक विवाह समारोह में 25 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में

फरीदाबाद। साई धाम द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह में 25 जोड़ों को परिणय-सूत्र में बांधा गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि तनुज आहूजा, इशिता पाटिल व उनके परिवार के साथ साथ दीपक खन्ना, साई धाम के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संदीप गुप्ता, उपाध्यक्ष पूनम गुप्ता, सचिव प्रदीप सिंघल, प्रधानाचार्या डा. बीनू शर्मा व शिरडी साई बाबा टैम्पल सोसायटी के एडवाइजरी बोर्ड मेम्बर्स द्वारा दीप प्रज्जवलन कर किया गया। तत्पश्चात शिरडी साई बाबा स्कूल के बच्चों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया जिसने सभी का मन मोह लिया। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष डा० मोतीलाल गुप्ता ने अपने संदेश में नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि हमें सामूहिक विवाह को प्रोत्साहित करना चाहिए ताकि दहेज प्रथा जैसी बुराईयों को रोका जा सके। संस्था द्वारा विवाह के बंधन में बंधे 25 जोड़ों को घर-गृहस्थी के लिए हर प्रकार का घरेलू सामान जैसे सिलाई मशीन, गैस चूल्हा, बर्तन, कपड़े, बिस्तर, फोल्डिंग बैड इत्यादि दिया गया। सभी दूल्हा-दुल्हनों के परिजनों ने साईं धाम के इस आयोजन की हृदय से प्रशंसा की। तनुज आहूजा एवं इशिता पाटिल ने अपने विवाह से पूर्व एक सामाजिक कार्य करते हुए साई धाम की सभी 25 शादियों को स्पोंसर किया। अपना अनुभव बताते हुए उन्होंने साई धाम व डा. मोतीलाल गुप्ता द्वारा किये जा रहे जन कार्यों की सराहना की साथ ही उन्होंने कहा कि डा. गुप्ता का जीवन हम सबके लिए प्रेरणा का स्रोत है। इनके द्वारा किए जा रहे कार्यों का लाभ न केवल फरीदाबाद को मिल रहा है बल्कि पूरा राष्ट्र अनुग्रहीत हो रहा है। कार्यक्रम का संचालन आजाद शिवम दीक्षित ने सुचारू रूप से किया। संदीप सिंघल ने सभी अतिथियों का धन्यवाद किया एवं नवविवाहित जोड़ों को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में जे.बी. गुप्ता, अजय आहूजा, नीना आहूजा, ध्रुव आहूजा, जयदीप पाटिल, मनीषा पाटिल, अक्षिता पाटिल, पी के गुप्ता, सतीश हसीजा, ऋचा प्रधान, बदरुद्दीन, लवली विज, नरेश वर्मा व साईं धाम एडवाइजरी बोर्ड के सदस्य आदि शामिल हुए।

विद्यासागर इंटरनेशनल स्कूल की दोनों ब्रांचों ने किया भव्य स्पोर्ट्स मीट का आयोजन, हजारों दर्शक बने गवाह

फरीदाबाद। विद्यासागर इंटरनेशनल स्कूल की दोनों ब्रांचों द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित भव्य स्पोर्ट्स मीट का आज शानदार आगाज हुआ। खेलों के इस विशाल आयोजन ने क्षेत्र में उत्साह, जोश और खेल भावना का अद्वितीय माहौल बना दिया। स्पोर्ट्स मीट में करीब 5 से 6 हजार दर्शकों ने उपस्थिति दर्ज कराई, जिससे कार्यक्रम एक बड़े उत्सव का रूप लेता दिखाई दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा के लोकप्रिय मंत्री श्री राजेश नागर , उनके साथ मेयर प्रवीन बत्रा जोशी एवं विशिष्ट अतिथि श्री संदीप दहिया ील्ल ल्र२५स्र ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराते हुए कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। अतिथियों का स्वागत चेयरमैन धर्मपाल यादव , डायरेक्टर दीपक यादव और सुनीता यादव ने फूलो का गुलदस्ता व पटका पहनाकर किया। अतिथियों ने संयुक्त रूप से राष्ट्रध्वज तिरंगा फहराकर और दीप प्रज्वलित कर स्पोर्ट्स मीट का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में पेरेंट्स और बच्चों के मनोरंजन के लिए एक आकर्षक कार्निवल का भी आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों के खेलने के लिए विभिन्न तरह के फन गेम्स की व्यवस्था की गई। कार्निवल में लगाए गए स्टॉलों पर बच्चों के लिए रिंग टॉस, बलून डार्ट, हिट द टारगेट, मिनी स्पोर्ट्स एक्टिविटीज सहित कई रोचक खेलों का आनंद सभी ने उत्साहपूर्वक लिया। वहीं दूसरी ओर, स्वाद के शौकीन पेरेंट्स और बच्चों के लिए चटपटे व्यंजनों की विशेष व्यवस्था की गई, जिसे स्कूल के बच्चों और टीम ने मिलकर संचालित किया। खाने-पीने के स्टॉलों ने पूरे वातावरण को और अधिक जीवंत बना दिया। कार्यक्रम की शुरूआत एक विशेष और प्रेरणादायक पल के साथ हुई, जब मुख्य अतिथियों और प्रबंधन द्वारा कबूतर उड़ाकर शांति और सद्भाव का संदेश दिया गया। जैसे ही सफेद कबूतर आसमान की ओर उड़े, पूरे मैदान में मौजूद दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से इस शुभ और शांतिपूर्ण शुरूआत का स्वागत किया। इस मौके पर मुख्य अतिथियों ने बच्चों की प्रतिभा और अनुशासन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन न केवल विद्यार्थियों को शारीरिक रूप से मजबूत बनाते हैं, बल्कि उनमें अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और टीमवर्क की भावना को भी विकसित करते हैं। इस अवसर पर स्कूल चेयरमैन धर्मपाल यादव ने कहा कि विद्यासागर इंटरनेशनल स्कूल शिक्षा के साथ-साथ खेल एवं अन्य गतिविधियों में भी बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सदैव प्रतिबद्ध हैं साथ-साथ उन्होंने भव्य आयोजन के लिए दोनों ब्रांच की प्रिंसिपल रेखा मालिक, स्वेता नाग और उनकी पूरी टीम की सराहना करी। उन्होंने आशा जताई की आगे भी ऐसे बड़े आयोजन बच्चो ओर अभिभावकों के लिए होते रहेंगे।

रेड लाइट नहीं होने के चलते सोहना के दम दमा मोड पर आए दिन लगता है जाम

सोहना। सोहना दम दमा मोड पर रेड लाइट खराब होने के कारण आय दिन जाम लगता रहता है। ऐसा ही नजारा आए दिन देखने को मिलता है।आज रविवार को। छुट्टी होते हुए भी दम दमा मोड पर आड़े तिरछे वाहन फंस गए।जहां वाहनों की लंबी लाइन लग गई। घंटों वहां फंसे रहे लेकिन मजाल है कि कोई पुलिस वाले और ट्रैफिक कमार्चारी वहां समय पर पहुंच जाते और जाम खुलवा देते। हालांकि मीडिया कर्मी ने थाना प्रभारी को भी फोन किया लेकिन एक पुलिस का जवान वाहन चालकों को कभी इधर रोकने का प्रयास करता कभी दूसरी ओर ।वहां मौके पर लोग खुद जाम खुलवाने में जुटे रहे।जहां मौके पर पहुंचे मंदीप खटाना ने बताया कि आए दिन यह नजारा देखने को मिलता है और बेवजह लोग जाम में फंसे रहते हैं। खासकर जब स्कूल का टाइम होता है के आर मंगलम और जी डी गोयंका की बसे आड़ी तिरछी बसों को लगा कर खड़े हो जाते हैं।उसके अलावा दम दमा रोड पर स्कूल की बसे भी फंस जाती है। दम दमा मोड की रेड लाइट टूटे आज लगभग 6महीने से ऊपर हो गए।लेकिन न तो ट्रैफिक विभाग कोई इस को ठीक करा रहा है और न ही नगर परिषद के अधिकारी इस पर ध्यान दे रहे हैं।जाम की सूचना मिलने पर ट्रैफिक के जवान घामोदोज फ्लाईओवर पर चालान करने में व्यस्त थे लेकिन जाम खुलवाने नहीं पहुंचे।जहां बताया का रहा है कि लगभग एक से डेढ़ घंटे में जाम खुला ओर लोगों राहत ली।बताया जा रहा है कि इन शो रूम के आगे बेतरतीब वाहन पार्किंग और नाले को पाट लेना भी समस्या बनती जा रही है।यहां पर ट्रैफिक रूट डायवर्ट को लेकर डिवाइडर लगाने चाहिए जिससे जाम न लगे।उसके अलावा ट्रैफिक के जवान सुबह से शाम 6 बजे तक तैनात होने चाहिए।

जब सोहना चौक तैनात ट्रैफिक के जेड ओ राजेश कुमार से जाम की बात की तो उन्होंने बताया कि मेरा तबादला हो चुका है वहां कोई और अधिकारी आया है। वहीं सोहना से समाजसेवी अशोक गर्ग रेडीमेड वाले,अंकुर सिंगला,पार्षद पिंटू सिंगला,ललित जिंदल,सतीश राघव,रवि राघव,पहलवान सतबीर पहलवान ने डी जी पी ओ पी सिंह से मांग की है लापरवाह पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्यवाही करें।

समाचार

2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के सपने को लेकर आगे बढ़ रहा भारत: पिंकी चाहर

सोहना। आज सोहना मंडल कार्यालय पर आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण मण्डल सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता मण्डल अध्यक्ष सौरभ सिंगला ने की। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रिंसी चाहर ने अपने विचार रखे। इस अवसर पर मण्डल महामंत्री सतबीर सुथार, गौरव दायमा, पार्षद कपिल सैनी, मण्डल उपाध्यक्ष दिनेश गर्ग, जिला उपाध्यक्ष गौरव चुग, मण्डल प्रभारी मेहर चंद गांधी, सोशल मीडिया प्रभारी सौरभ राघव, मण्डल कार्यकारिणी, जिला कार्यकारिणी सदस्य विजय खटाना, तरुण लठ,बूथ अध्यक्ष और भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य वक्ता पिंकी चाहर ने कहा एक वक्त का था जब हम रक्षा क्षेत्र की हर छोटी-बड़ी जरूरतों के लिए दूसरे देशों के मोहताज थे। लेकिन अब इस मोर्चे पर भारत की स्थिति धीरे-धीरे बदल रही है। 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के सपने को लेकर आगे बढ़ रहा भारत रक्षा क्षेत्र में भी आत्मनिर्भर बनने की राह पर धीरे-धीरे, लेकिन मजबूती के साथ कदम आगे बढ़ा रहा है। वहीं मंडल अध्यक्ष सौरभ सिंगला ने कहा जैसे-जैसे देश की अर्थव्यवस्था वैश्विक स्तर पर मजबूत हो रही है, भारत रक्षा क्षेत्र के लिए जरूरी सामानों के आयात को कम कर रहा है और उसके लिए 'मेक इन इंडिया' अभियान के तहत घरेलू बुनियादी ढांचे का निर्माण पर जोर दे रहा है. आयात कम करने का ये मतलब नहीं है कि उन सामानों की जरूरत ही नहीं है, बल्कि उन सामानों को अब भारत अपने देश में ही बनाने पर फोकस कर रहा है।

मुख्यमंत्री मातृत्व सहायता योजना अब सेवा का अधिकार अधिनियम में शामिल - उपायुक्त अखिल पिलानी

नूंह। हरियाणा सरकार ने महिला एवं बाल विकास विभाग की मुख्यमंत्री मातृत्व सहायता योजना को अब सेवा का अधिकार अधिनियम में शामिल कर दिया है और इसके तहत मिलने वाले लाभों के लिए 45 दिन की समय-सीमा निर्धारित की है। उपायुक्त अखिल पिलानी ने बताया कि इस योजना के लिए जिला कार्यक्रम अधिकारी को पदनामित अधिकारी, कार्यक्रम अधिकारी (पोषण)/उप निदेशक को प्रथम शिकायत निवारण प्राधिकारी तथा संयुक्त निदेशक/अतिरिक्त निदेशक को द्वितीय शिकायत निवारण प्राधिकारी नामित किया गया है। उन्होंने बताया कि गर्भावस्था के दौरान मजदूरी से होने वाले नुकसान की भरपाई तथा स्तनपान कराने वाली महिलाओं के पोषण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह योजना चलाई गई है। इसके तहत दूसरे बच्चे के रूप में लड़के को जन्म देने वाली अनुसूचित जाति और जनजाति की महिलाएं लाभ ले सकती हैं। अब 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग महिलाएं, मनरेगा जॉब कार्ड, ई-श्रम कार्ड, बीपीएल राशन कार्ड, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और किसान सम्मान निधि की लाभार्थी महिलाएं भी इस योजना की पात्रता में शामिल कर दी गई हैं। योजना के लिए आधार कार्ड अनिवार्य है और आवेदन आंगनबाड़ी वर्कर या आशा वर्कर के माध्यम से किया जा सकेगा। उपायुक्त ने बताया कि केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में मिलने वाली 5,000 रुपये की सहायता राशि को अब तीन किस्तों की बजाय दो किस्तों में देने का निर्णय लिया गया है।

पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण कर बनवा सकते हैं जन्म प्रमाण पत्र - अखिल पिलानी

नूंह। हरियाणा सरकार ने जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए ऑनलाइन सुविधा प्रदान की है, जिसके तहत कोई भी व्यक्ति अब घर बैठे अपने बच्चे या स्वयं का जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए पोर्टल ١ीरिँ.ड्ढ५.ल्ल पर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकता है। इस बारे में जानकारी देते हुए उपायुक्त अखिल पिलानी ने बताया कि पहले जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए लोगों को सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन अब यह प्रक्रिया पूरी तरह आसान और ऑनलाइन कर दी गई है। उन्होंने कहा कि जन्म प्रमाण पत्र एक अत्यंत महत्वपूर्ण दस्तावेज है और यह तब विशेष रूप से उपयोगी होता है जब किसी व्यक्ति के पास आधार कार्ड या पहचान पत्र उपलब्ध नहीं होता। केंद्र सरकार के नियमों के अनुसार अधिनियम 1996 के तहत हर व्यक्ति के लिए जन्म प्रमाण पत्र तथा मृत्यु के बाद मृत्यु प्रमाण पत्र होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि बच्चे के जन्म के 21 दिनों के भीतर आवेदन करने पर प्रमाण पत्र जल्द जारी हो जाता है, जबकि अधिक समय बीत जाने पर प्रक्रिया में विलंब हो सकता है। उन्होंने बताया कि जन्म प्रमाण पत्र आयु प्रमाण के रूप में उपयोग किया जाता है और कई सरकारी योजनाओं में आवेदन के लिए इसकी आवश्यकता होती है। आधार कार्ड, पहचान पत्र, स्कूल या कॉलेज में प्रवेश, राशन कार्ड बनवाने या नाम जोड़ने, ड्राइविंग लाइसेंस, मूल निवास प्रमाण पत्र, पैन कार्ड तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभ लेने के लिए जन्म प्रमाण पत्र अनिवार्य दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया जाता है। जन्म प्रमाण पत्र के लिए ऑनलाइन पंजीकरण के दौरान माता-पिता का आधार कार्ड, पहचान पत्र, राशन कार्ड, वैवाहिक प्रमाण पत्र, बच्चे का पासपोर्ट साइज फोटो, पिता का मोबाइल नंबर, बच्चे की जन्म तिथि, जन्मस्थान का प्रमाण तथा शपथ पत्र जैसे दस्तावेज आवश्यक हैं।

दिल्ली: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'नमो रन' को दिखाई झंडी

लिशा शर्मा

उत्तम भारत, नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सड़क सुरक्षा और फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए 'नमो रन' को हरी झंडी दिखाई। कार्यक्रम का आयोजन पूर्वी दिल्ली के सूरजमल विहार में स्थित यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में किया गया। इसमें दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, परिवहन मंत्री हर्ष मल्होत्रा और विधायक अरविंदर सिंह लवली भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, "यह आयोजन सुरक्षित दिल्ली की दिशा में एक बड़ा कदम है। खेल प्रतियोगिताओं को सड़क सुरक्षा से जोड़ने और इस दौड़ के माध्यम से लोगों को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करने का उद्देश्य बहुत सुंदर है। इस तरह की प्रतियोगिताएं सुरक्षित और विकसित दिल्ली की राह में बहुत लाभदायक होंगी।" उन्होंने कहा, "आजकल लड़कियां भी बेहतरीन क्रिकेट खेलती हैं। हर खेल का अपना

महत्व है और हर खिलाड़ी अपने आप में महत्वपूर्ण है। यह खेल प्रतियोगिता, यह दौड़ और इसमें आपकी भागीदारी, ये सब बहुत महत्वपूर्ण हैं। आप सभी को और पूरी आयोजन टीम को सभी को एक साथ लाने के लिए मेरी बधाई देती हूं।" भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने वहां मौजूद जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा, "इस तरह की गतिविधियां जीवन का एक नियमित हिस्सा बन जानी चाहिए। मैं यहां उपस्थित अभिभावकों से भी अनुरोध करता हूं कि वे अपने बच्चों को कम से कम एक खेल में रुचि लेने के लिए प्रोत्साहित करें। खेल केवल जीवन जीने का एक तरीका नहीं हैं, ये हमें शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाते हैं। मैंने अक्सर देखा है कि खेलों में शामिल बच्चों में स्वाभाविक रूप से एकाग्रता और अनुशासन विकसित होता है।" इस मौके पर दिल्ली के परिवहन राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की तारीफ की। उन्होंने कहा कि वह हर दिन लोगों के बीच रहती हैं और रोजाना दो-तीन सार्वजनिक कार्यक्रमों में शिरकत करती हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने शायद दस सालों में भी जनता से इतनी मुलाकात नहीं की होगी। सीएम रेखा गुप्ता लोगों से इतना ज्यादा जुड़ी रहती हैं जितना कि कभी-कभी एक महीने में ही, जितना कि दूसरे लोग सालों में भी नहीं कर पाते।

रेजांगला युद्ध के वीर शहीदों के सम्मान में निकली रज कलश यात्रा में पहुंची मुख्यमंत्री, तीन मेट्रो स्टेशनों के नाम बदलेंगे

दीया शर्मा

उत्तम भारत, नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि लद्दाख से हजारों किलोमीटर की लंबी यात्रा कर रेजांगला युद्ध के वीर शहीदों के सम्मान में निकली पवित्र रज कलश यात्रा के हैदरपुर पहुंचना अपने आप में एक गौरवपूर्ण क्षण है। यह पवित्र यात्रा पूरे देश को राष्ट्र प्रथम की भावना में पिरोने वाला एक सशक्त संदेश है। मुख्यमंत्री आज हैदरपुरा गांव में रज कलश यात्रा के समान में यहां शामिल हुई। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए यादव महासभा और सभी आयोजकों को साधुवाद किया, जिन्होंने इस यात्रा को राष्ट्रीय चेतना का स्वरूप दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हैदरपुर गांव की यह धरती आज स्वयं को धन्य मान रही है कि वीर शहीदों की

पवित्र स्मृति यहां पहुंची। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार इस क्षेत्र के समग्र विकास को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। यात्रियों और स्थानीय नागरिकों की सुविधा के लिए तीन मेट्रो स्टेशनों के नाम बदले जा रहे हैं। पीतमपुरा मेट्रो स्टेशन अब मधुबन चौक के नाम से जाना जाएगा। प्रशांत विहार मेट्रो स्टेशन को उत्तरी पीतमपुरा/प्रशांत विहार नाम दिया गया है। हैदरपुर बादली मोड़ का नाम अब हैदरपुर गांव रखा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैक्स अस्पताल मार्ग के चौड़ीकरण और अंडरपास के निर्माण का कार्य भी तेजी से चल रहा है, जिससे यहां के निवासियों को बेहतर यातायात सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि हैदरपुर गांव विकसित दिल्ली की उस नई पहचान का प्रतीक बन रहा है, जिसमें परंपरा को सम्मान और आधुनिक सुविधाओं को प्राथमिकता दी जा रही है।

महिला पुलिस टीम की मेहनत से 47 चोरी-खोए मोबाइल बरामद, 20 मालिकों को लौटाए

उत्तम भारत संवाददाता, नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने एक बार फिर अपनी सजगता और समर्पण का परिचय दिया है। अपराध शाखा की ईआर-द्वितीय यूनिट ने खोए और चोरी हुए मोबाइल फोनों की बरामदगी में बेहतरीन सफलता हासिल की है। पिछले महीने इस यूनिट ने 47 मोबाइल फोन सफलतापूर्वक बरामद किए, जिनमें से 20 फोन उनके असली मालिकों को एक विशेष समारोह में सौंप दिए गए। यह उपलब्धि न केवल पुलिस की तकनीकी कुशलता को दिखाती है, बल्कि महिला पुलिसकर्मियों के अथक परिश्रम का भी प्रमाण है। डीसीपी क्राइम-द्वितीय विक्रम सिंह ने इस मौके पर जांच टीमों की सराहना की और कहा कि नागरिकों की संपत्ति की सुरक्षा दिल्ली पुलिस की प्राथमिकता है। यह पूरी कार्रवाई अपराध शाखा ईआर-क्ककी एक विशेष महिला टीम के नेतृत्व में हुई। इंस्पेक्टर उमेश सती और एसीपी कैलाश शर्मा की देखरेख में

गठित इस टीम में महिला कांस्टेबल पूजा, सिमरन, अलका और एक अन्य पूजा शामिल थीं। इन महिला पुलिसकर्मियों ने फील्डवर्क, तकनीकी विश्लेषण और समन्वित अनुवर्ती कार्रवाई के जरिए चोरी और खोए मोबाइल फोन का पता लगाया। उनकी मेहनत से न केवल फोन बरामद हुए, बल्कि मालिकों तक सुरक्षित पहुंच भी सुनिश्चित हुई। वरिष्ठ अधिकारियों ने हेड कांस्टेबल पूजा, कांस्टेबल सिमरन और कांस्टेबल पूजा की प्रशंसा करते हुए उनके योगदान को असाधारण बताया। मोबाइल फोन आज के समय में जीवन का जरूरी अंग है। इनमें निजी डेटा, बैंकिंग जानकारी और संपर्क सूची होती है। चोरी या खोने पर व्यक्ति को मानसिक और आर्थिक नुकसान होता है। दिल्ली पुलिस ने ऐसे मामलों में तेजी से कार्रवाई के लिए केंद्रीय उपकरण पहचान रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल को प्रभावी बनाया है। नागरिकों से अपील की गई है कि मोबाइल खोने या चोरी होने पर तुरंत दिल्ली पुलिस की ऑनलाइन सेवाओं या सीईआईआर पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें। इससे आईएमईआई नंबर के जरिए फोन को ट्रैक करना आसान हो जाता है। पुलिस का दावा है कि समय पर सूचना मिलने से बरामदगी की संभावना बढ़ जाती है।

आईआईसीए में डिजिटल गवर्नेंस और साइबर सुरक्षा पर कार्यक्रम में डिजिटल विकास पर हुई चर्चा

नई दिल्ली। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स (आईआईसीए) में आयोजित डिजिटल गवर्नेंस और साइबर सुरक्षा पर कार्यक्रम में केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और भास्कराचार्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुप्रयोग और भू-सूचना संस्थान (बीआईएसएजी एन) के विशेष महानिदेशक विनय ठाकुर ने डिजिटल शासन, साइबर सुरक्षा, उत्तर क्वांटम कूटलेखन और भारत की विकसित होती डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना पर कहा कि सुरक्षित प्रौद्योगिकियां और भविष्य के डिजिटल कौशल आज भारत के सामाजिक आर्थिक विकास की जरूरत बन चुके हैं। आईआईसीए द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में संस्थान के महानिदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी ज्ञानेश्वर कुमार सिंह ने कहा कि डिजिटल क्षेत्र में तेजी से हो रहे बदलाव के बीच भावी पेशेवरों को सुरक्षित और सक्षम तकनीकी समझ विकसित करना समय की मांग है। विनय ठाकुर ने भारत की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना को विश्व की सबसे मजबूत प्रणालियों में से एक बताया। उन्होंने आधार, यूपीआई, डिजिलॉकर, भारतनेट, को विन, उमंग, मेघराज क्लाउड और बीआईएसएजी एन के भू स्थानिक मंचों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन पहलों ने शासन, सार्वजनिक सेवाओं और नागरिक सशक्तिकरण को नई दिशा दी है। ठाकुर ने कहा कि डिजिटल इंडिया केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि एक परिवर्तनकारी आंदोलन है जिसने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच की दूरी को कम किया है और सेवाओं की व्यापक उपलब्धता सुनिश्चित की है। सत्र के दौरान उन्होंने बढ़ते साइबर खतरों, डेटा संरक्षण के महत्व, डीपीडीपी अधिनियम की जरूरत, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित साइबर हमलों के जोखिम और उत्तर क्वांटम कूटलेखन की तत्काल आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि डिजिटल सम्प्रभुता सुनिश्चित करने के लिए स्वदेशी समाधानों का विकास जरूरी है।

'घर नहीं संभला तो बिहार कैसे संभालते', एनडीए नेताओं ने तेजस्वी यादव पर साधा निशाना

नई दिल्ली। बिहार में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य के राजनीति छोड़ने और चप्पल से पीटने के आरोप ने बिहार की राजनीति में खलबली मचा दी है। एनडीए नेताओं ने राजद नेता और रोहिणी के भाई तेजस्वी यादव को निशाने पर लिया। उनका कहना है कि जो परिवार नहीं संभाल सकता है, वह बिहार संभालने की बात कर रहा था। रोहिणी आचार्य के सोशल मीडिया पोस्ट पर डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने कहा कि राजद की अराजकता जो बाहर झलकती थी, अब वह घर के अंदर भी झलक रही है। इस मानसिकता के लोग, जो अपने परिवार को समेटकर नहीं रख सकते, वे बिहार को कैसे चला सकते हैं? पहले भाई, अब बहन। हालांकि सिन्हा ने कहा कि यह उनका पारिवारिक मामला है, इस पर हम बहुत कुछ नहीं कहेंगे, लेकिन यह मानसिकता उनके भविष्य को तय करेगी। भाजपा नेता नीरज सिंह बबलू ने कहा कि तेजस्वी यादव को निशाने पर लेते हुए कहा कि पहले पोस्टर में माता-पिता का फोटो गायब हुआ, उसके बाद भाई ने घर छोड़ा, और अब बहन। तेजस्वी पहले परिवार संभालें फिर बिहार संभालने की बात करें। जेडीयू नेता मदन सहनी ने कहा कि लालू परिवार ने किसे नहीं

अपमानित किया? उन्होंने बिहार में 15 साल के शासन में भय का माहौल बनाया था। अब बेटी का अपमान कर रहे हैं, जिसने उनकी जान बचाई। उन्हें भी रोते हुए घर से निकलना पड़ रहा है, तो इससे बड़ा दुर्भाग्य नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि राजनीति में हार का असर नहीं पड़ना चाहिए, मिल-जुलकर रहना चाहिए। जनशक्ति जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष मदन यादव ने कहा कि यह गलत हो रहा है, जयचंद लोग सामने आने लगे हैं। 10 दिन के अंदर जयचंद खुद भागेंगे। हम लोग सजग हो गए हैं। चुनाव में मिली हार पर कहा कि 90 फीसदी देन राजद की है। साथ ही यह भी कहा कि किसी को सम्मान नहीं देंगे तो भुगतना होगा। जदयू नेता संजय सिंह ने कहा कि रोहिणी आचार्य बता रही हैं कि उन्हें चप्पल से पीटने की कोशिश की गई। कहीं न कहीं घर में महाभारत चल रहा है, हार का ठीकरा कौन अपने सिर पर फोड़े, इसीलिए यह सब हो रहा है। बिहार की जनता को इस पारिवारिक कलह में नहीं उलझना चाहिए। तेज प्रताप पहले ही निकल चुके हैं। बिहार में एनडीए की जीत पर उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने कहा कि लोकतंत्र की जननी की भूमि बिहार में निवास करने वाले हर बिहारी ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए अपना जनादेश दिया है। यह जनादेश साफ है। जो लोकतंत्र का हत्यारा है, वह लोकतंत्र में बाधक बनता है। संवैधानिक संस्थाओं का अपमान करता है, उसे यही सजा मिलती है। जाति के जहर की लहर का कहर अभी खत्म हुआ और उन्माद पैदा करने की मानसिकता पर भी चोट लगी। अब यह लोग नहीं सुधरेंगे तो राजनीति से समाप्त हो जाएंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि एनडीए की इतनी बड़ी जीत हजम नहीं हो रही। इस पर विजय सिन्हा ने कहा कि परिवारवादी लोग हैं। राजनीति को अपनी जागीर समझते हैं, इसलिए उनकी परेशानी स्वाभाविक है। बिहार चुनाव के बाद अब अगली बारी बंगाल की है, इस पर विजय सिन्हा ने कहा कि लोकतंत्र की धरती ने जो संदेश दिया है, पूरे देश के लिए है। बंगाल के हर बंगाली निश्चित तौर पर बिहार के जनादेश के अनुकूल मन में मिजाज बनाएंगे और बंगाल को भी घुसपैठियों से मुक्त करेंगे। बंगाल भारत का गौरव है और हर बंगाली उस गौरव को नष्ट करने वालों को सजा देगा।

शिक्षा का अधिकार सकारात्मक कार्रवाई का उदाहरण, इसने लोगों का जीवन बदला: पूर्व सीजेआई यू यू ललित

नई दिल्ली। पूर्व प्रधान न्यायाधीश यू यू ललित ने कहा कि शिक्षा का अधिकार एक मौलिक अधिकार बन गया है और यह सकारात्मक कार्रवाई का एक उदाहरण है जिसने नागरिकों के जीवन को बदल दिया है। राज्यसभा सदस्य एवं वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल के ऑनलाइन शो दिल से विद कपिल सिब्बल की 100वीं कड़ी प्रसारित होने के उपलक्ष्य में शनिवार को आयोजित एक कार्यक्रम में पूर्व प्रधान न्यायाधीश ने शिक्षा के अधिकार की इसके समावेशी स्वरूप के लिए सराहना की। उन्होंने कहा, जब हमें आजादी मिली थी तब देश के 18 प्रतिशत से भी कम लोग साक्षर थे। साक्षरता दर जो लगभग 18 प्रतिशत थी आज वह कम से कम 80 प्रतिशत है और इसकी शुरूआत संविधान से हुई। न्यायमूर्ति ललित ने कहा कि संविधान निमार्ताओं के दो विचार थे: पहला

यह कि राज्य अपनी आर्थिक क्षमता के अनुसार प्रत्येक नागरिक को शिक्षा में सुधार के अवसर प्रदान करे और दूसरा यह कि राज्य 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करने का प्रयास करे। उन्होंने कहा कि एक निजी चिकित्सा संस्थान की उच्च ह्यकैपिटेशन फीसह्ल से संबंधित 1992 के मोहिनी जैन बनाम कर्नाटक राज्य मामले में शीर्ष अदालत ने माना था कि शिक्षा का अधिकार मौलिक अधिकारों का एक अनिवार्य पहलू है। प्रवेश के लिए या किसी भी शैक्षिक सेवा के लिए आधिकारिक शुल्क से अतिरिक्त राशि लेने को ह्यकैपिटेशन फीसह्ल कहते हैं, यह अक्सर उन संस्थानों में होता है जहां प्रवेश पाना कठिन होता है। पूर्व प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि इसके बाद सरकार ने 1997 में एक विधेयक पेश किया जिसमें शिक्षा को 14 वर्ष की उम्र तक नागरिकों का मौलिक अधिकार बनाने का प्रावधान था। उन्होंने कहा, मेरे विचार से यह एकमात्र उदाहरण है जहां न्यायपालिका और विधायिका ने मिलकर अपनी भूमिका निभाई। अन्यथा, संविधान के पहले संशोधन से ही उनके बीच हमेशा से ही टकराव रहा है। न्यायमूर्ति ललित ने कहा कि 1999 में सत्ता संभालने वाली नई सरकार ने 2002 में संविधान में अनुच्छेद 21ए जोड़ा, जिससे शिक्षा का अधिकार छह से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए मौलिक अधिकार बन गया।

तीनों सेनाओं की सर्वोत्तम प्रथाओं को शामिल किया जाएगा: सीडीएस ने सैन्यबलों के एकीकरण पर कहा

नई दिल्ली। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने सशस्त्र बलों के एकीकरण की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा है कि इस प्रक्रिया के दौरान प्रत्येक सेवा अपनी व्यक्तिगत पहचान बनाए रखेगी और उनकी सर्वोत्तम प्रथाओं को शामिल किया जाएगा। सीडीएस जनरल चौहान ने यहां शनिवार को आयोजित एक संवाद सत्र में हाल में हुए ऑपरेशन सिंदूर के उदाहरणों का भी हवाला दिया। इस ऑपरेशन ने तीनों सेनाओं थलसेना, नौसेना और वायुसेना के बीच एकजुटता को प्रदर्शित किया। वह रक्षा थिंक-टैंक यूएसआई द्वारा 14 नवंबर एवं 15 नवंबर को आयोजित दो दिवसीय भारतीय सैन्य विरासत उत्सव में शामिल हुए। सीडीएस जनरल चौहान ने अपनी नई किताब रेडी, रेलेवेंट एंड रिसर्जेंट 2: शेपिंग ए फ्यूचर रेडी फोर्स पर केंद्रित संवाद के दौरान संकेत दिया कि जल्द ही इसका तीसरा खंड भी आएगा जिसमें ऑपरेशन सिंदूर संबंधी

विवरण भी होंगे। सशस्त्र बलों की तीनों सेवाओं में एकजुटता और एकीकरण हासिल करने के सरकार के दृष्टिकोण के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद की गई भारत की सैन्य कार्रवाई और इन सटीक हमलों से पहले के दिनों के कुछ उदाहरण दिए। भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में कई आतंकवादी ढांचों पर सात मई को हमला किया था। सीडीएस जनरल चौहान ने कहा कि एकीकरण के दृष्टिकोण के अनुरूप प्रयास जारी हैं लेकिन प्रत्येक सेवा अपनी व्यक्तिगत पहचान बनाए रखेगी क्योंकि यह हर सेवा की एक विशिष्ट भूमिका होने के कारण महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, हम प्रत्येक सेवा से सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने की कोशिश कर रहे हैं हम लघुत्तम समापवर्तक (एलसीएम) नहीं, बल्कि महत्तम समापवर्त्य (एचसीएफ) अपनाने की कोशिश कर रहे हैं। सीडीएस ने कहा कि 22 अप्रैल से सात मई की अवधि के दौरान इस बात का पुनर्मूल्यांकन करने की आवश्यकता थी कि हमारी किन संपत्तियों की आवश्यकता है जिन्हें पश्चिमी सीमा पर ले जाना था और इसके लिए हवाई मार्ग से काफी आवाजाही की आवश्यकता थी। उन्होंने कहा कि यह निर्बाध रूप से किया गया। सीडीएस ने यह भी रेखांकित किया कि एकीकरण के लिए तीनों सेनाओं के पास सतह से हवा में मार करने वाली मध्यम दूरी की मिसाइल (एमआरएसएएम) और ब्रह्मोस जैसे साझा उपकरण हैं।

कीर्ति सुरेश बच्चों के अधिकारों के लिए यूनिसेफ इंडिया सेलिब्रिटी एडवोकेट नियुक्त

नई दिल्ली। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री कीर्ति सुरेश को यूनिसेफ इंडिया का सेलिब्रिटी एडवोकेट नियुक्त किया गया है। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी ने रविवार को इसकी घोषणा की। संगठन के एक बयान के अनुसार, तमिल, तेलुगु और मलयालम सिनेमा में अपने समीक्षकों द्वारा प्रशंसित भूमिकाओं के लिए पहचानी जाने वाली सुरेश, कमजोर बच्चों के लिए यूनिसेफ के प्रयासों का समर्थन करने वाले सार्वजनिक हस्तियों के एक विशेष समूह में शामिल हो गई हैं। अपनी नई भूमिका में अभिनेत्री मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा और लैंगिक समानता जैसे प्रमुख मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाने के लिए अपने मंच का लाभ उठाएंगी

यह वे क्षेत्र हैं जिन पर वह अपनी फिल्मों के चयन और सार्वजनिक वकालत के माध्यम से लंबे समय से काम करती रही हैं। यूनिसेफ इंडिया की प्रतिनिधि सिंथिया मैककैफ्रे ने कहा, यूनिसेफ इंडिया को प्रतिष्ठित अभिनेत्री कीर्ति सुरेश के साथ साझेदारी करके खुशी हो रही है। दर्शकों के साथ उनका गहरा जुड़ाव बच्चों के अधिकारों और कल्याण की वकालत करने के लिए एक शक्तिशाली और प्रेरणादायक मंच प्रदान करता है। अपनी खुशी व्यक्त करते हुए सुरेश ने कहा कि यह जिम्मेदारी पाकर वह सम्मानित महसूस कर रही हैं।

समाचार

दिल्ली की अदालत ने वर्ष 2021 के हत्या की कोशिश मामले में तीन लोगों को बरी किया

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने वर्ष 2021 के हत्या की कोशिश के एक मामले में आरोपी तीन लोगों को बरी करते हुए कहा है कि अभियोजन पक्ष उचित संदेह से परे उनका अपराध साबित करने में विफल रहा है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश भूपिंदर सिंह ने इस मामले में संजय कुमार, चेतन और रिंकू को बरी करने का आदेश दिया। इन तीनों पर तन्मय सिंह नामक व्यक्ति की हत्या की कोशिश का आरोप था। अदालत ने 12 नवंबर के अपने आदेश में कहा, घायलों सहित सार्वजनिक गवाहों के प्रतिकूल बयानों को देखते हुए भारतीय दंड संहिता की धारा 307 (हत्या का प्रयास) और 34 (सामान्य इरादा) के तहत अपराध के लिए आरोपियों के खिलाफ एक भी सबूत रिकॉर्ड पर नहीं आया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने कहा, मुझे यह मानने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि अभियोजन पक्ष सभी उचित संदेहों से परे अभियुक्तों का अपराध साबित करने में विफल रहा है। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष घटना और शिकायतकर्ता को लगी चोटों की प्रकृति को साबित करने में विफल रहा। अभियोजन पक्ष के अनुसार तीनों आरोपियों ने 13 अगस्त, 2021 को आपस में हुए विवाद के बाद तन्मय सिंह पर हमला किया था। आरोप है कि संजय कुमार ने तन्मय को बुलाया और उस पर चाकू से कई वार किए, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। इस संबंध में वजीराबाद पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है।

हत्या के मामले में आरोप साबित नहीं होने पर युवक बरी

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने 2019 के हत्या के एक मामले में आरोपी को आरोप साबित नहीं होने के आधार पर बरी कर दिया। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष मामले को सच हो सकता है से सच ही है तक ले जाने में विफल रहा, जो कि आरोपी को दोषी ठहराने के लिए आवश्यक था। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश भूपिंदर सिंह आरोपी विशाल के खिलाफ मामले की सुनवाई कर रहे थे जिस पर 12 अगस्त 2019 को करोल बाग के एक पार्क में वीरेंद्र को चाकू मारने का आरोप है। अदालत की ओर से 11 नवंबर को जारी आदेश में कहा गया, इस अदालत को यह मानने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि अभियोजन पक्ष द्वारा जिन परिस्थितियों पर भरोसा किया गया है वे पूरी तरह से स्थापित नहीं हुई हैं और वे निर्णायक नहीं हैं। अदालत ने कहा, अभियोजन पक्ष परिस्थितिजन्य साक्ष्य की शृंखला को साबित नहीं कर सका। इसमें यह भी कहा गया कि घटना एक भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक क्षेत्र (पार्क) में हुई, लेकिन अभियोजन पक्ष ने एक भी गवाह से पूछताछ नहीं की। इसमें कहा गया कि अभियोजन पक्ष द्वारा गवाहों से पूछताछ न करना तथा इसके पीछे का कारण स्पष्ट न करना, जांच की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर गंभीर संदेह पैदा करता है। देश बंधु गुप्ता रोड पुलिस थाने में विशाल के खिलाफ आईपीसी की धारा 302 (हत्या के लिए सजा) के तहत मामला दर्ज किया गया था।

धर्म रक्षक यात्रा गुरुद्वारा दमदमा साहिब से गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब तक संपन्न

नई दिल्ली। नवें पातशाह श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में श्री आनंदपुर साहिब की पवित्र धरती से प्रारंभ हुई धर्म रक्षक यात्रा आज दिल्ली में नगर कीर्तन के रूप में गुरुद्वारा दमदमा साहिब से शुरू होकर दक्षिणी दिल्ली के विभिन्न इलाकों से होती हुई गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में आकर संपन्न हुई। इस अवसर पर उपस्थित संगत को संबोधित करते हुए कमेटी के प्रधान सरदार हरमीत सिंह कालका और महासचिव सरदार जगदीप सिंह काहलों ने बताया कि यह यात्रा आज गुरुद्वारा दमदमा साहिब से आरंभ हुई और राजदूत होटल, भोगल, गुरुद्वारा साहिब जंगपुरा एक्स, डिफेंस कॉलोनी फ्लाईओवर, लाजपत नगर-1, गुरुद्वारा साहिब कृष्णा मार्केट, लाजपत नगर-2, सेंट्रल मार्केट बाटा चौक, लाल शाही मार्केट, रिंग रोड, गढ़ी, संत नगर, नेहरू प्लेस चौक, कालकाजी मेन रोड, गोविंदपुरी, भगत रविदास मार्ग, डी.डी.ए. फ्लैट्स गुरुद्वारा साहिब कालकाजी, अलकनंदा, ग्रेटर कैलाश पार्ट 2, सी.आर. पार्क रोड, आउटर रिंग रोड, मालवीय नगर, शिवालिक रोड, आउटर रिंग रोड, सफदरजंग, ग्रीन पार्क, गौतम नगर, अर्जुन नगर, हयात होटल रोड, सरोजिनी नगर से होते हुए गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब पहुँची। उन्होंने बताया कि रास्ते में संगतों ने नगर कीर्तन का बेहद श्रद्धा और सम्मान के साथ स्वागत किया और फूलों की वर्षा करके कीर्तन में शामिल संगत का मान-सम्मान बढ़ाया। उन्होंने कहा कि संगतों में नगर कीर्तन को लेकर अत्यंत उत्साह था और सभी ने पूरे सम्मान और आस्था के साथ निहाल होकर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी इस नगर कीर्तन के दिल्ली भर में स्वागत और सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है और आगे भी इसी भावना से कार्य करती रहेगी। उन्होंने कहा कि हमारे लिए गुरु साहिबान, श्री गुरु ग्रंथ साहिब और गुर इतिहास सर्वोपरि हैं और हम हमेशा पूर्ण समर्पण के साथ इनसे जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाते रहे हैं और आगे भी बढ़ाते रहेंगे।

पत्रकारों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार की मांग तेज, वत्स ने केंद्रीय मंत्री को भेजा प्रस्ताव

नई दिल्ली। 59वें राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर अखिल भारतीय स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक संघ के राष्ट्रीय महामंत्री तथा भारतीय जन-संचार संघ के राष्ट्रीय सचिव, शिक्षाविद् दयानंद वत्स भारतीय ने पत्रकारों के लिए राष्ट्रीय पत्रकारिता पुरस्कार स्थापित करने की मांग की है। उन्होंने केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यह प्रस्ताव भेजा। बरवाला स्थित संघ मुख्यालय में प्रेस दिवस कार्यक्रम के दौरान वत्स ने कहा कि भारतीय पत्रकारिता आज संक्रमण काल से गुजर रही है और पत्रकारों के सामने अस्तित्व का संकट खड़ा है। डिजिटल तकनीक, विज्ञापन-प्रधान बाजारवाद और मीडिया संस्थानों में संरचनात्मक बदलावों ने पत्रकारों की आर्थिक और पेशेवर स्थिति को कमजोर किया है। उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकारों से पत्रकारों के लिए आकर्षक वेतनमान, रोजगार की स्थिरता, जीवन बीमा, रियायती आवास ऋण और सुरक्षा संबंधी प्रावधान लागू करने की अपील की। वत्स ने पत्रकार कल्याण कोष से ड्यूटी के दौरान मृत्यु पर मिलने वाली सहायता राशि पाँच लाख से बढ़ाकर एक करोड़ रुपये करने की भी मांग की।

दिल्ली क्राइम ब्रांच ने पारदी गैंग के दो कुख्यात अपराधी दबोचे

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने इंटरस्टेट पारदी गैंग के दो वांछित आरोपित अरुण पारदी और टेगा पारदी को गिरफ्तार किया है। दोनों पर मध्य प्रदेश पुलिस ने 10-10 हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। आरोपित हत्या, हत्या के प्रयास, डकैती, लूट और रात में घरों में सेंधमारी जैसे 60 से अधिक संगीन मामलों में वांछित थे। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने बताया कि पिछले दिनों दक्षिण दिल्ली के नेब सराय, हौज खास और मालवीय नगर इलाके में हुई नाइट हाउस बर्गलरी की घटनाओं में पारदी गैंग की संलिप्तता सामने आई थी। इसी सिलसिले में क्राइम ब्रांच की टीम को उनकी तलाश में लगाया गया। 14 नवंबर को सूचना मिली कि दोनों आरोपित द्वारका के शाहबाद रेलवे स्टेशन के पास अपने एक साथी से मिलने पहुंचने वाले हैं। सूचना को पुख्ता कर पुलिस टीम ने वहां दबिश दी और दोनों को दबोच लिया। पूछताछ में पता चला कि आरोपी एक संगठित इंटरस्टेट गैंग के सदस्य हैं, जो एमपी, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली सहित उत्तर भारत के कई राज्यों में सक्रिय है। गैंग सड़क किनारे डेरा डालकर अस्थाई रूप से रहता है और दिन में खिलौने, गुब्बारे व छोटे सामान बेचकर रेकी करता है। रात में गैंग के सदस्य घरों में घुसकर लूटपाट करते हैं और विरोध होने पर सिर में वार कर गंभीर चोट पहुंचाते हैं।

P-04:28 paga09_jhn.qxd 11/16/2025 7:57 PM Page 1

गढ़ी गांव में सातवां विशाल जागरण व भंडारा बन गया भक्तों का महाकुंभ

- भाजपा के वरिष्ठ नेता सरपंच सुंदर लाल यादव व पार्षद जुगनू रहे मुख्य अतिथि
- श्री भभूता सिद्ध जोतराम महाराज जी का विशाल जागरण व भंडारा
- ठंड के बीच सुबह तक जागरण में गुणगान करके भक्ति में डूबे रहे भक्त

गुरुग्राम। हर साल की तरह इस साल भी गढ़ी-हरसरू गांव में श्री भभूता सिद्ध जोतराम जी महाराज का विशाल जागरण व भंडारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर मानेसर नगर निगम से मेयर प्रत्याशी रहे भाजपा के वरिष्ठ नेता सरपंच सुंदर लाल यादव व पार्षद जुगनू मुख्य अतिथि रहे। यह छठा विशाल जागरण एवं भंडारा भक्तों का महाकुंभ सा नजर आया। दूर-दराज क्षेत्रों से यहां पर भक्तों ने शिरकत की। इस दौरान आधी रात से भी ज्यादा समय तक अटूट भंडारा निरंतर जारी रहा। साथ ही कलाकारों ने रातभर भजनों के माध्यम से भक्तों को भक्ति रस में डुबोये रखा।

गढ़ी-हरसरू स्थित वाल्मीकि मंदिर पुराना जोहड़ शिव मंदिर में यह भव्य आयोजन किया गया। गुरू भभूता सिद्ध जी जोतराम महाराज का सभी भक्तों ने आशीर्वाद लिया। यहां आने वाले भक्त पहले तो मुख्य धाम में पहुंचकर मत्था टेकते रहे। इसके बाद सभी ने जागरण व भंडारा में शिरकत की। गांव की गलियों में रातभर रौनक रही। विशाल जागरण में बेहद ही खूबसूरती से दरबार सजाया गया। दादा गुरू दूल्हाराम गोदा, गुरू धर्मकोर एवं भगत भारत सरासर की छत्रछाया में भगत अजय ढीका एवं भगवान दास ने ज्योति प्रचंड की। सभी भक्तों ने जागरण में मत्था टेककर आशीर्वाद लिया। महिलाएं, पुरुष, बच्चों की बड़ी संख्या में यहां हाजिरी रही। मास्टर महेंद्र भाटी एंड पार्टी गोहाना वाले की ओर से जागरण में रातभर भजनों के माध्यम से बाबा का गुणगान किया गया। भक्त भजनों पर खुशी में झूमते नजर आए। तारानगर सेवा समिति की ओर से समस्त भक्तों को यहां मुख्य अतिथि का आदर दिया गया। इस अवसर पर सुंदर झांकियां सजाई गई। कलाकारों ने कार्यक्रमों से मन मोह लिया।

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि सरपंच सुंदर लाल व पार्षद जुगनू ने शिरकत की। उन्होंने कहा कि समाज को एकजुट रखने में और धर्म कर्म से जोड़े रखने में धार्मिक संस्थाओं का अहम योगदान होता है। यहां पहुंचे भक्त भी इस बात को सत्यापित करते हैं कि इस धार्मिक आयोजन का कितना महत्व है। उन्होंने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति की यही खूबसूरती है कि हम धार्मिक आयोजन मिलकर करते हैं। सरपंच सुंदर लाल ने कहा कि यह आमंत्रित करके उन्हें जो सम्मान दिया गया है, जो पगड़ी पहने गई है, उसके वे सदा मान रखेंगे। समाज के हित के हर काम में वे सबसे आगे खड़े मिलेंगे। उन्होंने इस भव्य आयोजन के लिए धाम से जुड़े सभी भक्तों को बधाई देते हुए कहा कि हर साल इस आयोजन को और भव्यता से किया जाए। वे हमेशा सबके साथ खड़े है। इस इवसर पर भगत संजय मेहरौलिया, फौजी करतार सिंह, अरुण बेनीवाल, नरेश चांवरिया, हरीश भगत, नरेश कुमार, आशु विजयपाल, महेंद्र टांक, प्रचारकर्ता रोहतास कंडेरा, हनुमान कौशिक, पप्पू समेत अनेक श्रद्धालुओं ने इस आयोजन में अहम भूमिका निभाई।

निरामया चोरिटेबल ट्रस्ट के शिविर में 92 लोगों के नेत्रों की हुई जांच

गुरुग्राम। निरामया चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा रविवार को मासिक नेत्र जांच शिविर का आयोजन गाबा हॉस्पिटल में आयोजित किया गया। हर महीने के तीसरे रविवार को नेत्र जांच शिविर इसी स्थान पर आयोजित किया जाता है। इस शिविर में 92 लोगों ने नेत्र जांच का लाभ उठाया। अगला नेत्र जांच शिविर 21 दिसम्बर को लगेगा।रविवार को लगाए गए शिविर में 20 मरीजों की आंखों की नजर कमजोर पायी गयी। उनको अगले महीने 21 दिसम्बर को मुफ्त में चश्मे दिए जाएंगे। 16 मरीज मोतियाबिन्द से ग्रसित पाए गए। उन्हें आहूजा हॉस्पिटल ले जाया गया और मुफ्त में ऑपरेशन कराए जाएंगें। इस नेत्र शिविर में निरामया चेरिटेबल ट्रस्ट की तरफ से डॉक्टर त्रिलोक नाथ आहूजा, डॉ. देवेन्द्र आहूजा, तुषार, बिद्ध, आशीष, रवि, हर्षिता, भारती भल्ला, नितिन, राकेश और टेकचन्द ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गाबा हॉस्पिटल से डॉ. सतीश गाबा, डॉ. रजनीश गाबा, मनीष गाबा और गाबा हॉस्पिटल की पूरी टीम ने इस सेवा के कार्य में बढ़-चढकर भाग लिया।

बरसात थमे दो माह बाद भी लाहबास के खेतों में भरा पानी, रबी सीजन संकट में

पुन्हाना। बरसात रुके दो माह बीत जाने के बाद भी उपमंडल के लाहबास गांव में किसानों की परेशानी कम होती नहीं दिख रही है। गांव की करीब 50 एकड़ भूमि में अब भी बरसाती पानी भरा हुआ है, जिसके कारण रबी फसल की तैयारियां पूरी तरह प्रभावित हैं। खेतों में जलभराव के चलते किसान बुआई के बजाय मछलियां पकड़ने को मजबूर हैंग्रामीणों का कहना है कि गांव से गुजरने वाली छोटी नहर के कारण पानी की निकासी रुक गई है, जिससे जलभराव लगातार बढ़ता जा रहा है। खेतों में खड़ी ज्वार और बाजरे की खरीफ फसल सड़कर नष्ट हो चुकी है। किसानों के अनुसार प्रशासन को कई बार अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए।किसान अरशद ने बताया कि बरसाती पानी ने पहले खरीफ फसल उजाड़ दी और अब गेहूं की बुआई की उम्मीद भी खत्म होती नजर आ रही है। खेतों की स्थिति दलदल में बदल चुकी है, जिससे ट्रैक्टर भी अंदर नहीं उतर पा रहे। गांव के इरफान, शरीफ, आरिफ व शब्बीर सहित कई किसानों का कहना है कि कई स्थानों पर अभी भी घुटनों तक पानी भरा हुआ है। 29 सितंबर को फलेंडी गांव में हुए रात्रि ठहराव कार्यक्रम में भी इस समस्या को प्रशासन के समक्ष रखा गया था, लेकिन न सर्वे हुआ और न ही जल निकासी की कोई व्यवस्था बनाई गई।किसानों का आरोप है कि सिंचाई एवं कृषि विभाग हर वर्ष नालों की सफाई और बरसाती पानी की निकासी के दावे करते हैं, लेकिन वास्तविक स्थिति इसके बिल्कुल उलट है। गांव का बड़ा हिस्सा आज भी तालाब जैसा दिखाई दे रहा है। किसानों ने कहा कि यदि जल्द पानी नहीं निकाला गया तो गेहूं की बिजाई का समय पूरी तरह निकल जाएगा, जिससे वर्षभर की आमदनी प्रभावित होगी। लाहबास के कई किसान खेतों में जमा पानी में मछलियां पकड़ते देखे जा रहे हैं। ग्रामीणों ने व्यंग्य में कहा कि खेत अब खेती योग्य न होकर तालाब बन चुके हैं। ग्रामीणों ने तंज कसते हुए कहा कि खेत, खेत नहीं, पूरे तालाब बन चुके हैं। खेती का तो सवाल ही नहीं, अब तो मछली पालन के हालात बन गए हैं। गांव में जलभराव से बिगड़ी स्थिति किसानों की बेबसी और प्रशासनिक सुस्ती का ताजा उदाहरण बन चुकी है। रबी सीजन की शुरूआत जहां उम्मीदों का समय होती है, वहां किसान बारिश की मार झेलने को विवश है।इस संबंध में सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता आफताब रहमान ने बताया कि उन्होंने हाल ही में कार्यभार संभाला है। लाहबास गांव में जलभराव की जानकारी उन्हें अब प्राप्त हुई है। विभाग जल्द ही टीम भेजकर स्थिति का निरीक्षण करेगा और पानी की निकासी के लिए आवश्यक कदम उठाएगा।

श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष पर शहीदी यात्रा गुरुग्राम से रेवाड़ी के लिए हुई रवाना

- विधायक मुकेश शर्मा ने पंज प्यारे की अगुवाई में यात्रा को विधिवत रवाना किया

गुरुग्राम। श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष के उपलक्ष्य में निकाली जा रही ऐतिहासिक शहीदी यात्रा आज गुरुग्राम से रेवाड़ी जिले के लिए आगे प्रस्थान कर गई। सुबह गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा (सेक्टर 46) में अरदास के बाद गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा ने पंज प्यारे की अगुवाई में यात्रा को विधिवत रवाना किया।

यात्रा के प्रस्थान के दौरान बड़ी संख्या में सिख संगत और श्रद्धालु उपस्थित रहे। रास्ते भर संगत द्वारा पुष्पवर्षा करते हुए यात्रा का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। श्रद्धालुओं ने विभिन्न स्थानों पर लंगर और प्रसाद की व्यवस्था कर सेवा भाव का परिचय दिया। श्री गुरु तेग बहादुर जी के महान बलिदान और मानवीय मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने वाली यह शहीदी यात्रा विभिन्न जिलों से गुजरते हुए 25 नवंबर को कुरुक्षेत्र में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय समापन समारोह में पहुंचेगी। इस अवसर पर हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य सहित शहर के अनेक धार्मिक व सामाजिक प्रतिनिधि मौजूद रहे।

बदलते वक्त की चुनौतियों के लिए तैयार रहें उद्यमी: दुष्यंत चौटाला

- गुरुग्राम में यंग इंडिया-सीआईआई के संवाद कार्यक्रम में कही यह बात

गुरुग्राम। यंग इंडिया और सीआईआई द्वारा आयोजित संवाद श्रृंखला में पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने युवाओं, स्टार्टअप फाउंडर्स और उद्योग जगत से जुड़े प्रतिभागियों को संबोधित किया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के कई उद्यमी और संस्थापक बड़ी संख्या में मौजूद रहे। अपने संबोधन में दुष्यंत चौटाला ने हरियाणा की औद्योगिक नीति, निरंतर विकास, किसानों और उद्योग के आपसी संबंध, श्रम सुधार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती भूमिका, जलवायु परिवर्तन और वायु प्रदूषण जैसी चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि बदलते समय के साथ उद्योगों को नई नीतियों, तकनीक और पर्यावरणीय जरूरतों के अनुसार आगे बढ़ना होगा। कार्यक्रम में मौजूद कई उद्यमियों ने पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला की वैश्विक बाजारों की समझ, निवेश को बढ़ावा देने की सोच, और हरियाणा के औद्योगिक विकास के प्रति उनके स्पष्ट नजरिये की सराहना की। प्रतिभागियों का कहना था कि दुष्यंत चौटाला आज के समय में हरियाणा के सबसे प्रगतिशील, व्यावहारिक और बिजनेस को प्रोत्साहन देने वाले नेताओं में से एक हैं। राज्य के अलग-अलग हिस्सों से आए उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने उनका गर्मजोशी से सम्मान किया और उन्हें भविष्य का लोकप्रिय नेता बताया।

खाटूश्याम दर्शन से लौटते समय भीषण सड़क हादसा

- पत्रकार कौशल सिंगला की दर्दनाक मौत, दो गंभीर रूप से घायल
- जिले में शोक की लहर, बाजार पूरी तरह बंद रहे

पुन्हाना। श्री खाटूश्याम जी के दर्शन कर लौट रहे पिनगवां निवासी तीन लोगों की कार राजस्थान के बांदीकुई क्षेत्र में एक तेज रफ्तार ट्रक से जोरदार टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना में पिनगवां के पत्रकार, समाजसेवी और रामलीला के प्रमुख हास्य कलाकार कौशल सिंगला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पिनगवां के सरपंच मनोज कुमार तथा साथी शोभा पटेल गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों का उपचार जारी है। कौशल सिंगला के निधन की खबर फैलते ही पिनगवां सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। कस्बे के बाजार शोकस्वरूप बंद रहे। क्षेत्र के लोग, जनप्रतिनिधि, पत्रकार व सामाजिक संगठनों के लोगो ने पत्रकार कौशल सिंगला के दाह संस्कार में शामिल होकर उनको श्रद्धांजलि अर्पित की।भाजपा प्रत्याशी एजाज खान, कांग्रेस नेता अख्तर हुसैन, जिला प्रमुख जान मोहम्मद, वरिष्ठ पत्रकार कासिम खान ने कहा कि कौशल सिंगला धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में हमेशा अग्रणी रहे। रामलीला में उनका हास्य अभिनय क्षेत्र की पहचान बन चुका था। कौशल सिंगला केवल पत्रकार नहीं, बल्कि समाज की आवाज थे। धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में उनकी सक्रिय भूमिका ने उन्हें एक विशिष्ट पहचान दी थी। रामलीला में उनका हास्य अभिनय पूरे क्षेत्र में प्रसिद्ध था। उनका जाना जिले के लिए बड़ी क्षति है। उन्होंने घायलों की जल्द स्वस्थ होने की कामना की। एमिनेंट पर्सन (सीएम विंडो) धर्मवीर सैनी ने कहा कि कौशल सिंगला हंसमुख, विनम्र और समाज के लिए समर्पित व्यक्ति थे। कौशल सिंगला मिलनसार, संवेदनशील और लोगों की मदद के लिए सदैव तत्पर रहने वाले इंसान थे। वह अपने काम से ज्यादा दूसरों के कामों में खुशी महसूस करते थे। उनके जाने से रामलीला मंचन और पत्रकारिता जगत दोनों को गहरा आघात पहुंचा है। समाज उनके योगदान को हमेशा याद रखेगा।श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रदेशाध्यक्ष इंदु बंसल, महासचिव नवीन बंसल और जिलाध्यक्ष डॉ. नरेश मेंहदीरत्ता, संगठन सचिव आशीष गोयल ने पत्रकार कौशल सिंगला के अचानक निधन को पत्रकारिता जगत का बड़ा नुकसान बताया।

उन्होंने कहा कि कौशल सिंगला एक उभरते हुए, निडर और समाजहित के लिए प्रतिबद्ध पत्रकार थे। संघ के नेताओं ने शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिला उपाध्यक्ष एवं एमिनेंट पर्सन (सीएम विंडो) ललित गर्ग ने कौशल सिंगला के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कौशल एक प्रतिभाशाली पत्रकार, कुशल कलाकार और बेहद मिलनसार व्यक्तित्व थे। समाजसेवा हो या सांस्कृतिक गतिविधियाँ कौशल सिंगला हर क्षेत्र में पूरी निष्ठा से कार्य करते थे। आज पिनगवां ने अपना एक उज्ज्वल और मुस्कुराता चेहरा खो दिया है। हम सभी उनके योगदान को हमेशा याद रखेंगे।

महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण पर गुरुग्राम पुलिस ने की कार्यशाला

गुरुग्राम। महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण पर गुरुग्राम पुलिस की विशेष कार्यशाला मेघदूत अपार्टमेंट सेक्टर-10 में हुई। इस कार्यशाला का नेतृत्व महिला पुलिस थाना पश्चिम की सब-इंस्पेक्टर पूनम और उनकी टीम ने किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता संगीता दास ने महिलाओं को सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तृत जानकारी और उपयोगी मार्गदर्शन प्रदान किया। इस अवसर पर स्थानीय नगर निगम पार्षद महावीर यादव भी मौजूद रहे। संगीता दास ने महिलाओं के लिए जागरूकता, आत्मरक्षा और सुरक्षा उपायों की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए गुरुग्राम पुलिस की इस पहल की सराहना की। कार्यशाला के दौरान 112 इंडिया ऐप का उपयोग और त्वरित सहायता प्रक्रिया ट्रिप मॉनिटरिंग फीचर एवं सुरक्षित यात्रा के उपाय वॉययूरिज्म और कैट-कॉलिंग की पहचान, रोकथाम और उपलब्ध कानूनी प्रावधान पर विस्तार से चर्चा की गई। सब-इंस्पेक्टर पूनम ने सेल्फ-डिफेंस तकनीक सरल, प्रभावी और दैनिक जीवन में उपयोगी उपाय गुरुग्राम पुलिस टीम ने लाइव डेमो के माध्यम से प्रतिभागियों को व्यावहारिक रूप से आत्मरक्षा और सुरक्षा तकनीकों से अवगत कराया। बड़ी संख्या में महिलाओं ने इस कार्यशाला में सक्रिय रूप से भाग लिया। इसे अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरक बताया। यह कार्यक्रम मेघदूत अपार्टमेंट के स्थानीय निवासियों के सहयोग से आयोजित किया गया। ऐसे आयोजनों से समाज में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान मिलता है।

महाराजा शूर सैनी जी की जयंती समारोह में गुरुग्राम से नारनौल पहुंचो हजारों लोग

- सैनी सुधार सेवा समिति के नेतृत्व में पहुंचे सैनी समाज के लोग

गुरुग्राम। महाराजा शूर सैनी जी की जयंती पर रविवार को नारनौल में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में गुरुग्राम से सैनी समाज के हजारों लोग पहुंचे। सैनी सुधार सेवा समिति के नेतृत्व में लोगों ने इस समारोह में भाग लिया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा सैनी समाज के अग्रज महाराजा शूर सैनी जी के सम्मान में इस समारोह को संबोधित किया गया।

सैनी सुधार समिति एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्य गुडगांव गांव के प्रधान विजय सैनी, कृष्ण गोपाल सैनी युवा सैनी समाज विकास समिति, गगन दीप गुरुग्राम सैनी युवा जागृति मंच (संबंधित समाज उत्थान न्यास), विमला रोहतास सैनी गुरुग्राम विधानसभा से सीएम विंडो एमिनेंट पर्सन, राकेश महासचिव, उपप्रधान कृष्ण, जय किशन समाजसेवी, तेजराम पूर्व अध्यक्ष हरियाणा रोडवेज, रोहतास महावीर, अतर सिंह संरक्षक, रामकुमार सचिव, रोहतास सहसचिव, फूल सिंह समाजसेवी, ईशर सिंह, ललित, करमवीर, कंवरलाल, राजबीर, भागवत प्रशाद, कृष्ण सैनी, अतर सिंह समेत अनेक लोगों के मार्गदर्शन में लोग नारनौल पहुंचे। गगन दीप सैनी ने कहा कि सैनी समाज कर्मयोगी समाज है। शिक्षित होकर खुद को स्थापित करने का काम समाज ने किया है। बुजुर्गों की ओर से देखे गए सपनों को आज की युवा पीढ़ी साकार कर रही है। आज हरियाणा ही नहीं, पूरे देश में सैनी समाज से युवा बड़े पदों पर आसीन हैं।

उन्होंने कहा कि हरियाणा में नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार बेहतरीन काम कर रही है। समाज को उन्हें पूर्ण समर्थन है।

समाचार

109वें विशाल भण्डारे का स्वास्तिक रसोई ने किया आयोजन

गुरुग्राम। सामाजिक संस्था स्वास्तिक फाउण्डेशन की स्वास्तिक रसोई द्वारा 109वें साप्ताहिक भण्डारे का आयोजन सैक्टर 5 स्थित शिवा पार्क में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। संस्था के सस्थापक अध्यक्ष राज सैनी बिसरवाल का कहना है कि अन्नदान ही सबसे बड़ा दान है। यदि किसी जरुरतमंद व्यक्ति को भोजन करा दिया जाए, यही सबसे बड़ा पुण्य का कार्य होता है। संस्था सामाजिक क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रही है। उन्होंने शहर के सामर्थ्यशील लोगों से भी आग्रह किया है कि वे भी शहर के विभिन्न क्षेत्रों में इस प्रकार के आयोजनों को बढावा दें, ताकि जरुरतमंदों को ससम्मान भोजन भी प्रसाद के रुप में उपलब्ध हो सके। आयोजन को सफल बनाने में सदस्यों का सहयोग रहा।

लकड़ा आदिवासी मेमोरियल ट्रस्ट तथा अघोर सेवा संस्थान ने संयुक्त रुप से मनाई बिरसा मुंडा की जयंती

गुरुग्राम। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को रंगभूमि ओपन एयर थिएटर में जनजाति गौरव दिवस के रुप में धूमधाम से मनाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। कार्यक्रम का आयोजन जस्टिन लकड़ा आदिवासी मेमोरियल ट्रस्ट तथा अघोर सेवा संस्थान द्वारा संयुक्त रुप से किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरज बाकला व सचिव मनोहर संथाल तथा अघोर सेवा संस्थान के ऋतुराज अग्रवाल का कहना है कि ट्रस्ट का उद्देश्य दिल्ली-एनसीआर में रह रहे आदिवासी समाज को एक मंच पर लाना, एकता बनाए रखना, समाज के हर सुख-दुख में साथ खड़ा रहना और समुदाय की निरंतर प्रगति के लिए कार्य करना है। कार्यक्रम के दौरान वीर बिरसा मुंडा की जीवनगाथा, जल-जंगल-जमीन की रक्षा के लिए उनके संघर्ष, और आदिवासी समाज के उत्थान हेतु उनके योगदान पर प्रेरणादायक वक्तव्य दिए गए। साथ ही पारंपरिक सांस्कृतिक नृत्य, गीत और युवाओं द्वारा प्रस्तुत संदेशों ने आयोजन को और भी विशेष और स्मरणीय बना दिया। उनका कहना है कि गुरुग्राम में यह आयोजन पहली बार किया गया है, और आने वाले वर्षों में इसे और भव्य रूप में आयोजित करने की योजना है, ताकि नई पीढ़ी को अपने इतिहास, संस्कृति और वीर शहीदों की गाथा से जोड़ा जा सके।

नशा तस्कारों के खिलाफ हरियाणा पुलिस की कड़ी कार्यवाही

नशा तस्कारों की संपत्ति की जा रही है जब्त

गुरुग्राम। हरियाणा के पुलिस महानिदेशक ओपी सिंह के दिशा-निदेर्शों के अनुसार पुलिस विभाग कार्य करने में जुटा है। जिससे प्रदेश में कानून व्यवस्था और सुदृढ हो रही है। जहां महिलाओं के प्रति अपराधों में कमी आई है, वहीं नशे का कारोबार करने वालों पर भी बड़ी कार्यवाही की जा रही है, ताकि प्रदेश में नशे का कारोबार समूल नष्ट किया जा सके, ताकि प्रदेश का युवा इस लत से बच सकें। पुलिस विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार हरियाणा पुलिस का मिशन-मोड ऑपरेशन—नशा तस्करों पर अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की गई है। वर्ष 2024 की तुलना में वर्ष 2025 में अक्टूबर माह तक एनडीपीएस एफआईआर में रिकॉर्ड उछाल—2819 से बढकर 3007 मामले दर्ज किए गए। इस अवधि में गिरफ्तारियां भी रिकॉर्ड स्तर पर—5065 से बढकर 5378 आरोपियों को जेल भेजा जा चुका है। इसी प्रकार इंटर-स्टेट ड्रग नेटवर्क को भारी चोट पहुंचाते हुए 1136 से बढकर 1343 तस्कर पकड़े गए। पीआईटी एनडीपीएस में 416 प्रतिशत ऐतिहासिक छलांग के साथ 12 से बढकर 62 डिटेंशन ऑर्डर जारी किए। नशा तस्करों की संपत्ति पर बड़ी कार्रवाई—10.43 करोड़ की अवैध संपत्ति जब्त की गई। हिरोइन की बरामदगी में 85 प्रतिशत वृद्धि हुई है। कोकीन रिकवरी में 1194 प्रतिशत का रिकॉर्ड इजाफा हुआ है देश में सबसे बड़ी बढ़त है। जनवरी सितंबर 2025 में 1155 मामलों में सुनवाई पूरी हुई 575 मामलों में आरोपियों को सजा हुई है। एसटीएफ और जिला पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 80 से अधिक बड़े अपराधी गिरोह पर प्रहार किया गया। जागरुकता कार्यक्रम भी किए जा रहे हैं। नशा तस्करों के विरुद्ध हरियाणा सरकार द्वारा लगातार हो रही कड़ी कार्रवाई हुई है। गत 5 वर्षों में 19,788 अभियोग दर्ज कर 33,683 आरोपियों को जेल भेजा गया। 219 किलो हिरोइन/चि‍ा, 54,163 किलो गांजा, 87,887 किलो चूरा पोस्त, 55,23,029 लाख प्रतिबंधित टैबलेट/कैप्सुल इत्यादि जब्त की गई हैं। विभाग का कहना है कि नशा तस्करी के मामलों के त्वरित निपटारे के लिए आठ विशेष एनडीपीएस न्यायालयों का गठन किया गया है। न केवल नशा तस्करों के खिलाफ लगातार एक्शन जारी है, बल्कि ड्रग्स के दुष्प्रभावों को लेकर नागरिकों और विशेष तौर पर युवाओं को जागरूक किया जा रहा है। युवाओं ने हरियाणा सरकार के अलग अलग जिलों में आयोजित मैराथन और साइक्लोथन कार्यक्रमों में ड्रग्स के विरुद्ध कमर का ली है और संपूर्ण समाज नशे के विरुद्ध जागरूक हो रहा है। सभी गांव पंचायतों में नमक लोटा अभियान में नशा पीड़ितों और खुदरा नशा विक्रेताओं द्वारा ड्रग्स की राह को छोड़ कर मुख्य धारा में शामिल होने की शपथ ली जा रही है।

जस्टिस अजय कुमार त्रिपाठी फाउंडेशन ने सस्टेनेबल डेवलपमेंट एंड द आइडिया ऑफ इंडिया देयरइन पर संवाद

गुरुग्राम। जस्टिस अजय कुमार त्रिपाठी फाउंडेशन ने आज भारत की अवधारणा पर चिंतनपूर्णऔर जनोन्मुखी विधिक विमर्श को समर्पित अपने वार्षिक प्रमुख आयोजन के चौथे संस्करण की मेजबानी की। नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित संवाद 2.0 में प्रतिष्ठित न्यायविदों और विधि विशेषज्ञों ने सस्टेनेबल डेवलपमेंट एंड द आइडिया ऑफ इंडिया देयरइन विषय पर विचार-विमर्श किया। यह चर्चा भारत कीविकसित होती संवैधानिक पहचान, संस्थागत भूमिकाओं और लोकतांत्रिक प्रतिबद्धताओं पर फाउंडेशन की निरंतर बातचीत श्रृंखला को आगे बढ़ाती है। भारत के विकसित होते पर्यावरण न्यायशास्त्र पर आधारित इस संवाद में यह समझने पर जोर दिया गया कि किस प्रकार संवैधानिक सिद्धांत, पीढ़ीगत समानता और पर्यावरणीय संरक्षकता देश की विकास कथा को आकार दे रहे हैं।संविधान लागू होने के 75 वर्षों बाद विकास के महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़े राष्ट्र के संदर्भ में, पैनल ने सस्टेनेबल डेवलपमेंटको भारत की संवैधानिक संरचना में निहित करने और इस दृष्टि को बनाए रखने में कानून तथा शासन की भूमिका परचर्चा की।कार्यक्रम में बोलते हुए, माननीय न्यायमूर्ति अभय श्रीनिवास ओका, न्यायाधीश (सेवानिवृत्त), सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडियने कहा,सतत विकास संविधान की भारत की अवधारणा से ही प्रवाहित होना चाहिए—एक ऐसी अवधारणा जो पर्यावरणसंरक्षण को सामाजिक न्याय के साथ संतुलित करती है। एक पेड़ लगाना एक जीवन बचाने जैसा है, और हमारे जंगलों,नदियों और हवा की रक्षा करना नागरिकों और राज्य—दोनों—का कर्तव्य है। साथ ही, वास्तविक विकास का अर्थकेवल बड़ी सड़कों और अवसंरचना का निर्माण नहीं, बल्कि सभी के लिए किफायती आवास, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षासुनिश्चित करना है।

P-5:28 paga09_jhn.qxd 11/16/2025 9:23 PM Page 1

एनडीए में रालोद को मिला विशेष सम्मान: जयंत

मथुरा। जयंत चौधरी ने कहा कि एनडीए सरकार में रालोद को विशेष सम्मान मिला है। कृषि सुधारों, ग्रामीण विकास और किसान नीति से जुड़े मुद्दों को केंद्र में गंभीरता से सुना और स्वीकार किया जा रहा है। परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने विपक्ष पर कटाक्ष किया और कहा कि जनता ने विकास और स्थिरता को चुना है, जबकि विपक्ष अभी भी भ्रम और नकारात्मकता में उलझा है। चौधरी चरण सिंह के नाम पर वन वाटिका अभियान शुरू करने की घोषणा करते हुए जयंत चौधरी ने बताया कि 2027 तक, चौधरी साहब की 125वीं जयंती तक, देशभर में 1.25 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण चौधरी चरण सिंह की सोच का अभिन्न हिस्सा रहा है, और रालोद इसे मिशन मोड में पूरा करेगा। रैली में पाकिस्तान में ही रहे लगातार बम विस्फोटों की कड़ी निंदा की गई। रालोद नेताओं ने कहा कि आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। अधिवेशन में सरकार की आर्थिक नीतियों, कृषि सुधारों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर विस्तृत विमर्श हुआ। रालोद ने कहा कि आर्थिक विकास का लाभ किसानों, युवाओं और गांवों तक पहुंचना चाहिए अनाज मंडी में जुटे विशाल जनसमूह ने रैली को ऐतिहासिक बना दिया। जयंत चौधरी ने अंत में सभी कार्यकताओं का आभार व्यक्त करते हुए संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने का आह्वान किया।

निरीक्षण करते हुए कमिश्नर, डीआईजी आगरा डीएम: एसएसपी

● दिल्ली बम ब्लास्ट को लेकर मथुरा अलर्ट जारी
● चारधाम में किया कमिश्नर, डीआईजी आगरा सहित डीएम-एसएसपी ने निरीक्षण

उत्तम भारत संवाददाता, मथुरा। वृंदावन में दिल्ली में हुए बम ब्लास्ट के बाद पूरे उत्तर प्रदेश में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया था। सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया गया है और विशेष रूप से धार्मिक व पर्यटक नगरी मथुरा में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया है। जनपद मथुरा में जगह-जगह पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गई है। प्रमुख मंदिरों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और भीड़ भाड़ वाले इलाकों में सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। शैलेंद्र सिंह मण्डलायुक्त आगरा मण्डल आगरा, शैलेश कुमार पांडे डीआईजी आगरा, चंद्र प्रकाश सिंह जिलाधिकारी मथुरा एवं श्लोक कुमार एसएसपी मथुरा द्वारा पुलिस बल के साथ सनातन एकता पदयात्रा जनसभा स्थल व आस पास के क्षेत्र में पैदल गस्त कर सुरक्षा यातायात व्यवस्था का निरीक्षण किया गया एवं सर्वसम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा ने बताया कि जिले में सुरक्षा को लेकर हर स्तर पर सतर्कता बढ़ाई गई है। सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर के आस पास के क्षेत्र का निरीक्षण किया। विभिन्न ड्यूटी प्वाइंटों को चेक किया। सतर्कतापूर्ण ड्यूटी का निर्वहन करने के निर्देश दिए डीजीपी राजीव कृष्ण के आदेश पर उत्तर प्रदेश में भी हाई अलर्ट श्री कृष्ण जन्म स्थान का मथुरा जिलाधिकारी और एसएसपी ने पुलिसटीम के साथ किया, निरीक्षण परखी सुरक्षा व्यवस्था यूपी में हाई अलर्ट के बाद बांके बिहारी मंदिर पर श्रद्धालुओं के बैग आदि की चेकिंग की जा रही।

आभा फाउंडेशन द्वारा रजाई वितरण कार्यक्रम

उत्तम भारत संवाददाता, चांदपुर। आभा फाउंडेशन द्वारा 16 नवंबर 2025 को निःशुल्क रजाई वितरण कार्यक्रम फादरसन पब्लिक स्कूल, में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 1200 लाभार्थियों को रजाई दी गई, जिनमें 60 वर्ष और 60 वर्ष से ज्यादा उम्र के बुजुर्ग शामिल थे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कमलेश सैनी (पूर्व विधायक), वीर सिंह (पूर्व जिला पंचायत सदस्य) खंड शिक्षा अधिकारी गजेन्द्र सिंह हिन्दू इंटर कॉलेज के प्रिंसिपल रविन्द्र कुमार शर्मा समाजसेवी रायबहादुर सिंह और मुनीश उपस्थित रहे। रजाई प्राप्त करने के बाद लोगों ने आभा फाउंडेशन का धन्यवाद किया और रजाई की गुणवत्ता की भी प्रशंसा की। फाउंडेशन की संस्थापिका आभा सिंह ने बताया कि फाउंडेशन समय समय पर समाज सेवा के कार्य करती रहती है जैसे रजाई वितरण, निःशुल्क चिकित्सा और नेत्र जाँच शिविर, गरीब कन्याओं की शादी, चश्मा वितरण और राशन वितरण। आभा सिंह ने कार्यक्रम की सफलता के लिए अपनी पूरी फाउंडेशन टीम का भी धन्यवाद किया। उन्होंने आगे बताया कि 10 दिसम्बर 2025 को कन्याओं को साइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित होगा और जिसके लिए पंजीकरण 25 नवम्बर 2025 से फादरसन पब्लिक स्कूल में शुरू होगा।

कांशी शास्त्रार्थ में मूर्ति पूजा सिद्ध न हो सकी

उत्तम भारत संवाददाता, मुरादाबाद। महर्षि दयानंद सरस्वती और कांशी के पौराणिक विद्वानों के बीच 16 नवम्बर 1869 को "वेदों में मूर्ति पूजा" नामक विषय पर हुए शास्त्रार्थ को 156वर्ष होने के उपलक्ष्य में आर्य समाज स्टेशन रोड पर साप्ताहिक यज्ञ व सत्संग के अंतर्गत "कांशी शास्त्रार्थ एक सत्य की विजय" विषय पर गोष्ठी आयोजित की गयी। गोष्ठी के प्रारंभ में पंडित वीरेंद्र आर्य ने राजेश नारंग -प्रभा नारंग की यज्ञमानी में वैदिक रीति से यज्ञ संपन्न कराया तत्पश्चात शिवम् आर्य ने महर्षि दयानंद सरस्वती के जीवन से ओतप्रोत भजन प्रस्तुत किया और डा राममुनि ने महर्षि दयानंद सरस्वती के अमर ग्रंथ सत्यार्थ प्रकाश का पाठ किया। इस अवसर पर आर्य विद्वान वानप्रस्थी कपिल मुनि ने कांशी शास्त्रार्थ के सम्बन्ध में बताया कि 16नवम्बर 1869 को कांशी के आनन्द बाग में जो अमेठी के राजा माधो सिंह के बाग में "वेदों में मूर्ति पूजा" पर शास्त्रार्थ हुआ। कांशी के 23 विद्वान (पंडे) वेदों में मूर्ति पूजा है के पक्ष में थे जबकि महर्षि दयानंद सरस्वती अकेले वेदो में मूर्ति पूजा नहीं है, के पक्ष में थे। तत्कालीन राजा ईश्वरीय प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में और नगर कोतवाल रघुनाथ प्रसाद की सुरक्षा में 25-30हजार की उपस्थिति में शास्त्रार्थ हुआ। शास्त्रार्थ कई दिनों तक चलने के बाद भी कांशी के विशुद्धानंद, बालशास्त्री जैसे बड़े - बडे विद्वान यह सिद्ध न कर पाये कि चारों वेदों के अमुख मंत्र में मूर्ति पूजा का वर्णन है जबकि महर्षि दयानंद सरस्वती ने ऋग्वेद, यजुर्वेद आदि चारों वेदों के मंत्रों से सिद्ध किया कि परमपिता परमात्मा अकाय है, निराकार है,अजन्मा है,अनन्त है, निर्विकार है, अनादि है, सर्वव्यापक है, सर्वांतयार्मी हैं, अजर ,अमर ,अभय , नित्य और पवित्र है। आर्य विद्वान सूर्य प्रकाश द्विवेदी ने भी यजुर्वेद के मंत्रों के माध्यम से बताया कि ईश्वरीय अकाय होने के कारण ही सर्वत्र और सर्वांतयार्मी कहलाता हैं। साकार एक स्थान विशेष तक ही सीमित रह सकता है लेकिन निराकार ही सृष्टि के हर तत्व में विद्यमान हो सकता है। इसलिए परमपिता परमात्मा का वेदों में कहीं भी साकार रुप के होने का उल्लेख नहीं है। इस अवसर पर प्रधान डा अभय श्रोत्रिय मंत्री रमेश सिंह आर्य ज्ञानेंद्र गांधी डा आलोक कुमार अरविन्द आर्यबंधु निर्मल आर्य राकेश कुमार राजेश नारंग दिनेश दीक्षित सतीश मदान अजबसिंह आर्य, रमाशंकर आर्य, जितेंद्र आर्य, ज्ञानप्रकाश भगत, अर्जुन सिंह प्रफुल्ल आर्य अमित आर्य प्रज्ञाशु आर्य यशपाल आर्य आदि उपस्थित रहे।

शेरवुड इंटरनेशनल स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया बाल दिवस

उत्तम भारत संवाददाता, संभल। शेरवुड इंटरनेशनल स्कूल में बाल दिवस बड़े ही उत्साह और आनंद के साथ मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल परिसर में विभिन्न रोचक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें सभी बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में बच्चों ने बलून रेस, बॉल बैलेंस रेस, टग ऑफ वॉर, बॉल विद बास्केट रेस, सिंपल रेस, बुक बैलेंस रेस, मेकअप रेस, नींबू-चम्मच रेस, पार्टनर रेस, ग्लास एंड बॉल गेम, अंब्रेला रेस, म्यूजिकल चेयर्स, कैट वॉक, क्रिकेट मैच, फुटबॉल मैच, बॉटल गेम तथा अंब्रेला डांस जैसे खेलों में भाग लेकर खूब मस्ती की। स्कूल की शिक्षिकाओं बागीशा रस्तौगी, सानिया, अरीबा, अदीबा, मुस्कान खान, मुस्कान पाल, फरहा, रेहनुमा और नूर ने अपनी-अपनी कक्षाओं के छात्रों के लिए अलग-अलग खेलों का संचालन किया। स्कूल की मैनेजर अर्शी मैम ने सभी बच्चों को बाल दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और विजेता विद्यार्थियों को मेडल देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर डायरेक्टर-मैनेजर मोहम्मद यूनुस ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि बच्चे हमारे देश का भविष्य हैं। आप सब अपने माता-पिता और स्कूल का नाम रोशन करें और जीवन में ऊँचाइयाँ प्राप्त करें। कार्यक्रम हर्षोल्लास के वातावरण में संपन्न हुआ और बच्चों के चेहरों पर खुशी की मुस्कान देखते ही बन रही थी।

सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति के साथ मनाया गया जश्न ए एंजिल्स

● इलाहबाद हाईकोर्ट जस्टिस नलिन कुमार श्रीवास्त्व ने किया बच्चों का उत्साहवर्धन

उत्तम भारत संवाददाता, सम्भल। एंजिल्स पब्लिक स्कूल के 10 वर्ष पूर्ण होने पर भव्य रूप से जशन ए एंजिल्स उत्साह के साथ मनाया गया गया। जिसमें बच्चों ने संस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति से सबका मन मोह लिया।

नगर के सराय शरमीन एसडीएम कार्यालय के पीछे एंजिल्स पब्लिक स्कूल का स्थापना दिवस कार्यक्रम बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति इलाहबाद हाइकोर्ट नलिन कुमार श्रीवास्तव रहे विद्यालय में उनके आगमन पर भव्य रूप से अहमद उल्ला खां जिला जज एटा तथा मैनिजिंग डायरेक्टर शरमीन खान, प्रिन्सपल तेजिन्दर सिंह बुके भेंट कर स्वागत किया जबकि सम्मान में बच्चों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित करके कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। बच्चों ने संस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी और देश भक्ति गीतों की प्रस्तुति से देश प्रेम की अलख जगाई। अलग अलग तरह की वैशभूषा मे बच्चों ने नाटक प्रस्तुत किए तो पण्डाल तालियों से गूंज उठा। वक्ताओं ने बोलते हुए कहा कि आज एंजिल्स को स्थापित हुए 10 वर्ष पूरे हो रहे हैं इस विद्यालय ने हमारे समाज के बच्चों को शिक्षित बनाने और एक अच्छा माहौल देकर भविष्य उज्जवल बनाने का जो काम किया है वह काफी प्रशंसनीय है विद्यालय बनाने और उसमे एक बेहतर शिक्षा का इन्तेजाम यह इतनी बड़ी जिम्मेदार है जिसके लिए जीवन को समर्पित करके ही इतना खूबसूरत विद्यालय कायम किया जा सकता है। समाज शिक्षित होगा तो जीवन भी खुशहाल होगा तरक्की के रास्ते पर ले जाएगा। बच्चे ऊंचे पायदान पर पहुंच कर अपने समाज परिवार का शहर का नाम रोशन करेंगे। अंत में रात्रि भोज का सभी ने आनंद लिया। इस अवसर पर तेजिन्दर सिंह, नगर मजिस्टेज्ट सुधीर कुमार, एसडीएम राम अनुज, गौरी शंकर चैधरी, डॉ0 अजीज उल्ला खां, अरीफ आलम, डॉ0 शहजाद आलम, सभासद रागिब पहलवान, वकील अहमद वारसी एड0, फरीद अहमद एड0 हामिद उल्ला खां, महमूद उल्ला आदि शामिल रहे।

बिहार विजय पर कोसीकलां भाजपाइयों में खुशी की लहर, पौनिया ने मनाया जश्न

उत्तम भारत संवाददाता, कोसीकलां। बिहार में एनडीए की प्रचंड विजय की घोषणा होते ही कोसीकलां में भाजपा कार्यकताओं में उत्साह की लहर दौड़ गई। समर्थकों ने आतिशबाजी कर डा0 अमर सिंह पोनिया द्वारा एक-दूसरे को मिठाई खिलाई और जीत का जश्न मनाया। नगर पालिका अध्यक्ष धर्मवीर अग्रवाल ने कहा कि बिहार चुनाव परिणाम ने एक बार फिर सिद्ध किया है कि देश की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्य एवं नेतृत्व पर पूर्ण विश्वास रखती है। विपक्ष के एकजुट होकर मैदान में उतरने के बावजूद एनडीए को मिला भारी जनसमर्थन उत्तर प्रदेश की राजनीति के लिए भी स्पष्ट संकेत है। नंदगांव रोड पर पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष डॉ. अमर सिंह पौनिया ने कहा कि मोदी सरकार के उत्कृष्ट विकास कार्यों का प्रभाव बिहार के मतदाता ने अपने जनादेश के माध्यम से स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने मिठाई खिलाकर एक दूसरे को बधाई दी। भाजपा मंडल संयोजक सौरभ जैन ने सभी कार्यकताओं को जीत की बधाई देते हुए इसे संगठन की मेहनत और जनता के विश्वास का परिणाम बताया। इस दौरान दीपक बडगुजर, कन्हैया लाल गोयल, विनय उपाध्याय, सतवीर सांगवान, अजय अग्रवाल, महेश जाविया, सौरभ वाल्मीकि, चेतन ब्रिज, संदीप जैन, नरसिंह पूनिया, मोहन लक्ष्मी नारायण बाल्मीकि, दिनेश, सुनील अग्रवाल आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मासिक मीटिंग का हुआ आयोजन

उत्तम भारत संवाददाता भागूवाला। मंडावली थाना क्षेत्र के ग्राम भागूवाला माता काली के मंदिर में केसरिया हिंदू वाहिनी गौ रक्षा प्रकोष्ठ की मासिक मीटिंग ग्राम भागूवाला में संपन्न हुई। आपको बता दें मंडावली थाना क्षेत्र के ग्राम भागूवाला काली माता मंदिर में केसरिया हिंदू वाहिनी गौ रक्षा प्रकोष्ठ कि हुई मासिक मीटिंग, मीटिंग में जिला अध्यक्ष अनुकूल शर्मा ने कहा कि गौ माता का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और जो वे सहारा गौ माता रोड़ पर घूम रही हैं बढ़ती ठंड को देखते हुए उन्हें गौशाला पहुंचाने का कार्य किया जाएगा एवं उनके लिए ठंड से बचने के लिए जगह जगह एलाऊ की व्यवस्था भी की जाएगी और उनके लिए एक-एक बोरियो कि झूल बनवा कर के उन्हें उड़ाने का कार्य भी संगठन की टीम द्वारा करेंगे, और एक तरफ आज विपिन राजपूत जी को जिलाध्यक्ष हरिद्वार भी घोषित किया गया जिसमें मंडल अध्यक्ष विक्रम सिंह जी ने जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर उनका फूल माला व पटका डाल कर स्वागत किया और कहा आप अपने जिला अध्यक्ष हरिद्वार की जिम्मेदारी ईमानदारी एवं निष्ठा से निभाएंगे। जिला सहसंयोजक सुनील कश्यप ने संगठन के कार्यकताओं से आवाहन किया कि आप संगठन में 5 कार्यकर्ता जोड़ने का कार्य भी शुरू करें मीटिंग में मौजूद !जिला अध्यक्ष अनुकूल शर्मा, जिला अध्यक्ष हरिद्वार विपिन राजपूत, मंडल अध्यक्ष विक्रम सिंह, जिला प्रवक्ता राकेश शर्मा, जिला महामंत्री देवेन्द्र कुमार शर्मा, जिला उपाध्यक्ष सहेंद्र सिंह, मुकेश कुमार सैनी, रोहित कुमार, जिला उपाध्यक्ष रवि कुमार, ब्लॉक अध्यक्ष ओम प्रकाश, ब्लॉक मीडिया प्रभारी पुष्पेंद्र कुमार, कपिल सैनी, आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाया 108 कुंडीय यज्ञ का वार्षिक उत्सव

उत्तम भारत संवाददाता, चांदपुर। पांच कुंडीय गायत्री महायज्ञ शांतिकुंज हरिद्वार से पधारे अनुभवी एवं समर्पित कार्यकताओं की टोली ने राम प्यारे कश्यप के नेतृत्व में देवी मंदिर परिसर में कराया। 108 कुंडीय गायत्री महायज्ञ के वार्षिक उत्सव एवं माता भगवती देवी शर्मा जी के जन्म शताब्दी वर्ष, अखंड ज्योत के जन्म शताब्दी वर्ष और परम पूज्य गुरुदेव पंडित श्रीराम शर्मा जी की साधना के शताब्दी वर्ष की चेतना को जागृत करने वाले कार्यक्रमों से किस प्रकार जन-जन को जोड़ना है इस पर प्रकाश डाला गया। सुंदर शब्दों में उन्होंने यज्ञ की महिमा का गुणगान करते हुए बताया कि यज्ञ पिता गायत्री माता है। यज्ञ करने से हमारा परिवार और समाज संस्कारित होता है। हमारा मन और आत्मा पवित्र होती है।भारी संख्या में धर्म प्रेमी उपस्थित रहे। बली वैश्व यज्ञ के लिए भी प्रेरित किया जिसमें पके हुए भोजन के एक अंश को अग्निदेव को समर्पित किया जाता है और भोजन को प्रसाद बनाकर उसका सेवन किया जाता है। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ इंजीनियर श्रवण कुमार अग्रवाल एवं उनकी पत्नी विजय अग्रवाल ने किया।पांच कुंडों पर मुख्य यजमान के रूप में आसीन रहे लक्ष्मी नारायण अग्रवाल गंधक वाले एवं अनिता अग्रवाल, विवेक कर्णवाल जिला महामंत्री भारतीय जनता पार्टी एवं एकता कर्णवाल, देवेंद्र कुमार, जिला संघ चालक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं हितेश, डा.मुदित वैश्य एवं डा.मनी वैश्य, कृष्ण कुमार अग्रवाल, नगर संघ चालक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं सुनीता अग्रवाल। कार्यक्रम के आयोजक कार्यकताओं ने टोली के सभी सदस्यों का एवं मुख्य यजमानों का तिलक लगाकर, गायत्री महामंत्र का पटका उढा.कर एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया। जिला समन्वयक समिति के उप जिला समन्वयक इंद्रदेव शर्मा , जिला संयोजक सोमेश्वर दत्त शर्मा, नूरपुर ब्लॉक समन्वयक ममता यादव, नहटौर ब्लॉक समन्वयक बलबीर सिंह को भी सम्मानित किया गया। ब्लॉक जलीलपुर समन्वयक सुरंजीव त्यागी एवं कविता त्यागी ने गुरु सत्ता का पूजन किया। कलश पूजन डॉक्टर निर्मल भाटिया ने किया। गायत्री माता का पूजन कविता जैन एवं मधु गुप्ता ने किया। मंच की आरती में मीरा त्यागी अमिता यादव, कुमकुम महेश्वरी,आशु गोयल, प्रतिमा एवं प्रियंका रहीं।

कार्यक्रम का संचालन मंजू त्यागी ने किया। अंत में जगत शर्मा वह सभी का धन्यवाद कर यज्ञ को जीवन में धारण करने का आह्वान किया। सुबोध गुप्ता, सुरंजीव त्यागी, विनेश त्यागी, गंगाराम, कविता त्यागी,मीनू शर्मा, विनीता महेश्वरी, पूनम शर्मा का विशेष सहयोग रहा।

बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती के अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों का समापन

उत्तम भारत संवाददाता, बिजनौर। बिरसा मुंडा जी की 150 वीं जयंती के पावन अवसर पर दिनांक 1 नवंबर 2025 से दिनांक 15 नवंबर 2025 तक किये जाने वाले कार्यक्रमों के आयोजन के क्रम मे दिनांक 15 नवंबर 2025 को राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय ढकीया बाबन सराय नजीबाबाद बिजनौर में बिरसा मुंडा के फोटो पर माल्यार्पण किया गया इस अवसर पर जनपद बिजनौर के मुख्य विकास अधिकारी श्री रणविजय सिंह , विधायक श्री सुशांत सिंह , मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ कौशलेंद्र सिंह जी, ब्लॉक प्रमुख तृप्ति राजपूत के प्रतिनिधि विकास राजपूत जी, परियोजना निदेशक, (ढऊ), जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्ष, ब्लॉक के अधिकारीगण, ब्लॉक के कर्मचारी, ग्राम प्रधान, विद्याल के समस्त स्टाफ एवं छात्र छात्राओं, जनजाति ग्रामों के व्यक्तिगण द्वारा पुष्प अर्पण किया गया सभी प्रतियोगी छात्र छात्राओं द्वारा प्रोग्राम किए गए एवं पीएम जनमन के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं से आच्छादित जनजाति के व्यक्तियों को प्रमाण पत्र आदि वितरित किए गए।

समाचार

पुलिस क्षेत्राधिकारी ने थाने का वार्षिक निरीक्षण कर दिए दिशा निर्देश

उत्तम भारत संवाददाता, मंडी धनौरा। रविवार को पुलिस क्षेत्राधिकारी अंजलि कटारिया ने थाने का वार्षिक निरीक्षण किया। थाना परिसर में पहुंचते ही पुलिसकर्मियों ने उन्हें सलामी दी। इसके बाद पुलिस क्षेत्राधिकारी अंजलि कटारिया ने थाने के एक-एक अभिलेख को जांचा। शस्त्रागार में रखे शस्त्रों को चेक किया। क्षेत्राधिकारी ने शस्त्रों के रखरखाव पर विशेष ध्यान देने को कहा। इसके बाद बैरक व परिसर की साफ सफाई भी देखी। बीट वार अपराध, निरोधात्मक कार्यवाही गिरफ्तारी और विवेचना की स्थिति की समीक्षा की। पुलिस क्षेत्राधिकारी ने लंबित विवेचनाओं को शीघ्र पूरा करने व अपराध को रोकने के लिए पुलिस गशत पर जोर दिया। इस मौके पर थाना प्रभारी निरीक्षक बालेंद्र कुमार सहित समस्त पुलिस स्टाफ मौजूद रहा।

डॉ. अर्चना प्रिय आर्य को मिला राष्ट्रीय शिक्षा रत्न सम्मान

उत्तम भारत संवाददाता, मथुरा। वैदिक संस्कृति और संस्कृत भाषा में उत्कृष्टता, शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों, समर्पण और प्रेरणादायक योगदान के लिए असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अर्चना प्रिय आर्य को ग्लोबल आइकॉन ऑफ इंडिया मैगजीन द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा रत्न सम्मान 2025 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान ऑनलाइन दिया गया। डॉ. अर्चना प्रिय आर्य ने संस्था के सभी पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान हमें आगे और उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। बता दें कि मथुरा की ताराधाम कॉलोनी निवासी डॉ. अर्चना प्रिय आर्य मेरठ के कनोहर लाल स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर व संस्कृत विभाग की अध्यक्षा हैं। इसके अलावा वह भारतीय संस्कृति और संस्कारों को पुनःस्थापित करने के लिए कार्य कर रही संस्था संस्कार जागृति मिशन की अध्यक्ष तथा सनातन धर्म व आर्य समाज की वरिष्ठ प्रचारिका भी हैं। पूर्व में भी उनको विभिन्न सम्मानों से नवाजा जा चुका है।

सपाईयों ने जिला मुख्यालय पर जयंत का पुतला

उत्तम भारत संवाददाता, मथुरा। समाजवादी पार्टी के नेता गौरव किशनपुरिया एडवोकेट ने अपने समाजवादी साथियों के साथ जिला मुख्यालय पर किसानों को रासायनिक खाद न मिलपाने और छाता शुगर मिल चालू न होने के कारण केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी के विरोध में प्रदर्शन किया। समाजवादी पार्टी के नेताओं और कारकताओं ने जयंत चौधरी को किसान विरोधी बताते हुए मुदार्बाद के नारे लगाए और भाजपा सरकार मुदार्बाद के नारे लगाए व मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के खिलाफ भी नारेबाजी की। इस दौरान समाजवादी पार्टी के निम्नलिखित नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। बादल राज बंसल राष्ट्रीय सचिव समाजवादी छात्र सभा, गौरव पांडेय राष्ट्रीय सचिव समाजवादी सांस्कृक्तिक प्रकोष्ठ यत्येंद्र जाटव राष्ट्रीय सचिव समाजवादी बाबासाहेब आंबेडकर वाहिनी राघवेंद्र ठाकुर अजय गौड प्रेम चंद्र करदम एडवोकेट सुशील सागर एडवोकेट डेविड प्रजापति दीनदयाल पचौरी प्रदेश सचिव समाजवादी अधिवक्ता सभा प्रशात अग्रवाल व्यापारी नेता दलवीर जादौन देव अग्रवाल अजीत, जंग बहादुर पावन ठाकुर पुष्पेंद्र नारायण सिंह ठेकेदार मनोज पाराशर चंदो जाटव प्रेम सिंह पोनियां पीतम निषाद सरवन ठेकेदार विमल चौधरी रमेश पचौरी एडवोकेट राकेश शर्मा तेजवीर सिंह बोबी शर्मा देवी सिंह सौरभ पांडे रामकुमार पांडे डॉक्टर पुष्पेंद्र कंचन सिंह गोस्वामी अभिषेक ऋषि पांडे सोनू गणेश पाण्डेय यादवेंद्र, शंकर लाल इत्यादि थे।

एस आई आर कार्य को लेकर की गई बैठक उप जिलाधिकारी

उत्तम भारत संवाददाता, चांदपुर। एस आई आर के कार्यों को लेकर उप जिलाधिकारी नितिन तेवतिया द्वारा राजनीतिक पार्टियों और जन प्रतिनिधियों व बी एल ओ के साथ तहसील सभागार बैठक की गई । बैठक का मुख्य उद्देश्य की एस आई आर के बारे में समस्त जानकारी समस्त राजनीतिक पार्टियों और जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध करवाई जाए और बीएलओ को एस आई आर कार्य सुनिता पूर्वक करने के निर्देश निर्गत किए गए । इस बैठक में क्षेत्रीय विधायक स्वामी ओमवेश भारतीय जनता पार्टी की ब्लॉक अध्यक्ष मीनू राजपूत और आजाद समाज पार्टी के जिला प्रभारी मोहम्मद ताहिर व अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे ।

P-06:28 paga09_jhn.qxd 11/16/2025 5:23 PM Page 1

सम्पादकीय

चुनाव में जीत हार लगा रहता है

बिहार चुनाव को लेकर बहुत ज्यादा खुश होने की जरुरत नहीं है सत्ता आती है जाती है इस संसार में एक दिन सबकुछ नस्ट होने वाला है लेकिन बिहार पर कितना कर्ज है उसे कैसे भरेंगे पैसे से वोट लेने की प्रथा जब चल पड़ी है तो बाद में पैसा खत्म होने पर वो फिर बदल जायेगा जहाँ तक चुनाव जीतने की बात है तो लोकसभा के बाद झारखण्ड में भी चुनाव हुए थे वहाँ हार मिली अतः जो होता है वो ईश्वर की मर्जी से होता है क्योंकि ऐ शरीर ही नश्वर है तो फिर भगवान राम सत्य है लोकसभा में जो सीटे मिली वो कहीं ना कहीं ऐ सबक दिया कि भगवान राम को राजनीती में मत घसीटे और बाद में जब ऐ मुद्दा को छोड़ कर विकास के कार्यों की ओर जनता के सामने नमन किया तभी जीत मिली भगवान राम की कृपा से ही मेरी सांस चल रही है जो आदि है ना अन्त है वही भगवान राम है जो मौत और जीवन से परे है वही भगवान राम है अतः इसपर राजनीति करना व्यर्थ है। जीत हार सत्ता विपक्ष जीवन में आते रहते हैं लोग चुनाव में हार जीत को लेकर आपस में व्यक्तिगत शत्रु हो जाते हैं और अंहकारी हो जाते हैं लेकिन एक समय के बाद ऐ खत्म होने लगता है, यश, पद, सत्ता, धन आदि के लिए लोगों के पीछे घूमने से आप आत्म-प्रतिष्ठा खो देंगे, तथा कुछ न मिलेगा और यदि मिला भी तो वह प्रतिष्ठा की कीमत चुकाने से दुःखद हो जायगा। प्रयत्न का अर्थ आत्म-पतन नहीं होना चाहिए। दृढ़ विश्वास रखो कि चरित्र का अपना ही एक महत्व है। चरित्र की दृढ़ता मन को सम्बल प्रदान करती है। आध्यात्मिकता मनुष्य को पलायन नहीं सिखाती है, बल्कि उसके अन्तर्जगत को सुव्यवस्थित कर उसे कर्म की ओर प्रवृत्त करती है तथा उसे समभावजनित स्थायी सुख एवं शान्ति प्रदान करती है। अध्यात्म एक विज्ञान है, एक कला है, एक दर्शन है। अध्यात्म मानव के जीवन में जीने की कला के मूल रहस्य को उद्घाटित करा देता है। आध्यात्मिक वातावरण मानों मन के जख्मों को धोकर, उन पर दिव्य मरहम लगाकर मानव को मानसिक स्वस्थता प्रदान करता है। ध्यान का दैनिक अभ्यास स्वास्थ्य एवं शांति के लिए निद्रा की भाँति परम आवश्यक है। थकने पर निद्रा कैसी सुखदा प्रतीत होती है। निद्रा आने पर मनुष्य श्रेष्ठ संगीत, भोग्य पदार्थ एवं भौतिक सत्ता को भी भूल जाता है। वे हेय हो जाते हैं। मनुष्य की जाग्रत अवस्था में ध्यान, अन्तरंग का एक गहन सुख होता है, जो अनिर्वचनीय है। जीवन में भव्यतम क्या है, इसका दर्शन ध्यान द्वारा ही संभव है। इसकी तुलना में समस्त सुख फीके प्रतीत होने लगते हैं। ध्यान कोई तन्त्र-मन्त्र नहीं है।

मिटाना होगी मानवता की दुश्मन बनती जा रही कट्टरता

-डॉ. रवीन्द्र अरजरिया-

ऑपरेशन सिंदूर के बाद से शान्त दिखने वाले पाकिस्तान ने कुछ कट्टरपंथी देशों की सहायता से भारत पर फिर आंतकी प्रहार कर दिया। अल्लाह के इस्लाम को हाशिये पर पहुंचाकर मुल्लाओं ने अपना अलग ही इस्लाम बना डाला है। इस्लाम की आधारशिला कुरान शरीफ की मनमानी व्याख्यायें करने वालों व्दारा मासूम लोगों को कभी 72 हूरों के ख्वाब दिखाये जाते हैं तो कभी जन्नत से बुलावा बताकर आत्मघाती जमातें तैयार की जातीं हैं। 'दिल्ली ब्लास्ट' की जांच में उजागर हुआ है कि पाकिस्तान सहित तुर्किये, कतर आदि देशों ने सामूहिक रूप से भारत की बढती संप्रभुता, सम्पन्नता और साख को प्रभावित करने हेतु आतंकी संगठनों के सहारे छद्म युद्ध छेड दिया है। इसकी तैयारियां लम्बे समय से चल रहीं थी। इस्लाम में जहां पर्दा प्रथा को जरूरी बताकर हिजाब की अनिवार्यता लागू की जाती है वहीं महिलाओं को आतंक के रास्ते पर चलाने में लगे कट्टर मौलानाओं का एक गिरोह अपने ढंग की गई व्याख्याओं व्दारा इसे जायज ठहरा रहा है। यूं तो पाकिस्तान की आईएसआई एक लम्बे समय से महिलाओं को हनी ट्रैप की बकायदा ट्रेनिंग देकर भारत के गुप्त दस्तावेज हडपने, मीरजाफरों की जमातें तैयार करने तथा स्लीपर सेल तैयार करने में लगा है जिसके लिए उसने रावलपिंडी की फातिमा जिन्‍ना वीमेन यूनिवर्सिटी में निर्धारित पाठ्यक्रम तक चला रखा है। सूत्रों के अनुसार इस विश्वविद्यालय में हनी ट्रैप की स्‍पेशल ट्रेनिंग के लिए तीन चरणों वाली शिक्षा लागू है। पहले चरण में फर्जी सोशल मीडिया एकाउण्ट बनाकर आकर्षक प्रोफाइल परोसा जाता है जिसमें सरकार के जिम्मेदार अफसरों, राजनेताओं तथा प्रतिष्ठित व्यक्तियों को फंसाने की चालें चली जाती हैं। इस हेतु इंस्टाग्राम, फेसबुक, लिंक्डइन, डेटिंग ऐप्स जैसे प्लेटफार्म का उपयोग करके अपने शिकार को विश्वास जीता जाता है। दूसरे चरण में भावनात्मक संबंध स्थापित करते हुए अन्तरंग बातचीत, वीडियो काल्स, लुभावने फोटो का आदान-प्रदान किया जाता है और फिर अन्तिम चरण में शुरू हो जाते हैं लक्ष्य भेदन के प्रयास। शिकार को उसके निजिता के सार्वजनिक करने का डर दिखाकर ब्लैकमेल करते हुए गुप्त दस्तावेज हासिल किये जाते हैं, देश के साथ गद्दारी करने की मानसिकता पैदा जाती है और किये जाते हैं मानवता विरोधी प्रयोग। धर्म के नाम पर कट्टरता का पाठ पढाने वाले अपने स्वजनों को सुरक्षा कवच में रखते हुए अंधविश्वासियों को खुदा के नाम पर कुर्बान होने के लिए प्रेरित करते हैं। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 'आपरेशन सिंदूर' से तबाह हुई पाकिस्तानी आतंक की फैक्ट्री को नये रूप में सजाने-संवारने हेतु उर्दू महीने रबी-उल-थानी की 13 तारीख यानी कि 8 अक्टूबर 2025 को मरकज स्तर पर आयोजित बैठक में एक विस्त्रित कार्य योजना तैयार की गई जिसमें धार्मिक दान को ज्यादा से ज्यादा बटोरने, महिला आतंकियों को तैयार करने, गजवा-ए-हिन्द लागू करने, भारत में मीरजाफरों की फौज तैयार करने, सफेदपोश आतंकियों की संख्या बढाने, बुद्धिजीवियों को इस्लाम के नाम कट्टरत बनाने जैसी एक दर्जन योजनाओं को अन्तिम रूप दिया गया। आतंकियों की महिला बिंग को जमात-उल-मोमिनात नाम दिया गया जिसमें विगत 8 अक्टूबर 2025 से ही भर्ती शुरू कर दी गई थी। इसका मुख्यालय फिलहाल पाकिस्तान के बहावलपुर स्थित जैश के मर्कज-उस्मान-ओ-अली में स्थापित किया गया। महिला आतंकियों की भर्ती के लिए बहावलपुर, मुल्तान, सियालाकोट, कराची, मुजफ्फराबाद, कोटली, हरिपुर मनशेरा सहित भारत के लखनऊ, हैदराबाद, अलीगढ, मेरठ, प्रयागराज, भोपाल, बुरहानपुर, मुजफ्फरपुर, मुजफ्फर नगर आदि मुस्लिम बाहुल्य इलाकों स्लीपर सेल्स सक्रिय कर दिये है जो पाकिस्तान, तुर्किये, कतर, फिलिस्तीन, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, बंगलादेश और ब्रुनेई में बैठे अपने आकाओं के सीधे नियंत्रण में कार्य करने लगे हैं। यूं तो पाकिस्तानी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने सन 2006 में महिला आतंकियों का इस्तेमाल किया था जिनमें से यास्मीना नाम की महिला अवंतीपोर में एक आत्मघाती हमले में मारी गई थी। वह जैश की तात्कालिक महिला विंग बन्नत-ए-आयशा की सदस्य थी। उसके बाद इस विंग की गतिविधियां कम हो गई थी। अब जमात-उल-मोमिनात के नाम से बन्नत-ए-आयशा को पुनर्जीवित किया गया है जिसकी सरगना सादिया अजहर को बनाया गया है जो जैश सरगना मसूद अजहर की छोटी बहन है। सादिया अजहर का पति यूसुफ अजहर उर्फ उस्ताद विगत 7 मई को हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' में जैश मुख्यालय पर की गई कार्रवाई में मारा गया था। सादिया के साथ-साथ मसूद अजहर के भतीजे उमर फारुख की पत्नी अफीरा बीवी भी कन्धे से कन्धा लगाकर साथ दे रही है। अफीरा बीवी का पति भी पुलवामा अटैक के बाद एक मुठभेड में मारा गया गया था। यह महिला विंग को तीन उप भागों में विभक्त किया गया है। एक भाग आतंकियों की पत्नियों, बहिन-बेटियों, गरीब परिवारों तथा पतियों के जुल्म की शिकार महिलाओं को शामिल करने में जुटा है जबकि दूसरा भाग मुस्लिम प्रतिभाओं, नेताओं, प्रतिष्ठित लोगों, चिकित्सकों, इंजीनियर्स, सीए, उद्योगपतियों, व्यापारियो, वैज्ञानिकों जैसे बुद्धजीवियों को बरगलाने, इस्लाम के नाम पर कट्टर बनाने तथा जन्नत में ऐश करने के ख्वाब दिखाने का काम कर रहा है। इसी विंग के तीसरे भाग ने आईएसआई के हनीट्रैप विभाग को सहयोग देना शुरू कर दिया है। जैश-ए-मोहम्मद ने एक पुस्तिका में बिस्मिल्लाह और कुरान की आयतों का प्रयोग करते हुए उसमें मक्का और मदीना की तस्वीरें छापी हैं जिसमें महिलाओं को इस्लाम धर्म का हवाला कट्टरता का पाठ पढाया गया है। जैश की प्रचार विंग 'अल-कलाम मीडिया' ने अपने एक पत्र में 'जमात-उल-मोमिनीन' को विस्तार से परिभाषित किया है। उल्लेखनीय है कि इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया, बोको हराम एवं हमास ने आतंकवादी अभियानों में महिलाओं का उपयोग फिदायन हमलों में किया है किन्तु जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन ने सन्‍ 2000 से पहले कभी महिलाओं का उपयोग नहीं किया। ज्ञातव्य है कि इस्लामिक देशों ने मिलकर सन्‍ 1969 में इस्लामी सहयोग संगठन का गठन किया जिसमें चार महाद्वीपों के 57 देश शामिल है।

महिला आतंकियों की भर्ती के लिए बहावलपुर, मुल्तान, सियालाकोट, कराची, मुजफ्फराबाद, कोटली, हरिपुर मनशेरा सहित भारत के लखनऊ, हैदराबाद, अलीगढ, मेरठ, प्रयागराज, भोपाल, बुरहानपुर, मुजफ्फरपुर, मुजफ्फर नगर आदि मुस्लिम बाहुल्य इलाकों स्लीपर सेल्स सक्रिय कर दिये है जो पाकिस्तान, तुर्किये, कतर, फिलिस्तीन, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, बंगलादेश और ब्रुनेई में बैठे अपने आकाओं के सीधे नियंत्रण में कार्य करने लगे हैं।

सउदी अरब के जेद्दा में मुख्यालय बनाने के बाद से इसकी गतिविधियों ने आकार लिया। बाद में पाकिस्तान ने तुर्किये, कतर जैसे देशो के साथ मिलकर इस कल्याणकारी संगठन का उपयोग इस्लाम के नाम पर आतंक फैलाने लिए करना शुरू दिया। इसी कारण से 'दिल्ली ब्लास्ट' के तार तुर्किये, कतर सहित अन्य मुस्लिम देशों तक जुड रहे हैं। इन षडयंत्रकारियों व्दारा जेन-जी को प्रभावित करके कट्टर बनाने का काम भी तेजी से किया जा रहा है। सूत्रों की माने तो चिकित्सकों को अलावा इंजीनियर्स की एक बडी जमात पूरे देश में साइबर के माध्यम से बहुत बडी क्षति करने की फिराक में है जो सीधे कट्टरपंथ से नियंत्रित हो रही है। ऐसे में मिटाना होगी मानवता की दुश्मन बनती जा रही कट्टरता को अन्यथा बारूद के ढेर पर बैठी दुनिया को अपूर्तिनीय क्षति होना लगभग तय है। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

एनडीए की सुनामी को भांपने में क्यों फेल हुए एग्जिट पोल ?

-योगेश कुमार गोयल-

नीतियों, संख्या-शास्त्र और राजनीतिक सामाजिक रुझानों को समझने का दावा करने वाले एग्जिट पोल्स एक बार फिर बिहार के जनादेश के सामने बुरी तरह धराशायी हो गए। यह वही बिहार है, जहां जनता की राजनीतिक सूझबूझ देशभर में मिसाल मानी जाती है और इसी बिहार ने 2025 के विधानसभा चुनाव में एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि मतदाता का मन कागजों, ग्राफों और टीवी स्टूडियो की चचाओं से नहीं पढ़ा जा सकता। लगभग दो दर्जन एजेंसियों ने अपने-अपने अनुमानों की बौछार कर दी थी लेकिन नतीजों ने इनकी तथाकथित वैज्ञानिकता का मुखौटा एक झटके में उतारकर फैंक दिया। मतदान के बाद तमाम टीवी चैनलों पर जोर-शोर से दावे किए जा रहे थे कि इस बार तस्वीर साफ है, रुझान स्थिर हैं और रणनीति मजबूत है परन्तु असलियत यह थी कि वैज्ञानिक ह्यसैम्पलिंगह्न के नाम पर केवल अनुमान बेचे जा रहे थे और इन अनुमानों का आधार जमीन से ज्यादा स्टूडियो-केन्द्रित कॉलिनियरिटी था। हालांकि बिहार के दो चरणों वाले चुनाव में भारी मतदान ने यह संकेत पहले ही दे दिया था कि इस बार कुछ अलग ही लहर है लेकिन यह लहर कितनी प्रचंड होगी, इसे कोई भी एजेंसी अपने सर्वे में नहीं पकड़ सकी। 65 और 68 प्रतिशत की रिकॉर्ड वोटिंग ने विश्लेषकों को जरूर सतर्क किया था लेकिन यह सतर्कता भी उस समय ध्वस्त हो गई, जब एग्जिट पोल्स ने लगभग एक जैसी थाली परोसी यानी एनडीए की जीत लेकिन सीमित मार्जिन के साथ। लगभग सभी ह्यपोल ऑफ पोल्सह्न ने एनडीए को 150 के आसपास और महागठबंधन को 80-90 सीटों तक टिका दिया, मानो मतदाता किसी स्थिर पैटर्न में वोट डालने गया हो। इन अनुमानित संख्याओं में न आत्मविश्वास झलकता था, न शोध की गंभीरता। यही नहीं, प्रतिष्ठित मानी जाने वाली एक्सिस माय इंडिया और टुडेज चाणक्य जैसी एजेंसियां भी उस भूचाल को भांप नहीं सकी, जिसने एनडीए को 200 से अधिक सीटों के साथ रिकॉर्ड बहुमत दे दिया। यह पराजय अनुमान की नहीं, समझ की थी और यह विफलता आंकड़ों की नहीं, पद्धति की थी, जो सवाल उठाती है कि क्या एग्जिट पोल्स विश्लेषण करते हैं या महज भविष्यवाणी का खेल खेलते हैं ? सबसे दिलचस्प बात यह रही कि सभी एजेंसियों के बीच पोल डायरी नाम की एकमात्र एजेंसी थी, जिसने एनडीए को 184-209 सीटों तक का अनुमान देकर राजनीतिक गलियारों को चौकन्ना कर दिया था। उस समय इसे कई विशेषज्ञों ने ह्यआउटलायरह्न कहकर खारिज कर दिया था परंतु नतीजे आए तो वही आउट्लायर सबसे सटीक साबित हुआ। महागठबंधन को 32-49 सीटों का उसका अनुमान भी वास्तविक परिणामों से मेल खा गया। यह सवाल और बड़ा हो जाता है कि जब सारी एजेंसियां एक दिशा में झुकी हों और एक एजेंसी अलग दृष्टि दे रही हो, तब भी आखिर क्यों तथाकथित विशेषज्ञता उस एकमात्र भिन्न अनुमान को गंम्भीरता से नहीं लेती ? जवाब स्पष्ट है कि एग्जिट पोल अब एक उद्योग है और उद्योग में जोखिम लेने की जगह कम होती है। सबको उसी लय में बोलना सुविधाजनक लगता है, जिसमें बहुमत की आवाज सुनाई देती है।

बिहार में एक्सिस ने 121-141, चाणक्य ने 148-172, भास्कर ने 145-160, पीपुल पल्स ने 133-159, मैट्रिज-आईएएनएस ने 147-167 और लगभग हर एजेंसी ने 130 से 160 के बीच एनडीए को बांधकर रखा। महागठबंधन को इन्हीं एजेंसियों ने उदारता के साथ 75-110 सीटें सौंप दी, मानो राजनीतिक ध्रुवीकरण, जातीय समीकरणों के पुनर्संयोजन, महिलाओं और युवाओं के मतदान पैटर्न जैसी वास्तविकताओं का कोई महत्व ही न हो। नतीजा ? जमीन पर वोटर ने इन सारे अनुमानों को कागजी गणित साबित कर दिया। एनडीए जहां 200 सीटों से ऊपर निकल गया, वहीं महागठबंधन 35 के आसपास सिमट गया। बिहार की राजनीति की जटिलता को समझ पाने में एग्जिट पोल्स की असमर्थता कोई नई बात नहीं है। 2010, 2015 और 2020 में भी वे लगातार विफल रहे। 2015 में जब नीतीश-लालू गठबंधन की प्रचंड जीत हुई थी जबकि सर्वे एजेंसियों ने इसके उलट एनडीए की बढ़त दिखाई थी। 2020 में जब लगभग हर सर्वे ने महागठबंधन की जीत की भविष्यवाणी की थी, तब नतीजों ने एनडीए को 125 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत पर पहुंचा दिया था। अब 2025 में जब एनडीए की सुनामी आई, तब उसे भी पढ़ने में लगभग सभी एजेंसियां एक बार फिर चूक गई। आखिर चुनावी समाजशास्त्र में ऐसी क्या अंधी दीवार है, जो इन एजेंसियों को वास्तविकता से टकराने पर मजबूर कर देती है ? यह विफलता केवल बिहार तक सीमित नहीं है। हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड, पश्चिम बंगाल, राजस्थान और यहां तक कि लोकसभा चुनावों तक में एग्जिट पोल्स बार-बार चित्त होते आए हैं। 2024 लोकसभा चुनाव में तो लगभग हर एजेंसी ने एनडीए को 350-400 सीटों का आकाश छूता अनुमान दिया था जबकि भाजपा 240 सीटों पर रुक गई थी और एनडीए 292 पर। महाराष्ट्र में एग्जिट पोल्स ने 150-170 सीटों की महायुति दिखा दी पर वास्तविक नतीजे 234 सीटों के विशाल बहुमत में तब्दील हो गए। झारखंड में अनुमान एनडीए का, नतीजा इंडिया ब्लॉक का; बंगाल में अनुमान त्रिशंकु का, नतीजा टीएमसी की सुनामी का, तो क्या यह कहना गलत है कि एग्जिट पोल अब विश्लेषण का औजार नहीं बल्कि मनोरंजन का साधन बन चुके हैं ? सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि आखिर एग्जिट पोल्स किस विज्ञान पर चलते हैं ? एजेंसियां दावा करती हैं कि वे वैज्ञानिक सैम्पलिंग, पिछले चुनावों के पैटर्न, जातीय-क्षेत्रीय वितरण, बूथवार गणना और वोट शेयर रूपांतरण मॉडल पर काम करती हैं लेकिन वास्तविकता यह है कि यह डेटा कितने बूथों से लिया जाता है, कितने मतदाताओं से बात होती है, कौनसे अनुपात लागू किए जाते हैं, इन सबकी पारदर्शिता लगभग शून्य है। वैज्ञानिक मॉडल की आड़ में यह उद्योग एक ब्लैक बॉक्स की तरह काम करता है, जहां अंदर क्या चल रहा है, कोई नहीं जानता और बाहर सिर्फ अनुमान बेचा जाता है। हालांकि ऐसा नहीं है कि सैंपलिंग से नतीजे निकाले नहीं जा सकते। दुनियाभर में चुनाव पूर्व सर्वे और एग्जिट पोल आम प्रचलन में हैं लेकिन वहां मैथडोलॉजी खुली होती है, डेटा उपलब्ध होता है और एजेंसियों का मूल्यांकन उनके पिछले रिकॉर्ड के आधार पर किया जाता है। भारत में इसके उलट, टीवी चैनल टीआरपी के लिए और सर्वे एजेंसियां कॉन्ट्रैक्ट के लिए एग्जिट पोल पेश करती हैं। इन्हें वास्तविकता से ज्यादा कथानक गढ़ने में रुचि होती है। कई बार राजनीतिक पक्षधरता, कई बार व्यावसायिक दबाव और कुछ मामलों में सैंपल की कमी जैसे बहाने इस उद्योग का स्थायी फॉर्मूला बन चुके हैं। कुल मिलाकर, बिहार के 2025 के जनादेश ने एक बार फिर यह साबित किया है कि एग्जिट पोल्स मतदाता को पढ़ने का नहीं, मतदाता को प्रभावित करने का उपकरण बन चुके हैं। किसी भी लोकतंत्र में यह एक खतरनाक प्रवृत्ति है। जब टीवी चैनल और एजेंसियां मिलकर मतदाता के मन की थाह लेने के बजाय उसकी धारणाओं को दिशा देने में लग जाएं, तब उनकी विश्वसनीयता पर प्रश्नचिन्ह लगने स्वाभाविक है। यह समय है कि भारत में एग्जिट पोल्स के लिए स्वतंत्र विधिक नियंत्रण, स्पष्ट पद्धति प्रकटीकरण, सैम्पलिंग मानक, पारदर्शिता नियम और जवाबदेही लागू की जाए। जब तक यह उद्योग अनुमानों की दुकान बना रहेगा, तब तक उसका हर अनुमान एक जोखिम होगा और उसकी हर भविष्यवाणी लोकतंत्र को भ्रमित करने का माध्यम।

विशेष

बिहार विस चुनाव नतीजे से निकले संदेश

-हृदयनारायण दीक्षित-

कोई भी घटना अप्रत्याशित नहीं होती। सम्यक आकलन नहीं होता। हमारी नासमझी और व्यापक अनुभवों का उचित मूल्यांकन नहीं होता। हम अनुमान करते हैं। प्रमाणों की सहायता लेते हैं, लेकिन नियति प्रमाणों की परवाह नहीं करती।

प्रमाणों के आकलन की छोटी-सी गलती परिणाम बदल देती है। कभी-कभी परिणाम बदलने की जिजीविषा पूरी शक्ति के साथ चुनौती देती है आकाश को, तब सितारों व ग्रह दशा भी बदल जाती है। बिहार चुनाव नतीजे ने सबको चौंकाया है। चुनाव में हार-जीत होती ही है। लेकिन बिहार की जनता ने कमाल किया है और भारतीय चुनाव के इतिहास में नया अध्याय जोड़ दिया है। संविधान निमार्ताओं की भी इच्छा थी कि भारत का लोकतंत्र फले-फूले और जनता अपने प्रतिनिधि चुनने के लिए स्वतंत्र हो। जनता अपने नेता चुनने के अलावा कोई हिंसक रास्ता न अपनाए। इसके लिए स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव आयोग बना। संविधान (अनुच्छेद 324) में मतदाता सूची बनाने से लेकर मतगणना तक की जिम्मेदारी निर्वाचन आयोग पर डाली गई। 1952 से लेकर विधानमण्डल व संसद के चुनाव कराए जा रहे हैं।

निष्पक्ष चुनाव का प्रयास देश में पहले से चल रहा है लेकिन जाति, धनबल, बाहुबल के प्रभाव ने संविधान निमार्ताओं की अभिलाषा को पूरा नहीं होने दिया। इसका अर्थ यह नहीं है कि भारतीय राष्ट्र राज्य कमजोर है। भारतीय संविधान निमार्ताओं ने संविधान की प्रस्तावना में भारतीय जनता को 'हम भारत के लोग' बनने और होने का आग्रह किया है। राजनीतिक जल्दबाजी में कभी-कभी भारत को हिंदू और मुसलमान का देश कहा जाता है। कोई सिख छोड़ देता है, कोई बुद्ध और महावीर। एक प्रधानमंत्री ने देश के संसाधनों पर मुसलमानों का पहला अधिकार बताया था, लेकिन संविधान निमार्ताओं ने 'हम भारत के लोग' कह कर हम सबके सामने एक आदर्श रखा है। हम किसी भी वर्ग या संप्रदाय से सम्बंधित हो सकते हैं। लेकिन प्रथमतः और अंततः भारतीय हैं। संविधान निमार्ताओं ने नागरिकों को जाति, संप्रदाय, मत, पंथ मजहब के द्वारा अभिज्ञात नहीं किया है।

दुनिया 21वीं सदी में अंतरिक्ष में घर बनाने के सपने देख रही है, लेकिन राजनीति जातियों की गिनती में व्यस्त है। प्रसन्नता की बात है कि जिस बिहार को बम, पिस्तौल और हिंसा के लिए बदनाम किया गया था, उसी बिहार की जनता ने पुनर्जागरण का स्वप्न देखा है। इस देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद बिहार के थे। उन्होंने देश को नई दिशा दी थी। सोमनाथ मंदिर का नवनिर्माण हुआ था। कार्यक्रम संयोजक राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद से मिले थे। उन्हें सोमनाथ मंदिर कार्यक्रम में उपस्थित होने के लिए निमंत्रित किया गया था। प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू नहीं चाहते थे कि भारतीय गणराज्य का राष्ट्रपति किसी धार्मिक आयोजन में हिस्सा ले, लेकिन राजेन्द्र प्रसाद वहां गए। प्रधानमंत्री की इच्छा न होने के बावजूद गए।

बिहार चुनाव ने किसी भी विभाजक आवाज को अनसुना कर दिया। राजनेता और टिप्पणीकार चुनाव के पहले से ही जीत हार का खाका बना रहे थे। जातियों के प्रतिशत निकाले जा रहे थे। कहा जाता था कि सरकार बनाने के लिए यादव और मुसलमान मिलकर पर्याप्त हैं, इसलिए चुनाव प्रचार की बहुत आवश्यकता नहीं है। इसी तरह सभी छोटी बड़ी पार्टियों में जाति का गणित फिट करने की होड़ थी। नतीजा आ जाने पर भी यह विश्लेषण थमा नहीं। एक बड़े चैनल ने कहा कि महिलाओं ने भारी संख्या में वोट दिया। कहा जाता है कि ज्यादातर महिलाओं ने राजग को वोट किया। चुनाव का यह विश्लेषण अधूरा है। चुनाव के समय की राजनीति का समग्र विश्लेषण नहीं हुआ। साथ ही चुनाव के संदेश पर भी चर्चा नहीं हो रही।

सबसे 'तेज' बनने के चक्कर में 'श्रद्धांजलि' का पात्र बना 'गोदी मीडिया'

-तनवीर जाफरी-

अन्य करोड़ों लोगों की तरह मैं भी फिल्म जगत में 'ही मैन' के नाम से प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता धर्मेंद्र का बचपन से ही प्रशंसक हूँ। 1985-87 के मध्य इलाहाबाद में अमिताभ बच्चन के साथ काम करने का अवसर मिला। उसी दौर में मुंबई आना जाना रहा। उन दिनों मुझे संजय खान, दारा सिंह, रणजीत, देव कुमार उनकी सुपुत्री मिस इंडिया मनीषा कोहली सहित अन्य कई कलाकारों से व्यक्तिगत रूप से मिलने का अवसर मिला। परन्तु इत्तेफाक से दो बार कोशिशों के बावजूद धर्मेंद्र से इसलिये न मिल सका क्योंकि मेरे मुंबई के प्रवास के दौरान वे शूटिंग पर कहीं बाहर होते। बहरहाल उनसे मिलने व उनके साथ बैठने की हसरत दिल में ही रही। इत्तेफाक से 2005 में जब मैं लोकसभा की कार्रवाई देखने के लिये दिल्ली गया था उसी दौरान संसद के मुख्य द्वार पर मेरी नजर इस महान अभिनेता पर पड़ी। उस समय वे 2004 से 2009 के मध्य बनी 14वीं लोकसभा में राजस्थान के बीकानेर लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी की ओर से निर्वाचित हुये सांसद थे। मैं उन्हें देखकर जोर से बोल पड़ा --अरे ...बीरु .. और धर्मेंद्र ने मेरी तरफ दोनों हाथ बढ़ाते हुये जोर से कहा --आ जा मेरी जान। मैं उनकी तरफ तेजी से बढ़ा, उन्होंने बी आगे बढ़कर पूरी गर्मजोशी से मुझे दोनों हाथों से झप्पी डालते हुये इतनी जोर से उठाया की मेरे दोनों पैर जमीन से ऊपर उठ गये। उस अविस्मरणीय क्षण को मैं आज भी भी याद करता हूँ।

बहरहाल पिछले दिनों भारत के बदनाम जमाना 'गोदी मीडिया ' ने देश के उस हरदिलअजीज अभिनेता को उनके जीवनकाल में ही अपनी 'खबरों' में श्रद्धांजलि दे डाली। गौर तलब है कि सांस लेने में दिक़्कत होने के कारण उन्हें पिछले दिनों मुंबई के ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में उन्हें भर्ती कराया गया था। उनके अस्पताल में भर्ती होते ही टी आर पी के भूखे गोदी मीडिया ने अपने मुख्य वाक्य 'सबसे तेज' को साकार करने के मकसद से मोर्चा संभाल लिया। और 10-11 नवंबर के बीच अच्छे खासे बोलते बात चीत करते इस लोकप्रिय अभिनेता की मौत की झूठी अफवाहें तेजी से फैला दीं। ऐसी अफवाहबाजी कि केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, कांग्रेस सांसद अभिषेक मनु सिंहवी, तेलुगु सुपरस्टार चिरंजीवी, अभिनेत्री भाग्यश्री, गीतकार व पटकथा लेखक जावेद अख़्तर यहाँ तक कि खुद गोदी मीडिया की ही एक चर्चित पत्रकार चित्रा त्रिपाठी तक ने इसी झूठी खबर पर विश्वास करते हुये धर्मेंद्र को श्रद्धांजलि व श्रद्धासुमन अर्पित कर डाले। बाद में इनमें से कई हस्तियों ने अपने ऐसे ट्वीट डिलीट भी किये ? यहाँ तक कि कई बड़े अखबारों ने भी इसी गोदी मीडिया की इस झूठी खबर पर विश्वास हुये मुख्य पृष्ठ पर खबरें प्रकाशित कर डालीं। उधर वही धर्मेंद्र अपनी मौत की झूठी खबर फैलने के अगले ही दिन यानी 12 नवंबर को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिए गए। अस्पताल से छुट्टी के बाद वे सजे संवरे सर पर हैट धारण किये अपने अभिनेता पुत्रों के साथ हँसते मुस्कुराते और उसी मीडिया का अभिवादन करते हुये अपने घर जाते नजर आये।

बहरहाल पिछले दिनों भारत के बदनाम जमाना 'गोदी मीडिया ' ने देश के उस हरदिलअजीज अभिनेता को उनके जीवनकाल में ही अपनी 'खबरों' में श्रद्धांजलि दे डाली। गौर तलब है कि सांस लेने में दिक़्कत होने के कारण उन्हें पिछले दिनों मुंबई के ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में उन्हें भर्ती कराया गया था।

परन्तु पहले भी इस तरह की अफवाह फैलाते रहने वाले गोदी मीडिया को इस बार कुछ ज्यादा ही मुँह की खानी पड़ी। न केवल धर्मेंद्र के परिवार के सदस्यों ने बल्कि धर्मेंद्र के प्रशंसकों ने भी सोशल साइट्स पर गोदी मीडिया की धज्जियाँ उड़ाकर रख दीं। धर्मेंद्र की बेटी अभिनेत्री ईशा देओल ने सबसे पहले अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि "मीडिया हद से ज्यादा सक्रिय है और झूठी खबरें फैला रहा है। मेरे पापा स्थिर हैं और रिकवर कर रहे हैं। परिवार को प्राइवेसी दें। पापा के जल्द ठीक होने की दुआओं के लिए शुक्रिया। " उसके फौरन बाद अभिनेत्री पत्नी व सांसद हेमा मालिनी ने (ट्विटर) पर गुस्से में लिखा कि "जो हो रहा है वो अक्षम्य है! जिम्मेदार चैनल ऐसे व्यक्ति के बारे में झूठी खबरें कैसे फैला सकते हैं जो इलाज पर अच्छी प्रतिक्रिया दे रहा है और रिकवर कर रहा है ? ये बेहद असम्मानजनक और गैर - जिम्मेदाराना है। परिवार की प्राइवेसी का सम्मान करें। "

बाद में अभिनेता पुत्र सनी देओल की टीम की ओर से आधिकारिक बयान जारी कर कहा गया कि "मिस्टर धर्मेंद्र स्थिर हैं और ऑब्जर्वेशन में हैं। वे अच्छी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। झूठी अफवाहें न फैलाएं, प्राइवेसी का सम्मान करें और जल्द स्वस्थ होने की दुआ करें। " इस अफवाहबाज गोदी मीडिया को सबसे अधिक जलालत व अपमान का सामना सोशल मीडिया में करना पड़ा। इतना आक्रोश तो उस समय भी देखना नहीं पड़ा था जब पहले भी कई बार यही गैर जिम्मेदार और झूठ परोसने वाला मीडिया कभी अमिताभ बच्चन तो कभी राजिनीकांत कभी शाहरुख खान तो कभी फरीदा जलाल कभी लता मंगेशकर, राजेश खन्ना, कॅटरीना कैफ व आयुष्मान खुराना जैसे कई कलाकारों को उनके जीवित रहते हुये भी 'मारने की खबरें चलाता रहा है। इस बार तो धर्मेंद्र के प्रशंसकों ने व गोदी मीडिया को देश की पत्रकारिता पर कलंक समझने वाले देश के एक प्रबुद्ध वर्ग ने ऐसी पत्रकारिता ऐसे ऐंकरों व ' ऐंकराओं ' की तो धज्जियाँ उड़ाकर रख दीं। सीधे तौर पर धर्मेंद्र की मौत की झूठी खबर शोकपूर्ण भाव भंगिमा से पेश करने वाली गोदी मीडिया की उस बदनाम 'ऐंकरा' के चित्र पर ही माला डालकर उसी को श्रद्धांजलि अर्पित कर डाली। लाखों लोगों द्वारा ऐसी गैर जिम्मेदाराना पत्रकारिता की घोर भर्तस्ना की गयी। कई मशहूर यू ट्यूबर पत्रकारों ने धर्मेंद्र की बीमारी के संबंध में तो नहीं परन्तु अफवाहबाज मीडिया द्वारा फैलाई गयी धर्मेंद्र संबंधी अफवाह को लेकर विशेष कार्यक्रम जरूर बनाये और गैर जिम्मेदार गोदी मीडिया की जम कर धुलाई की।

आश्चर्य है कि पिछले दस वर्षों से घोर अपमान झेल रहा यह पक्षपाती, समाज में दुर्भावना फैलाने वाला, लोगों को झूठी खबरों से गुमराह करने वाला, सरकारी विज्ञापनों व पैसों की लालच में अपना जमीर बेचने वाला तथा अपनी इन्हीं गैर जिम्मेदाराना हरकतों से देश व पत्रकारिता को कलंकित करने वाला अनियंत्रित 'गोदी मीडिया ' अभी भी झूठी, बेबुनियाद, उकसाऊ व अफवाहपूर्ण खबरों को प्रसारित करने से बाज नहीं आ रहा। यही वजह है कि धर्मेंद्र के सम्बन्ध में विश्वसनीय नहीं बल्कि 'सबसे तेज' चैनल बनने के चक्कर में मीडिया स्वयं 'श्रद्धांजलि' का पात्र बन बैठा।

स्वामीः गायत्री मीडिया, मुद्रकः रजनी कुमारी, प्रकाशक व संपादकः शैलेन्द्र कुमार शर्मा द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रैस, डी-85, नोएडा, सेक्टर-6, गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश से मुद्रित कराकर कार्यालय, बी-102, पांडव नगर, नियर एमसीडी स्कूल, नई दिल्ली-110092 से प्रकाशित। सभी विवादों के न्याय क्षेत्र दिल्ली न्यायालय में होगा। RNI No-DELHIN/2017/75336 (M) 9818087861

P-7:28 paga09_jhn.qxd 11/16/2025 9:39 PM Page 1

महाभारत का हुआ था जहां युद्ध उस कुरुक्षेत्र के रहस्य

कुरुक्षेत्र युद्ध कौरवों और पाण्डवों के मध्य कुरु साम्राज्य के सिंहासन की प्राप्ति के लिए कुरुक्षेत्र में युद्ध लड़ा गया था। आओ जानते हैं कुरुक्षेत्र के 5 रहस्य। कुरुक्षेत्र भारतीय राज्य हरियाणा का एक क्षेत्र है।

छोटे भाई का वध

मान्यता अनुसार यह कहा जाता है कि भगवान श्रीकृष्ण को डर था कि भाई-भाइयों के, गुरु-शिष्यों के व संबंधी कुटुंबियों के इस युद्ध में एक दूसरे को मरते देखकर कहीं ये संधि न कर बैठें। इसलिए ऐसी भूमि युद्ध के लिए चुनने का फैसला लिया गया जहां क्रोध और द्वेष के संस्कार पर्याप्त मात्रा में हों। तब श्रीकृष्ण ने कई दूत अनेकों दिशाओं में भेजे और उन्हें वहां की घटनाओं का जायजा लेने को कहा। एक दूत ने सुनाया कि कुरुक्षेत्र में बड़े भाई ने छोटे भाई को खेत की मेंड़ टूटने पर बहते हुए वर्षा के पानी को रोकने के लिए कहा। उसने साफ इनकार कर दिया। इस पर बड़ा भाई आग बबूला हो गया। उसने छोटे भाई को छुरे से गोद डाला और उसकी लाश को पैर पकड़कर घसीटता हुआ उस मेंड़ के पास ले गया और जहां से पानी निकल रहा था वहां उस लाश को पानी रोकने के लिए लगा दिया। इस कहानी को सुनकर श्रीकृष्ण ने तय किया कि यही भूमि भाई-भाई के युद्ध के लिए उपयुक्त है। जब श्रीकृष्ण आश्वस्त हो गए कि इस भूमि के संस्कार यहां पर भाइयों के युद्ध में एक दूसरे के प्रति प्रेम उत्पन्न नहीं होने देंगे तब उन्होंने युद्ध कुरुक्षेत्र में करवाने की घोषणा की।

कुरु का क्षेत्र

दूसरी कहानी अनुसार कहते हैं कि जब कुरु इस क्षेत्र की जुताई कर रहे थे तब इन्द्र ने उनसे जाकर इसका कारण पूछा। कुरु ने कहा कि जो भी व्यक्ति इस स्थान पर मारा जाए, वह पुण्य लोक में जाए, ऐसी मेरी इच्छा है। इन्द्र उनकी बात को हंसी में उड़ाते हुए स्वर्गलोक चले गए। ऐसा अनेक बार हुआ। इन्द्र ने अन्य देवताओं को भी ये बात बताई। देवताओं ने इन्द्र से कहा कि यदि संभव हो तो कुरु को अपने पक्ष में कर लो। तब इन्द्र ने कुरु के पास जाकर कहा कि कोई भी पशु, पक्षी या मनुष्य निराहार रहकर या युद्ध करके इस स्थान पर मारा जायेगा तो वह स्वर्ग का भागी होगा। ये बात भीष्म, कृष्ण आदि सभी जानते थे, इसलिए महाभारत का युद्ध कुरुक्षेत्र में लड़ा गया।

श्रवण कुमार की कहानी

मातृ और पितृ भक्त श्रवण कुमार की कहानी तो आपने सुनी ही होगी। श्रवण कुमार जैसे पितृभक्त खोजना मुश्किल है। वे अपने अंधे माता-पिता की सेवा पूरी तत्परता से करते थे, उन्हें किसी प्रकार का कष्ट नहीं होने देते थे। एक बार माता-पिता ने तीर्थ यात्रा की इच्छा की और वे उन्हें कांवर में बिठाकर तीर्थ यात्रा को चल दिए। बहुत से तीर्थ करा लेने पर एक दिन अचानक उसके मन में यह भाव आया कि पिता-माता को पैदल क्यों न चलाया जाए? उन्होंने कांवर जमीन पर रख दी और उन्हें पैदल चलने को कहा। अंधे माता और पिता पैदल चलने तो लगे पर उन्होंने साथ ही यह भी कहा- बेटा इस भूमि को जितनी जल्दी हो सके पार कर लेना चाहिए। वे तेजी से चलने लगे जब वह भूमि निकल गई तो श्रवणकुमार को माता-पिता के साथ इस तरह का व्यवहार करने पर बड़ा पश्चाताप हुआ और उसने पैरों में गिरकर क्षमा मांगी तथा फिर से दोनों को कांवर में बिठा लिया। उनके अंधे पिता ने कहा- पुत्र इसमें तुम्हारा दोष नहीं। उस भूमि पर किसी समय मय नामक एक असुर रहता था उसने जन्मते ही अपने ही पिता-माता को मार डाला था, उसी के संस्कार उस भूमि में अभी तक बने हुए हैं इसीसे उस क्षेत्र में गुजरते हुए तुम्हें ऐसी बुद्धि उपजी।

कुरुक्षेत्र का महत्व

महाभारत के वनपर्व के अनुसार, कुरुक्षेत्र में आकर सभी लोग पापमुक्त हो जाते हैं और जो ऐसा कहता है कि मैं कुरुक्षेत्र जाऊंगा और वहीं निवास करुंगा। यहां तक कि यहां की उड़ी हुई धूल के कण पापी को परम पद देते हैं। नारद पुराण में आया है कि ग्रहों, नक्षत्रों एवं तारागणों को कालगति से (आकाश से) नीचे गिर पड़ने का भय है, किन्तु वे, जो कुरुक्षेत्र में मरते हैं पुनः पृथ्वी पर नहीं गिरते, अर्थात वे पुनःजन्म नहीं लेते। भगवद्गीता के प्रथम श्लोक में कुरुक्षेत्र को धर्मक्षेत्र कहा गया है।

कुरुक्षेत्र के क्षेत्र

यहां एक विशाल तालाब है जिसका निर्माण महाभारत काल में ही हुआ था। यहां एक ज्योतिसर नामक स्थान हैं जहां पर श्रीकृष्ण ने गीता का उपदेश दिया था। यहां पर ब्रह्मसरोवर, सन्निहित सरोवर, भद्रकाली मन्दिर, पिहोवा और श्री स्थानेश्वर महादेव मन्दिर व पूण्डरी नामक स्थान प्रसिद्ध है।

महाभारत में व्यूह रचना कितने प्रकार की थी?

महाभारत में आपने सिर्फ चक्रव्यूह का ही नाम सूना होगा। लेकिन महाभारत के युद्ध में कई प्रकार की व्यू रचना का उल्लेख मिलता है। युद्ध को लड़ने के लिए पक्ष या विपक्ष अपने हिसाब से व्यूह रचना करता था। व्यूह रचना का अर्थ है कि किस तरह सैनिकों को सामने खड़ा किया जाए। आसमान से देखने पर यह व्यूह रचना दिखाई देती है। जैसे क्रौंच व्यूह है, तो आसमान से देखने पर क्रौंच पक्षी की तरह सैनिक खड़े हुए दिखाई देंगे। इसी तरह चक्रव्यूह को आसमान से देखने पर एक घूमते हुए चक्र के समान सैन्य रचना दिखाई देती है। आओ जानते हैं कुछ खास व्यूह रचना के बारे में।

गरुड़ व्यूह : गरुड़ पक्षी का चित्र तो देखा ही होगा आपने। यह विशालकाय पक्षी भगवान विष्णु का वाहन है। युद्ध में सैनिकों को विपक्षी सेना के सामने इस तरह पंक्तिबद्ध खड़ा किया जाता है कि जिससे आसमान से देखने पर गरुढ़ पक्षी जैसी आकृति दिखाई दे। इसे ही गरुड़ व्यूह कहते हैं। महाभारत में इस व्यूह की रचना भीष्म पितामह ने की थी।

क्रौंच व्यूह : क्रौंच सारस की एक प्रजाति है। इस व्यूह का आकार इसी पक्षी की तरह होता था। महाभारत में इस व्यूह की रचना युधिष्ठिर ने की थी।

मकरव्यूह : प्राचीन काल में मकर नाम का एक जलचर प्राणी होता है। मकर का सिर तो मगरमच्छ की तरह लेकिन उसके सिर पर बकरी के सींगों जैसे सींग होते थे, मृग और सांप जैसा शरीर, मछली या मोर जैसी पूंछ और पैंथर जैसे पैर दर्शाए भी होते थे। वैदिक साहित्य में अक्सर तिमिंगिला और मकर का साथ-साथ जिक्र होता है। लेकिन संभवतः यहां व्यूह रचना से तात्पर्य मगर से होगा मकर से नहीं। महाभारत में इस व्यूह की रचना कौरवों ने की थी। ›

कछुआ व्यूह : इसमें सेना को कछुए की तरह जमाया जाता है।

अर्धचंद्राकार व्यूह : अर्ध चंद्र का अर्थ तो आप समझते ही हैं। सैन्य रचना जब अर्ध चंद्र की तरह होती थी तो उसे अर्धचंद्राकार व्यूह रचना कहते थे। इस व्यूह की रचना अर्जुन ने कौरवों के गरुड़ व्यूह के प्रत्युत्तर में की थी।

मंडलाकार व्यूह : मंडल का अर्थ गोलाकार या चक्राकार होता है। इस व्यूह का गठन परिपत्र रूप में होता था। महाभारत में इस व्यूह की रचना भीष्म पितामह ने की थी। इसके प्रत्युत्तर में पांडवों ने व्रज व्यूह की रचना कर इसे भेद दिया था।

चक्रव्यूह : चक्रव्यूह को आसमान से देखने पर एक घूमते हुए चक्र के समान सैन्य रचना दिखाई देती है। इस चक्रव्यूह को देखने पर इसमें अंदर जाने का रास्ता तो नजर आता है, लेकिन बाहर निकलने का रास्ता नजर नहीं आता। आपने स्पाइरल देखा होगा बस उसी तरह का यह होता है। महाभारत में इस व्यूह की रचना गुरु द्रोण ने की थी।

चक्रशकट व्यूह : महाभारत युद्ध में अभिमन्यु की निर्मम हत्या के बाद अर्जुन ने शपथ ली थी कि जयद्रथ को कल सूर्यास्त के पूर्व मार दूंगा। तब गुरु द्रोणाचार्य ने जयद्रथ को बचाने के लिए इस व्यूह की रचना की थीं। लेकिन भगवान श्रीकृष्ण की चतुराई से जयद्रथ उस व्यूह से निकलकर बाहर आ गया और मारा गया।

वज्र व्यूह : वज्र एक तरह का हथियार होता है। ये दो प्रकार का होता था- कुलिश और अशानि। इसके ऊपर के तीन भाग तिरछे-टेढ़े बने होते हैं। बीच का हिस्सा पतला होता है। पर यह बड़ा वजनदार होता है। इसका आकार देखने में इन्द्रदेव के वज्र जैसा होता है। महाभारत में इस व्यूह की रचना अर्जुन ने की थी।

औरमी व्यूह : पांडवों के व्रज व्यूह के प्रत्युत्तर में भीष्म ने औरमी व्यूह की रचना की थी। इस व्यूह में पूरी सेना समुद्र के समान सजाई जाती थी। जिस प्रकार समुद्र में लहरें दिखाई देती हैं, ठीक उसी आकार में कौरव सेना ने पांडवों पर आक्रमण किया था।

श्रीन्गातका व्यूह : कौरवों के औरमी व्यूह के प्रत्युत्त में अर्जुन ने श्रीन्गातका व्यूह की रचना की थी। ये व्यूह एक भवन के समान दिखाई देता था। संभवतः इसे ही तीन शिखरों वाला व्यूह कहते होंगे।.इसके अलावा सर्वतोभद्र और सुपर्ण व्यूह का उल्लेख भी मिलता है।

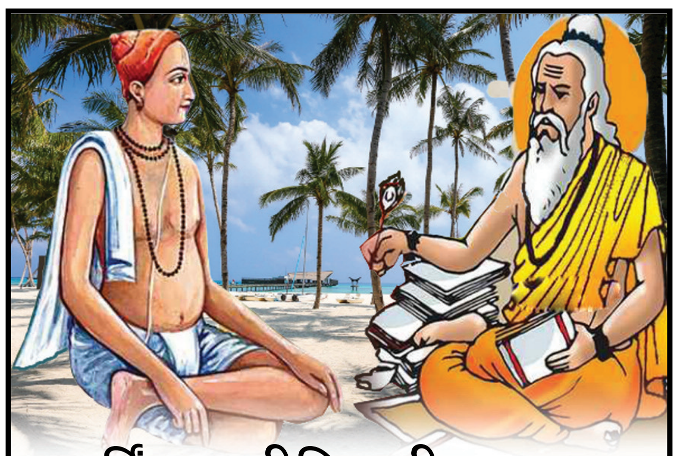

महर्षि वाल्मीकि की रामायण और गोस्वामी तुलसीदास की रामचरितमानस के उत्तर कांड में फर्क क्यूं?

रामायण या रामचरित मानस के उत्तर कंाड के संबंध में बहुत लोगों को इस बात का संशय है कि इसमें घटनाओं का वर्णन वैसा नहीं है जैसा कि शोधकर्ता मानते हैं। रामायण और रामचरित मानस दोनों ही का उत्तर कंाड बहुत ही भिन्न है। ऐसा क्यों? यह शोध का विषय हो सकता है। रामानंद सागर द्वारा उत्तर कंाड के नाम से उत्तर रामायण नाम का सीरियल बनाया गया है। आओ जानते हैं दोनों ही रामायण के काण्ड का फर्क।

वाल्मीकि कृत रामायण का उत्तर कांड

उत्तरकाण्ड में राम के राज्याभिषेक के अनन्तर कौशिकादि महर्षियों का आगमन, महर्षियों के द्वारा राम को रावण के पितामह, पिता तथा रावण का जन्मादि वृत्तान्त सुनाना, सुमाली तथा माल्यवान के वृत्तान्त, रावण, कुम्भकर्ण, विभीषण आदि का जन्म-वर्णन, रावणादि सभी भाइयों को ब्रह्मा से वरदान-प्राप्ति, रावण-पराक्रम-वर्णन के प्रसंग में कुबेरादि देवताओं का घर्षण, रावण सम्बन्धित अनेक कथाएँ, सीता के पूर्वजन्म रूप वेदवती का वृत्तान्त, वेदवती का रावण को शाप, सहस्त्रबाहु अर्जुन के द्वारा नर्मदा अवरोध तथा रावण का बन्धन, रावण का बालि से युद्ध और बालि की कंाख में रावण का बन्धन, सीता-परित्याग, सीता का वाल्मीकि आश्रम में निवास, निमि, नहुष, ययाति के चरित, शत्रुघ्न द्वारा लवणासुर वध, शंबूक वध तथा ब्राह्मण पुत्र को जीवन प्राप्ति, भार्गव चरित, वृत्रासुर वध प्रसंग, किंपुरुषोत्पत्ति कथा, राम का अश्वमेध यज्ञ, वाल्मीकि के साथ राम के पुत्र लव कुश का रामायण गाते हुए अश्वमेध यज्ञ में प्रवेश, राम की आज्ञा से वाल्मीकि के साथ आयी सीता का राम से मिलन, सीता का रसातल में प्रवेश, भरत, लक्ष्मण तथा शत्रुघ्न के पुत्रों का पराक्रम वर्णन, दुर्वासा-राम संवाद, राम का सशरीर स्वर्गगमन, राम के भ्राताओं का स्वर्गगमन, तथा देवताओं का राम का पूजन विशेष आदि वर्णित है।

तुलसीदास गोस्वामी कृत रामचरितमानस का उत्तर कांड

इसमें मंगलाचरण, भरत विरह तथा भरत-हनुमान मिलन, अयोध्या में आनंद, श्री रामजी का स्वागत, भरत मिलाप, सबका मिलनानन्द, राम राज्याभिषेक, वेदस्तुति, शिवस्तुति, वानरों की और निषाद की विदाई, रामराज्य का वर्णन, पुत्रोत्पति, अयोध्याजी की रमणीयता, सनकादिका आगमन और संवाद, हनुमानजी के द्वारा भरतजी का प्रश्न और श्री रामजी का उपदेश, श्री रामजी का प्रजा को उपदेश (श्री रामगीता), पुरवासियों की कृतज्ञता, श्री राम-वशिष्ठ संवाद, श्री रामजी का भाइयों सहित अमराई में जाना, नारदजी का आना और स्तुति करके ब्रह्मलोक को लौट जाना, शिव-पार्वती संवाद, गरुड़ मोह, गरुड़जी का काकभुशुण्डि से रामकथा और राम महिमा सुनना, काकभुशुण्डि का अपनी पूर्व जन्म कथा और कलि महिमा कहना, गुरुजी का अपमान एवं शिवजी के शाप की बात सुनना, रुद्राष्टक, गुरुजी का शिवजी से अपराध क्षमापन, शापानुग्रह और काकभुशुण्डि की आगे की कथा, काकभुशुण्डिजी का लोमशजी के पास जाना और शाप तथा अनुग्रह पाना, ज्ञान-भक्ति-निरुपण, ज्ञान-दीपक और भक्ति की महान महिमा, गरुड़जी के सात प्रश्न तथा काकभुशुण्डि के उत्तर, भजन महिमा, रामायण माहात्म्य, तुलसी विनय और फलस्तुति और रामायणजी की आरती का वर्णन मिलता है। वाल्मीकि कृत उत्तर कंाड में राम के रावण वध की आगे की गाथा का वर्णन है, जिसमें राम का राज्याभिषेक, सीता परित्याग, वाल्मीकि आश्रम में लव और कुश का जन्म, बचपन और सीता का जीवन। शत्रुघ्न द्वारा लवणासुर का वध और इसके अलावा पूर्व के ऋषि मुनियों और राजाओं की गाथा का वर्णन मिलेगा। दूसरी ओर गोस्वामी तुलसीदास कृत रामचरित मानस में शिव और पार्वती का रामकथा के संबंध में संवाद, काकभुशुण्डि और गरुढ़ संवाद सहित ज्ञान और उपदेश की बातें ही ज्यादा हैं। इसमें सीता परित्याग और लव एवं कुश के बारे में उल्लेख नहीं मिलता है। विद्वान लोग मानते हैं कि ऋषि वाल्मीकि राम के समकालीन थे और गोस्वामी तुलसीदास राम के भक्त थे। यदि प्रमाण की बात सामने आए तो वाल्मीकि रामायण को ही प्रमाण मानना चाहिए, क्योंकि वही सही रामायण है। गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरित मानस को लिखने के पूर्व वाल्मीकि कृत रामायण सहित दक्षिण भारत की रामायण को भी पढ़ा था। अतः उन्होंने सभी को पढ़कर लिखा जबकि वाल्मीकि ने राम के जीवन को देखकर रामायण को लिखा था।

अश्वमेध यज्ञ क्या होता है, खास बातें

अश्वमेध यज्ञ को कुछ विद्वान एक राजनीतिक और कुछ विद्वान इसे आध्यात्मिक प्रयोग मानते हैं। कहा जाता है कि इसे वही सम्राट कर सकता था, जिसका अधिपत्य अन्य सभी नरेश मानते थे। कालांतर में यह यज्ञ जो नरेश जिस समाज से संबंध रखता था उस समाज की रीति के अनुसार करता था। इसके कारण इस यज्ञ को करने में कई बुरी परंपराएं भी जुड़ गई। वैदिक रीति से किया गया यज्ञ ही धर्मसम्मत माना गया है। यज्ञ का प्रारम्भ बसन्त अथवा ग्रीष्म में होता था तथा इसके पूर्व प्रारम्भिक अनुष्ठानों में प्रायः एक वर्ष का समय लगता था। इस बीच नगर में कई सांस्कृतिक कार्यक्रम और उत्सव होते थे। यज्ञ करने के बाद अश्व को स्वतन्त्र विचरण करने के लिए छोड़ दिया जाता था। जिसके पीछे यज्ञकर्ता राजा की सेना होती थी। जब यह अश्व दिग्विजय यात्रा पर जाता था तो स्थानीय लोग इसके पुनरागमन की प्रतिक्षा करते थे। इस अश्व के चुराने या इसे रोकने वाले नरेश से युद्ध होता था। यदि यह अश्व खो जाता तो दूसरे अश्व से यह क्रिया पुनः आरम्भ की जाती थी। कहते हैं कि अश्वमेध यज्ञ ब्रह्म हत्या आदि पापक्षय, स्वर्ग प्राप्ति एवं मोक्ष प्राप्ति के लिए भी किया जाता था। कुछ विद्वान मानते हैं कि अश्वमेध यज्ञ एक आध्यात्मिक यज्ञ है जिसका संबंध गायत्री मंत्र से जुड़ा हुआ है। श्रीराम शर्मा आचार्य कहते हैं कि 'अश्व' समाज में बड़े पैमाने पर बुराइयों का प्रतीक है और 'मेधा' सभी बुराइयों और अपनी जड़ों से दोष के उन्मूलन का संकेत है। जहां भी इन अश्वमेध यज्ञ का प्रदर्शन किया गया है, उन क्षेत्रों में अपराधों और आक्रामकता की दर में कमी का अनुभव किया है। अश्वमेध यज्ञ पारिस्थितिकी संतुलन के लिए और आध्यात्मिक वातावरण की शुद्धि के लिए गायत्री मंत्र से जुड़ा है। गुप्त साम्राज्य के पतन के बाद अश्वमेध प्रायः बन्द ही हो गया।

क्या कर्ण के वैवस्वत मनु यमराज और शनिदेव भाई थे?

हिन्दू पुराण और महाभारत में कई रहस्य छिपे हुए हैं। उन्हें जानना और समझने बहुत ही कठिन है। पुराणों के जानकार मानते हैं कि वैवस्वत मनु, यमराज और शनिदेव और महाभारत के कर्ण भाई भाई थे।

वैवस्वत मनु और यमराज

विश्वकर्मा की पुत्री संज्ञा विवस्वान् अर्थात सूर्य की पत्नी हुई। उसके गर्भ से सूर्य ने तीन संतानें उत्पन्न की। जिनमें एक कन्या और दो पुत्र थे। सबसे पहले प्रजापति श्राद्धदेव, जिन्हें वैवस्वत मनु कहते हैं, उत्पन्न हुए। तत्पश्चात यम और यमुना- ये जुड़वीं संतानें हुईं।

शनिदेव

भगवान सूर्य की तूसरी पत्नी छाया थीं। छाया को संज्ञा की छाया ही माना जाता था। छाया से ही शनिदेव का जन्म हुआ था।

कर्ण : सूर्य पुत्र कर्ण को महाभारत का एक महत्वपूर्ण योद्धा माना जाता है। कर्ण के धर्मपिता तो पांडु थे, लेकिन पालक पिता अधिरथ और पालक माता राधा थी। राजा शूरसेन की पुत्री कुंती अपने महल में आए महात्माओं की सेवा करती थी। एक बार वहां ऋषि दुर्वासा भी पधारे। कुंती की सेवा से प्रसन्न होकर दुर्वासा ने कहा, 'पुत्री! मैं तुम्हारी सेवा से अत्यंत प्रसन्न हुआ हूं अतः तुझे एक ऐसा मंत्र देता हूं जिसके प्रयोग से तू जिस देवता का स्मरण करेगी वह तत्काल तेरे समक्ष प्रकट होकर तेरी मनोकामना पूर्ण करेगा।' इस तरह कुंती को वह मंत्र मिल गया। एक दिन कुंती के मन में आया कि क्यों न इस मंत्र की जांच कर ली जाए। कहीं यह यूं ही तो नहीं? तब उन्होंने एकांत में बैठकर उस मंत्र का जाप करते हुए सूर्यदेव का स्मरण किया। उसी क्षण सूर्यदेव प्रकट हो गए। कुंती हैरान-परेशान अब क्या करें?

सूर्यदेव ने कहा, 'देवी! मुझे बताओ कि तुम मुझसे किस वस्तु की अभिलाषा करती हो। मैं तुम्हारी अभिलाषा अवश्य पूर्ण करूंगा।' इस पर कुंती ने कहा, 'हे देव! मुझे आपसे किसी भी प्रकार की अभिलाषा नहीं है। मैंने मंत्र की सत्यता परखने के लिए जाप किया था।' कुंती के इन वचनों को सुनकर सूर्यदेव बोले, 'हे कुंती! मेरा आना व्यर्थ नहीं जा सकता। मैं तुम्हें एक अत्यंत पराक्रमी तथा दानशील पुत्र देता हूं।' इतना कहकर सूर्यदेव अंतर्ध्यान हो गए।

कर्ण के अन्य भाई

कुंति पुत्र कर्ण एक महान योद्ध था जो कौरवों की ओर से लड़ा था। कुंती श्रीकृष्ण के पिता वसुदेव की बहन और भगवान कृष्ण की बुआ थीं। कुंति का पुत्र होने के कारण कर्ण भगवान श्री कृष्ण का भाई था। इसके अलावा पांचों पांडव भी कर्ण के भाई ही थे।

P-7:28 paga09_jhn.qxd 11/16/2025 9:42 PM Page 1

आतंकी उमर ने घर में बना रखी थी बम बनाने की प्रयोगशाला

– पाकिस्तान के हैंडलर वीडियो भेजकर देते थे ट्रेनिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कार धमाके और आतंकी उमर को लेकर लगातार खुलासे हो रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि धमाका करने वाले आतंकी ने अपने किराए के मकान में ही बम बनाने की प्रयोगशाला तैयार की थी। वहीं पाकिस्तान के हैंडलर उसे ट्रेनिंग देते थे। सूत्रों का कहना है कि उसने कार में आईईडी रखी थी जो कि ठीक से असेंबल नहीं थी। यह आईईडी उसने अपने घर पर ही तैयार की थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उमर के मकान में छापेमारी के दौरान बम की फैक्ट्री पाई गई है जिसमें कई टेस्टिंग उपकरण भी मौजूद थे। फरीदाबाद से डॉ. मुजम्मिल की गिरफ्तारी के बाद उमर की लैब के बारे में पता चला था। एक रिपोर्ट में कहा गया था कि डॉ, मुजम्मिल और डॉ.

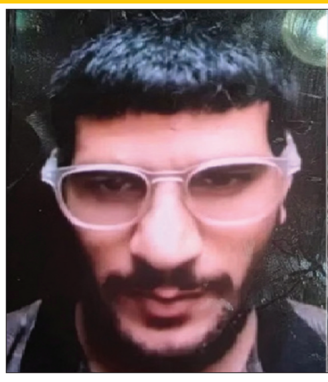

अदील पाकिस्तान में बैठे जैश के हैंडलर फैसल, हाशिम और उकाशा के साथ सीधे संपर्क में थे। वे टेलिग्राम के जरिए बात करते थे।

एजेंसियों का मानना है कि डॉ. उमर बम बनाने में एक्सपर्ट था, इसीलिए उसने अपने ही घर पर लैब बना रखी थी। पाकिस्तान से उसे वीडियो भेजे जाते थे। हैंडलर्स के निर्देश के मुताबिक ही केमिकल का इस्तेमाल करता था। जांच में फरीदाबाद में दो जगहों से 358 किलोग्राम और 2563 किलो विस्फोटक बरामद हुआ था।

यह विस्फोटक सूटकेस और बैग में पैक था। इसमें कोई भी धातु का टुकड़ा नहीं था। आम तौर पर आतंकी बम में लोहे के छर्रों का इस्तेमाल करते हैं जिससे घायल होने वालों की तादाद बढ़ जाती है। एजेंसियों का कहना है कि शनिवार को नौगाम के थाने में हुआ विस्फोट भी फरीदाबाद मॉड्यूल से जुड़ा था। फरीदाबाद से बरामद किया गया विस्फोटक नौगाम थाने में जांच के लिए रखा था। डीजीपी ने बताया था कि सैंपलिंग के दौरान ही इसमें धमाका हुआ था।

उमर फरार होने में कैसे कामयाब हो गया? एजेंसी पनाह देने वालों से कर रही पूछताछ

फरीदाबाद (एजेंसी)। 10 नवंबर को दिल्ली के लाल किले के पास आतंकी घटना को अंजाम दिया गया था, जिसमें 13 लोगों की जान चली गई और कई लोग अस्पताल में जिंदगी और मौत से लड़ रहे थे। इस घटना के तार फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े मिले। कुछ घंटों पहले ही जम्मू कश्मीर पुलिस ने फरीदाबाद से भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किया था। पुलिस की जांच में सामने आया कि लाल किले के सामने कार धमाका करने वाला उमर, डॉक्टर मुजम्मिल का करीबी था, जिसे पुलिस ने पहले ही हिरासत में लिया था लेकिन सवाल यह है कि बाकी संदिग्धों के साथ उमर क्यों नहीं पकड़ा गया और वह फरार होने में कैसे कामयाब हो गया?

दरअसल 30 अक्टूबर को जम्मू कश्मीर पुलिस ने डॉक्टर मुजम्मिल को हिरासत में लिया था। उमर को तभी खतरे का आभास हो गया और वह यूनिवर्सिटी छोड़कर भाग गया। उमर और मुजम्मिल पिछले दो साल से देश में किसी बड़ी आतंकी घटना की साजिश रच रहे थे। अल-फलाह विश्वविद्यालय के ही एक इलेक्ट्रिशियन ने उसे हिदायत कॉलोनी में किराए पर घर दिलवाया था। पुलिस ने घर के मालिक को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की है।

उमर और मुजम्मिल अपने मॉड्यूल को चलाने के लिए हवाला के जरिए पैसे भी ट्रांसफर करते थे। पुलिस उस हवाला नेटवर्क की तलाश कर रही है। दो हवाला ऑपरेटर्स की जांच भी जारी है। इसी कड़ी में पुलिस ने फरीदाबाद, नूंह समेत कई जगहों पर छापेमारी की है। यूनिवर्सिटी पर जांच एजेंसियों की पैनी नजर है। परिसर में पुलिस तैनात है। यूनिवर्सिटी में जाने-आने वाले लोगों की कड़ी निगरानी की जा रही है।

देर रात मिली दो ट्रेनों में बम रखे होने सूचना, यात्रियों में मचा हड़कंप

-एक ट्रेन को अलीगढ़ तो दूसरी को इटावा में रोक कर किया चेक, अफवाह निकली

इटावा (एजेंसी)। दिल्ली ब्लास्ट के बाद बम की सूचना ने रेलवे और पुलिस प्रशासन की नींद उड़ा दी। दो ट्रेनों में बम की सूचना मिली थी। इससे यात्रियों में हड़कंप मच गया। दोनों ट्रेनों को रोककर जांच की गई। शनिवार-रविवार की दरमियानी रात पुलिस महकमे में उस समय अफरा तफरी मच गई जब इटावा जंक्शन पर दिल्ली से आने वाली दो ट्रेनों स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस व शिवगंगा काशी एक्सप्रेस में बम रख होने की सूचना मिली तुरंत चेकिंग के निर्देश दिए गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस को अलीगढ़ में चैक किया। शिवगंगा ट्रेन को इटावा में चैक किया गया। एसएसपी पुलिस बल के साथ स्टेशन पर पहुंचे और चैकिंग की। हालांकि चेकिंग में कुछ नहीं मिला। यह खबर झूठी निकली। कुछ देर बाद ट्रेन को रवाना किया गया।

सोनभद्र में खदान धंसने से बड़ा हादसा : 1 की मौत, 15 के दबे होने की आशंका

सोनभद्र (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में शनिवार शाम बड़ा हादसा हो गया, जब ओबरा थाना क्षेत्र के बिल्ली मरकुंडी खनन इलाके में पत्थर की खदान धंस गई। हादसे में अब तक एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि करीब 15 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंच गईं और रातभर से राहत-बचाव कार्य जारी है। भारी मलबे को हटाने के लिए बड़ी मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि जैसे-जैसे मलबा हटेगा, फंसे लोगों तक पहुंचने की उम्मीद बढ़ेगी। घटनास्थल के आसपास के गांवों में दहशत और बेचैनी का माहौल है।

माकपा ने तमिलनाडु में गणना फॉर्म समय सीमा बढ़ाने की मांग की

नई दिल्ली (एजेंसी)। माकपा ने आरोप लगाया कि 2002 से संबंधित मतदाता सूची में परिवार के सदस्यों के नाम ऑनलाइन ढूंढना बेहद कठिन है। पार्टी ने निर्वाचन आयोग से आग्रह किया है कि गणना फॉर्म जमा करने की समय सीमा 4 दिसंबर तक बढ़ाई जाए। निर्वाचन आयोग ने दावा किया था कि 13 नवंबर तक लगभग 80 प्रतिशत मतदाताओं को फॉर्म वितरित किए जा चुके हैं। माकपा ने इस दावे पर संदेह जताते हुए सभी लोगों तक फॉर्म का उचित वितरण सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों के हस्तक्षेप की मांग की है। माकपा के राज्य सचिव पी. षणमुगम ने कहा कि बीएलओ अक्सर फॉर्म के दायरे और भरने के मुख्य बिंदुओं को समझाने में कठिनाई महसूस करते हैं। इसलिए निरक्षर मतदाता फॉर्म भरने में मुश्किलों का सामना करते हैं और उन्हें समय सीमा बढ़ाने की जरूरत है।

सुकमा में नक्सलियों के साथ मुठभेड़, तीन की मौत

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के भेज्जी और चिंतागुफा थाना क्षेत्रों में रविवार सुबह जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) की टीम ने नक्सल विरोधी अभियान चलाया। माओवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई। पुलिस अधीक्षक के अनुसार, मुठभेड़ में अब तक तीन नक्सली मारे गए हैं। अभियान अभी भी जारी है। इस साल छत्तीसगढ़ में अब तक कुल 262 नक्सली मारे जा चुके हैं। इनमें से 233 बस्तर संभाग (सुकमा सहित सात जिले) में, 27 गरियाबंद जिले (रायपुर संभाग) में और दो दुर्ग संभाग के मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में मारे गए। सुरक्षाबलों की यह कार्रवाई राज्य में नक्सली गतिविधियों को कम करने के प्रयासों का हिस्सा मानी जा रही है।

ट्रेन में बुजुर्ग दंपति के बैग से 50 लाख के गहने चोरी, 4 सदस्यीय गैंग गिरफ्तार

कोझिकोड (एजेंसी)। चेन्नई-मेंगलुरु ट्रेन में यात्रा कर रहे एक बुजुर्ग दंपति के बैग से करीब 50 लाख रुपये के सोने और हीरे के गहने चोरी करने वाले चार आरोपियों को रेलवे पुलिस ने गिरफ्त में ले लिया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी हरियाणा के रहने वाले हैं और एक अंतरराज्यीय चोर गिरोह का हिस्सा हैं। चोरी को लेकर दंपति ने मीडिया को बताया कि यात्रा के दौरान दो हिंदी भाषी युवकों ने बैग ऊपर रखने में उनकी मदद की थी। कोयिलांडी स्टेशन पहुंचने पर उन्हें गहने गायब मिले। शिकायत के बाद पुलिस ने रिजर्वेशन चार्ट, सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल नंबरों की लोकेशन के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। सुराग मिलने पर पुलिस ने केरल-कर्नाटक बॉर्डर के पास चारों आरोपियों को पकड़ा और चोरी किए गए सभी गहने बरामद कर लिए। जांच में सामने आया कि यह गिरोह एसी कोच में टिकट बुक कर अमीर यात्रियों को निशाना बनाता था। पुलिस ने बरामद गहने दंपति को लौटाने की तैयारी कर ली है। आरोपियों को अदालत में पेश किया जाएगा।

18 तक महिलाएं कराएं ई-केवाईसी, तभी मिलेगा लड़की बहिन योजना का लाभ

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने महिला कल्याण की प्रमुख योजना मुख्यमंत्री माझी लड़की बहिन योजना के लाभार्थियों से कहा है कि वे अपनी ई-केवाईसी प्रक्रिया 18 नवंबर तक पूरी कर लें। सरकार इस सत्यापन को जरूरी कर रही है ताकि असली और पात्र महिलाएं ही इस योजना का लाभ ले सकें। शुरुआती जांच में लाखों संदिग्ध रिकार्ड मिले थे कुछ में पुरुषों का नाम भी था इसलिए यह कदम उठाया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक योजना जून 2024 में शुरू की गई थी। इसके तहत हर एलिजिबल महिला को हर महीने 1500 रुपए सीधे उनके बैंक खाते में डाले जाते हैं। विभाग ने कहा कि भुगतान सिर्फ उन्हीं को जारी होगा जिन्होंने तय समय में ई-केवाईसी पूरा किया होगा। अक्टूबर तक करीब 90 फीसदी रजिस्टर्ड महिलाओं ने ई-केवाईसी पूरी कर ली थी, ऐसा बताया गया है। सरकार ने ई-केवाईसी अनिवार्य इसलिए किया है ताकि फर्जी या गलत रिकॉर्ड हटाए जा सकें और सरकारी राशि सही लाभार्थियों तक पहुंचे जिन महिलाएं अभी तक वेरिफिकेशन नहीं कराया है, उन्हें सरकार की तरफ से दी गई नई अंतिम तिथि का ध्यान रखना होगा, वरना उन्हें लाभ बंद होने का खतरा है।

लाल क़िला मेट्रो स्टेशन के सभी गेट फिर से खुले, सामान्य हुई आवाजाही

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने जानकारी दी है, कि सुरक्षा समीक्षा पूरी होने के बाद लाल क़िला मेट्रो स्टेशन के सभी गेट यात्रियों के लिए खोल दिए गए हैं। स्टेशन पर अब सामान्य संचालन बहाल हो गया है।

इससे पहले शनिवार को डीएमआरसी ने चरणबद्ध तरीके से गेट नंबर दो और तीन को खोला था, जबकि शेष गेट सुरक्षा एजेंसियों की अनुमति मिलने तक बंद थे। यात्रियों की बढ़ती आवाजाही और जांच पूरी होने के बाद अब सभी एंट्री और एग्जिट पॉइंट खोल दिए गए हैं, जिससे स्टेशन पर भीड़ प्रबंधन में भी राहत मिली है। उल्लेखनीय है कि सोमवार, 10 नवंबर की शाम लाल क़िला मेट्रो स्टेशन के पास एक कार में विस्फोट हुआ था। केंद्र सरकार ने इस घटना को 'आतंकवादी हमला' करार दिया था। धमाके में कम से कम 12 लोगों की मौत हुई, जबकि कई अन्य घायल हुए थे। घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा कड़ी कर दी गई थी और एहतियातन लाल क़िला मेट्रो स्टेशन को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। बीते दिनों एनआईए और दिल्ली पुलिस की टीमों ने घटनास्थल व आसपास के इलाके की गहन तलाशी ली। जांच में प्रगति होने और सुरक्षा स्थिति सामान्य होने के बाद स्टेशन को दोबारा खोलने का निर्णय लिया गया। मेट्रो अधिकारियों ने यात्रियों से अपील की है कि वे स्टेशन पर सुरक्षा जांच में सहयोग करें और किसी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत अधिकारियों को दें। इसके साथ ही डीएमआरसी ने आश्वासन दिया है कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और सभी आवश्यक कदम लगातार उठाए जा रहे हैं।

बिहार में वोट कटवा पार्टी बनी जनसुराज, महागठबंधन को पहुंचाया नुकसान

-ओवैसी की पार्टी ने किया अच्छा प्रदर्शन, तो बसपा ने भी खोला खाता

नई दिल्ली(एजेंसी)। पटना,(ईएमएस)। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को प्रचंड जीत हासिल हुई है। सत्ताधारी गठबंधन को 202 सीटें मिलीं, जबकि महागठबंधन सिर्फ 35 सीटें ही हासिल कर सका। दोनों खेमों के लिए यह नतीजा चौंकाने वाला रहा। कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि यह रिजल्ट हम सबके लिए अविश्वसनीय है। न सिर्फ कांग्रेस, बल्कि बिहार की जनता और हमारे गठबंधन सहयोगी भी इस पर विश्वास नहीं कर पा रहे हैं। किसी पार्टी का 90फीसदी स्ट्राइक रेट हो, ऐसा कभी नहीं हुआ। हम पूरे बिहार से डेटा इकट्ठा कर रहे हैं और गहन विश्लेषण करेंगे।

राजनीतिक रणनीतिकार से राजनेता बने प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी पहली बार मैदान में उतरी। भले ही पार्टी एक भी सीट नही जीत सकी, लेकिन 3.4 फीसदी वोट हासिल किए हैं। जन सुराज का खाता तो नहीं खुला, लेकिन दोनों गठबंधनों के लिए वोट कटवा साबित हुई। पीके की पार्टी ने जिन 238 सीटों

पर चुनाव लड़ा, वहां एक सीट पर दूसरे स्थान पर रही। 129 पर तीसरे, 73 पर चौथे, 24 पर पांचवें और 12 पर छठे से नौवें स्थान के बीच रही। इस तरह पार्टी ने दोनों एनडीए और एमजीबी को नुकसान पहुंचाया। 33 विधानसभाओं में जन सुराज का वोट शेयर जीत के अंतर से ज्यादा था। इनमें से 18 पर एनडीए और 13 पर महागठबंधन जीता।

वहीं बहुजन समाज पार्टी ने 181 सीटों पर चुनाव लड़ा। एक सीट जीती और एक पर दूसरे स्थान पर रही। बरसों से इंडिया गठबंधन की पार्टियां बसपा पर बीजेपी की बी-टीम होने का आरोप लगाती रही हैं। यूपी विधानसभा और लोकसभा चुनावों के बाद ये आरोप और तेज हो गए। बिहार के नतीजों से संकेत मिलता है कि मायावती की बसपा ने महागठबंधन को एनडीए से ज्यादा नुकसान पहुंचाया। 20 सीटों पर बसपा ने जीत के अंतर से ज्यादा वोट हासिल किए। इनमें से 18 पर एनडीए और सिर्फ 2 पर एमजीबी जीती। मायावती की मौजूदगी ने 90 फीसदी मामलों में एनडीए के पक्ष में काम किया।

असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम ने बिहार में काफी अच्छा प्रदर्शन किया और 5 सीटें जीतीं। इसने 2020 के प्रदर्शन को बरकरार रखा। एआईएमआईएम एक सीट पर दूसरे स्थान पर भी रही। इसने 9 विधानसभाओं के नतीजों को प्रभावित किया, जहां इसके वोट जीत के अंतर से ज्यादा थे। इनमें से 67फीसदी सीटें एनडीए के पास गईं और 33फीसदी एमजीबी के पास। चुनावी नतीजों से संकेत मिलता है कि तीन-तरफा मुकाबला एनडीए के लिए काफी फायदेमंद साबित हुआ। आरजेडी को 23.4फीसदी वोट मिले लेकिन सिर्फ 25 सीटें हासिल हुईं। बीजेपी ने 20.4फीसदी और जेडीयू 19.6फीसदी वोट शेयर के साथ तीन गुना ज्यादा सीटें हासिल हुईं। इससे पता चलता है कि एनडीए ने अपने वोट बैंक को एकजुट किया जबकि विपक्ष का वोट बिखर गया।

संदिग्ध आतंकी जुबैर हंगरगेकर के मोबाइल में बड़ा राज, पाकिस्तान कनेक्शन का खुलासा

पुणे (एजेंसी)। संदिग्ध आतंकी जुबैर हंगरगेकर की कॉन्टैक्ट लिस्ट में पाकिस्तानी नंबर मिलने की जानकारी सामने आई है। जुबैर हंगरगेकर के मोबाइल की कॉन्टैक्ट लिस्ट में 5 अंतरराष्ट्रीय नंबर मिले हैं। हंगरगेकर के पुराने और इस्तेमाल किए गए हैंडसेट में खाड़ी देशों के नंबर मिले हैं। बताया जा रहा है कि पुराने हैंडसेट में 1 नंबर पाकिस्तान का, 2 नंबर सऊदी अरब के, 1 नंबर ओमान का और 1 नंबर कुवैत का है। देखा गया है कि इस्तेमाल किए गए मोबाइल में ओमान का 1 नंबर और सऊदी अरब के 4 नंबर सेव हैं। इस नंबर के बारे में पूछे जाने पर हंगरगेकर ने पूछताछ के दौरान पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। एक अधिकारी के अनुसार संदिग्ध आतंकी जुबैर हंगरगेकर को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। आपको बता दें कि जुबैर इलियास हंगरगेकर को आतंकवादी संगठन अलकायदा इन इंडियन सबकॉन्टिनेंट (एक्यूआयएस) के समर्थन में जिहाद फैलाने और देश की एकता व सुरक्षा को खतरे में डालने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। मूल रूप से महाराष्ट्र के सोलापुर के रहने वाले हंगरगेकर फिलहाल कल्याणीनगर स्थित एक सॉफ्टवेयर कंपनी में काम करता था। वह शादीशुदा हैं और उसके दो बच्चे हैं। उसका परिवार पुणे के कोंढवा इलाके में रहता है। इस बीच, एटीएस मामले की गहन जाँच कर रही है और यह पता लगा रही है कि क्या हंगरगेकर का अलकायदा सदस्यों से कोई संबंध था, उसके पास यह सामग्री क्यों और किस उद्देश्य से थी। पुलिस उसके दोस्त से भी पूछताछ करेगी और उसके मोबाइल व अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जाँच करेगी। यह भी पता लगाया जा रहा है कि क्या वह किसी अन्य आतंकवादी संगठन के संपर्क में था। ये सभी अंतरराष्ट्रीय नंबर जुबैर हंगरगेकर के लिए महत्वपूर्ण हैं और अनुमान लगाया जा रहा है कि उसका आतंकवादी कनेक्शन सामने आ सकता है। हालाँकि, इस नंबर के बारे में पूछे जाने पर हंगरगेकर ने गोलमोल जवाब दिया है कि उसे नहीं पता कि यह नंबर किसका है या इसका क्या संबंध है।

एटीएस अधिकारियों ने कहा, हंगरगेकर का अल-कायदा सदस्यों से संपर्क था या नहीं और उस संपर्क का उद्देश्य क्या था, इसकी जाँच चल रही है। हम यह भी पता लगा रहे हैं कि उसके पास अल-कायदा की सामग्री क्यों और किस उद्देश्य से थी। उसकी हिरासत में मौजूद उसके दोस्त से पूछताछ की जाएगी और उसके मोबाइल व अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की भी जाँच की जाएगी। यह भी पता लगाया जा रहा है कि क्या वह किसी अन्य आतंकवादी संगठन के संपर्क में आया था। इस बीच, एटीएस ने इस महीने की शुरुआत में शहर के विभिन्न इलाकों में तलाशी अभियान चलाया था। यह अभियान आईएसआईएस के एक पुराने मॉड्यूल की जाँच से जुड़ा था। उस समय संदिग्ध कट्टरपंथी व्यक्तियों पर नज़र रखी जा रही थी। इस अभियान के दौरान 19 लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया था, लेकिन पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। इन छापों के दौरान पुलिस ने इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के साथ कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज़ भी ज़ब्त किए थे।

भारत-नेपाल सीमा से अवैध रुप से प्रवेश कर रहे दो ब्रिटिश नागरिक गिरफ्तार

-दो डॉक्टर हैं और नेपालगंज अपने डॉक्टर मित्र से मिलने आए थे

बहराइच (एजेंसी)। दिल्ली में लाल किले के पास हुए कार धमाके के बाद से पुलिस और जांच एजेंसियां अलर्ट हैं। यूपी के कई शहरों में भी जांच चल रही है। ताबड़तोड़ छापे मारे जा रहे हैं। इस बीच बहराइच में भारत-नेपाल सीमा से भारतीय सीमा में घुसपैठ कर रहे दो ब्रिटिश नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें एक 35 साल का पाकिस्तानी मूल का युवक और दूसरी 61 साल की महिला जो भारतीय मूल (उडुपी कर्नाटक) की ब्रिटिश नागरिक है। दोनों को उसय गिरफ्तार किया गया, जब वह बिना किसी वैध वीजा के भारत में प्रवेश कर रहे थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस और एसएसबी ने दोनों कोर्ट में पेश किया। ऐसा बताया जा रहा कि यह डॉक्टर हैं। यह भी कहा जा रहा है कि वे नेपालगंज में अपने डॉक्टर मित्र से

मिलने आए थे। हालांकि पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है। दोनों की पहचान सुमित्रा ओलिविया (61) पुत्री जान फ्रेडरिक सुमित्रा निवासी मूल रूप से उद्दपी कर्नाटक, ब्रिटिश पासपोर्ट होल्डर और ओसीआई कार्ड होल्डर है। उसका वर्तमान पता 25 हरकॉम्ब ड्राइव, ग्लौकेस्टर यूनाइटेड किंगडम है और हस्सन अम्मान (35) पुत्र मोहम्मद सलीम (पाकिस्तानी मूल) वर्तमान निवासी ए-1 डलमोरटन रोड मैनचेस्टर यूनाइटेड किंगडम के रूप में हुई है। दोनों को वैध दस्तावेजों के अभाव में प्राथमिकी दर्ज कर कोर्ट बहराइच भेज दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक रुपईडीहा थानाध्यक्ष ने बताया कि शनिवार सुबह 10 बजे नेपालगंज से रुपईडीहा आ रहे दोनों को शक के आधार पर पूछताछ की। इन दोनों को रोककर इनके प्रपत्र देखे गए तो पता लगा कि इनके पास भारत प्रवेश के कोई दस्तावेज ही नहीं है। दोनों पर कानून के तहत कार्रवाई की गई है।

आग बुझाते वक्त पानी में बहे सबूत ! दिल्ली धमाके वाली जगह पर मिले प्रतिबंधित कारतूस

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में हुए दिल्ली धमाके की जांच काफी तेजी से चल रही है। अब तक करीब 3 तीन दर्जन आरोपियों को इस मामले में गिरफ्तार किया जा चुका है। इस मामले में एनएसजी ने अपनी सीलबंद रिपोर्ट केंद्रीय गृह मंत्रालय समेत संबंधित जांच एजेंसी को सौंप दी है। सूत्रों का कहना है कि बम में किस-किस विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया और इसके कुछ और इंटरनल पहलुओं की जांच के आधार पर रिपोर्ट तैयार की गई है। जिस पर एजेंसियों ने काम करना शुरू कर दिया है। हालांकि, सूत्रों ने यह भी बताया है कि धमाके के बाद फायर ब्रिगेड ने आग बुझाने के लिए इतना पानी इस्तेमाल किया कि उसमें धमाके के काफी अहम सबूत बह गए। जिससे सैपल जुटाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी।

इधर, मामले की जांच कर रही राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) दिल्ली से लेकर फरीदाबाद और श्रीनगर समेत कई अन्य शहरों में संदिग्धों के ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। अभी तक 50 डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ समेत 150 लोगों से पूछताछ की जा चुकी है। जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा पकड़े गए आठों आरोपियों और बम धमाके में मारे गए डॉक्टर उमर के मोबाइल फोन और लोकेशन के आधार पर इन क्लू की सीक्वेंस मिलाई जा रही है। एनआईए की एक टीम अब आधिकारिक रूप से जम्मू-कश्मीर स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी के साथ गिरफ्तार आठों आरोपियों से पूछताछ में शामिल हो गई है। कुछ कारों में बम प्लांट करने और अन्य जगह पर भी विस्फोटक छिपाए जाने का शक है। फरीदाबाद और जम्मू-कश्मीर ही नहीं बल्कि दिल्ली, लखनऊ और अन्य शहरों के भी कुछ डॉक्टरों के डेटा खंगाले जा रहे हैं। एनआईए ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले में लुधियाना निवासी जनीसुर आलम को गिरफ्तार किया था। जिसके दिल्ली विस्फोट लिंक से संबंध तलाशे जा रहे है।

धमाके वाली जगह पर मिले प्रतिबंधित कारतूस

बारीकी से हो रही जांच में पता चला है कि धमाके वाली जगह पर प्रतिबंधित कारतूस मिले हैं। दिल्ली पुलिस के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, धमाके की जांच के दौरान घटनास्थल पर गहन तलाशी ली गई। इसी तलाशी अभियान के दौरान ये तीन कारतूस बरामद हुए। इन कारतूसों को देखते हुए, यह स्पष्ट है कि ये किसी सामान्य नागरिक के पास नहीं हो सकते। इनकी मौजूदगी सुरक्षा एजेंसियों के लिए चिंता का विषय है और यह सवाल खड़ा करती है कि ये प्रतिबंधित हथियार और कारतूस धमाके वाले स्थान तक कैसे पहुंचे। पुलिस अब इन कारतूसों के स्रोत का पता लगाने के लिए सक्रिय रूप से जांच कर रही है। आशंका है कि इनका संबंध किसी बड़ी साजिश का हिस्सा हो सकता है? कारतूसों की फॉरेंसिक जांच की जा रही है ताकि इनसे जुड़ी कोई भी महत्वपूर्ण जानकारी जुटाई जा सके।

P-7:28 paga09_jhn.qxd 11/16/2025 9:44 PM Page 1

प्रेग्नेंसी में सुपरफूड की तरह काम करता है शरीफा

शिशु का होता है तेज दिमाग

हर कोई चाहता है कि उसका बच्चा तेज दिमाग के साथ स्वस्थ रहे। इसके लिए जरूरी है कि प्रेग्नेंसी के दौरान कुछ खास चीजों खाई जाएं। शरीफा ऐसा ही फल है जो आपके शिशु का मानिसिक और शारीरिक विकास बेहतर करता है। शरीफा विटामिन सी और एंटी-ऑक्सीडेंट्स बढ़ाते हैं इम्युनगर्भ में पल रहे शिशु के लिए अमृत समान होता है। शरीफा पोषक तत्वों का खजाना होता है। खासतौर से अगर इसे प्रेग्नेंसी में खाया जाए तो मां ही नहीं गर्भ में पल रहे शिशु के भी सारे पोषण की जरूर पूरी होती है। हालांकि शरीफा कई गभींर रोगों में भी बहुत फायदेमंद होता है। हाई और लो हाई बीपी, डायबिटीज, ह्रदय रोग के जोखिमों से बचाने के साथ ये इम्युन सिस्टम को भी मजबूत बनाता है, इससे शरीर को रोगों से लड़ने कि अपार शक्ति मिलती है।

विटामिन सी और एंटी-ऑक्सीडेंट्स भरपूर होने के कारण ये एलर्जी और कैंसर के जोखिम से भी बचाता है। ये शरीर को मुक्त कणों या फ्री रेडिकल्स से लड़ने में मदद करता हैं। इसमें बहुत अच्छी मात्रा में पोटैशियम और मैग्नीशियम होता है। शरीफा में विटामिन ए भी होता है जो आंखों के लिए बहुत अच्छा होता है। इतना ही नहीं अपच-गैस आदि में भी इसका सेवन लाभप्रद होता है। इसे किसी भी रूप में खाया जा सकता है। आप चाहें इसका स्मूदी बनाएं या शेक पीएं या साबुत खाएं।

प्रेग्नेंसी में लाभदायक

प्रेग्नेंसी में शरीफा को रोज की डाइट का हिस्सा बना लें। कम से कम तीन शरीफा रोज खाएं। ऐसा करके न केवल आप अपने बच्चे का तेजी से विकास करेंगी बल्कि इससे शिशु का मस्तिष्क और प्रतिरक्षा प्रणाली प्रभावी ढंग से विकसित होगा। इसे रोज खाने गर्भपात के जोखिम भी कम होते हैं और नार्मल डिलेवरी के दौरान पीड़ा भी कम होती है। ये अंदर से शरीर को मजबूत बनाता है।

हार्ट अटैक के खतरे करता है कम

शरीफे में मैग्नीशियम और पोटेशियम की मात्रा बहुत होती है और ये हार्ट अटैक के जोखिमों को रोकने में बहुत मददगार होते हैं। रोज यदि इसका सेवन किया जाए तो इससे मांसपेशियों मजबूत होती हैं और दर्द में भी आराम मिलता है। विटामिन बी 6 होमोसिस्टीन संग्रह को रोकता है, जिससे हृदय रोग जैसा जोखिम कम होतें हैं।

इम्युन होता है मजबूत

रोज तीन शरीफा जरूर खाना चाहिए। इसे खाने से इम्युन जनित रोग होने की संभावना नहीं रहती है, वहीं बीमारियों से रिकवर होने में बहुत मदद मिलती है। इसे खाने से इम्युन सिस्टम बहुत मजबूत होता है जिससे शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता को बढ़ाती है।

सुस्ती और थकान को करता है दूर

शरीफा खाने से न सिर्फ थकान, सुस्ती और कमजोरी दूर होती है मांसपेशियों में होने वाले दर्द से भी ये आराम दिलाता है।

डायबिटीज और ब्लडप्रेशर नियंत्रित करता है

यह टाइप -2 डायबिटीज के जोखिम को कम करने के साथ शरीफा हाई और लो बीपी में भी फायदेमंद होता है, क्योंकि इसमें पोटैशियम और मैग्नीशियम काफी अच्छी मात्रा में होता है जिससे ये दो बीमारियां कंट्रोल में रहती है।
शरीफा को रोज सुबह या दोपहर में खाना ज्यादा श्रेयस्कर होता है। कोशिश करे कि एक साथ दो शरीफा जरूर खाएं।

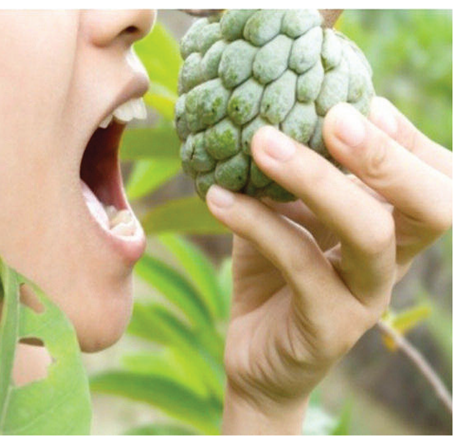

घनी पलकें ही नहीं दमकती, त्वचा के लिए भी फायदेमंद है एलोवेरा जेल

अगर आप अपनी लंबी घनी पलकों के साथ दमकती त्वचा का सपना देखती हैं तो एलोवेरा बिना आपकी जेब ढीली किए आपका ये सपना पूरा कर सकता है। महिलाओं की ऐसी ही सेहत और खूबसूरती से जुड़ी हर छोटी बड़ी परेशानी को ध्यान में रखते हुए वीमेन हेल्थ और केयर पर फोकस करने वाली वेलनेस साइट हेल्थ शॉट्स पर छपी रिपोर्ट के मुताबिक जानते हैं आखिर कैसे एलोवेरा का उपयोग करके आप घर पर पा सकते हैं पार्लर जैसा निखार।

त्वचा का बचाव

एलोवेरा प्राकृतिक रूप से विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। एलोवेरा का नियमित इस्तेमाल त्वचा में कसावट लाने के साथ त्वचा की रंगत भी निखारता है।

कैसे करें इस्तेमाल: चेहरे को धोने के बाद रोजाना एलोवेरा रस को त्वचा पर दो बार लगाएं। आधे घंटे बाद चेहरे को सादे पानी से धो लें।

लंबी पलकों और भौंहों के लिए एलोवेरा

लंबी पलके और घनी भौंहों की चाहत अगर आप भी रखते हैं तो आपका ये सपना एलोवेरा पूरा कर सकता है।

कैसे करें इस्तेमाल: पलकों को घना बनाने के लिए एलोवेरा जेल को रूई या मस्करा लगाने वाली साफ छड़ी का उपयोग करते हुए पलकों और भौंहों पर लगाएं। 15 मिनट बाद इस जेल को भौंहों और पलकों से छुड़ाने के लिए ऐलोवेरा जेल में कुछ बूंदें जैतून के तेल की मिलाकर इस मिश्रण को अपनी पलकों पर लगाकर एक रूई की मदद से धीरे से पोंछ लें।

त्वचा के लिए बेहतरीन मास्क

त्वचा में कसाव लाने के लिए एलोवेरा एक बेहतरीन मास्क है। इस मास्क को बनाने के लिए सबसे पहले एक बड़ा चम्मच बेसन दो चम्मच दही और एक बड़ा चम्मच एलोवेरा जेल अच्छे से मिलाकर चेहरे पर लगा लें। अब 30 मिनट बाद चेहरे को धो लें।

मुहांसों से निजात पाने के लिए एलोवेरा जेल

अगर आप भी अक्सर मुहांसों की समस्या से परेशान रहते हैं तो अब उन्हें अलविदा कहने का समय आ गया है। मुहांसों से निजात पाने के लिए सबसे पहले 40 मिली मिनरल वाटर, तीन चम्मच एलोवेरा जेल और दो बूंद टी ट्री ऑयल लें। अब इन सभी चीजों को एक छोटी सी स्प्रे बोतल में डालकर अच्छे से हिलाते हुए मिला लें। अब चेहरे पर जिस जगह मुहांसे हैं उस जगह पर इसे स्प्रे करके इसे सूखने दें। ऐसा करते समय अपनी आंखों को बचाकर रखें।

रेसिपी

मटर कुलचा

सामग्री

■ 2 कप सूखी मटर ■ बारीक कटी 2 हरी मिर्च ■ 1 कप बारीक कटा प्याज ■ 1 कप बारीक कटा टमाटर ■ एक नींबू का रस ■ 1/2 चम्मच अमचूर पाउडर ■ 2 चम्मच चाट मसाला ■ 3 चुटकी मीठा सोडा पाउडर ■ 1/4 चम्मच हल्दी पाउडर ■ स्वादानुसार नमक ■ आधा कप बारीक कटा हरा धनिया

विधि

मटर को 6 से 7 घंटे पानी में भिगो दें। अब इसे प्रेशर कूकर में पानी डालकर मीठा सोडा पाउडर, हल्दी पाउडर और थोड़ा नमक मिलाकर उबाल लें। कूकर में 3-4 सीटी आने के बाद गैस धीमी कर दें और फिर 2 से 3 सीटी आने के बाद गैस बंद कर दें। कूकर का प्रेशर खत्म होने पर ही उसका ढक्कन खोलें और मटर को एक बड़ी चम्मच से अच्छी तरह चलाकर मैश कर लें। अब इसमें बारीक कटा प्याज, हरी मिर्च, टमाटर, चाट मसाला, अमचूर पाउडर और स्वादानुसार नमक मिलाकर अच्छी तरह मिक्स कर लें। फिर मटर में नींबू का रस मिलाकर 5 मिनट और मध्यम आंच में गैस पर रखकर पकाएं। गैस बंद कर दें, चटपटे मटर तैयार हैं, कुलचे के साथ इसे सर्व करें।

रेसिपी

मॉलिगेटॉनी सूप

सामग्री

■ 2 टीस्पून कुकिंग ऑयल ■ 2.5 कप रेडीमेड वेजिटेबल ब्रोथ ■ ½ कप लाल मसूर की दाल ■ ¼ कप चावल ■ 2 टुकड़ों में कटी गाजर ■ 2 बारीक कटी सेलेरी स्ट्रिक्स ■ 2 बारीक कटे टमाटर ■ 1 बारीक कटा सेब ■ ½ कप बारीक कटा प्याज ■ 1 टीस्पून गार्लिक पेस्ट ■ गार्निशिंग के लिए कुछ भुने हुए करी पत्ते।

विधि

2 टीस्पून कुकिंग ऑयल, 2.5 कप रेडीमेड वेजिटेबल ब्रोथ, ½ कप लाल मसूर की दाल, द कप चावल, 2 टुकड़ों में कटी गाजर, 2 बारीक कटी सेलेरी स्ट्रिक्स, 2 बारीक कटे टमाटर, 1 बारीक कटा सेब, ½ कप बारीक कटा प्याज, 1 टीस्पून गार्लिक पेस्ट, गार्निशिंग के लिए कुछ भुने हुए करी पत्ते।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा शुभ रहेगी। काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। पारिवारिक विवाद टालें। अच्छे समय का इन्तजार करें। शुभांक-1-5-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय व प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। शुभांक-3-4-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। कर्ज लेने से बचें। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-2-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-1-5-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। --कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 3712

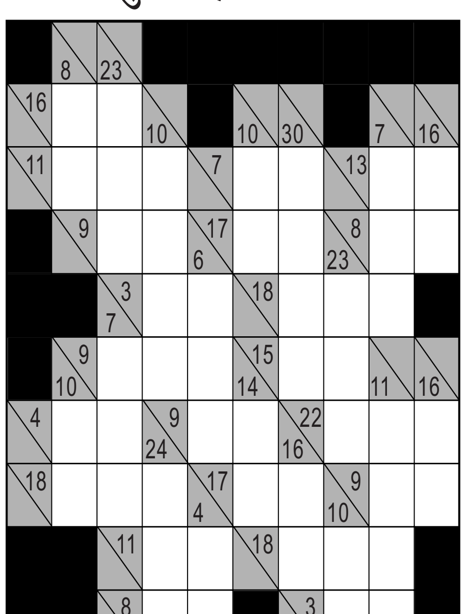

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

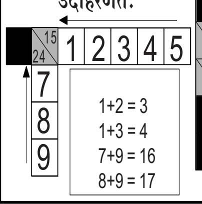

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3711 का हल

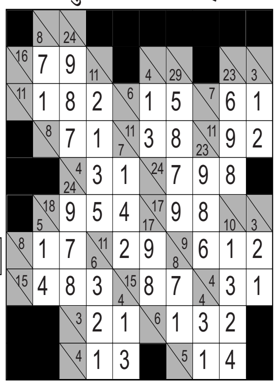

लॉफिंग जोन

दो मित्र आपस में बात कर रहे थे। एक मित्र ने कहा- 'यार, जब मैं सूट पहनकर सब्जी लेने जाता हूँ तो दुकानदार मुझे महँगी सब्जी देता है और जब गंदे कपड़े पहनकर जाता हूँ तो सस्ती देता है।'

दूसरे मित्र ने सुझाव दिया- 'यार तुम कटोरा लेकर जाया करो, मुफ्त में ही दे देगा।'

□ □ □

अपनी पत्नी के चिड़चिड़े और गुस्सैल स्वभाव से परेशान रमन एक बार किसी महात्मा के दर्शन के लिए और महात्मा से पूछा- महाराज, कोई ऐसा उपाय बताइए जिससे मेरी पत्नी हर बात में क्लेश और अपना चिड़चिड़ापन छोड़ दें।

महात्मा ने बड़े इत्मीनान से जवाब दिया- बेटे! अगर इसका उपाय मुझे पता होता तो मैं संन्यास ही क्यों लेता।

□ □ □

पत्नी ने उलाहना देते हुए पति से कहा- 'क्योंजी, आप तो विवाह से पहले कहा करते थे कि तुम्हारी छोटी से छोटी इच्छा पूरी करूँगा।'

पति- 'हाँ, पर अब तक राह देख रहा हूँ कि तुम्हारी कौन-सी इच्छा इतनी छोटी है, जिसे मैं पूरी कर सकूँगा।'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3712

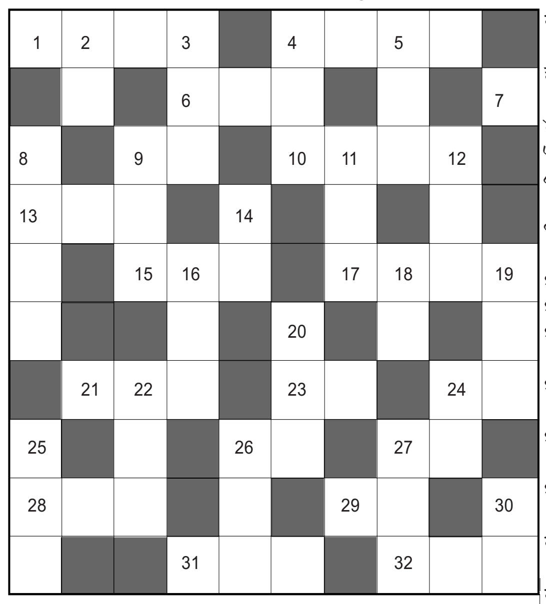

बायें से दायें:-

१. धर्मेन्द्र, राखी की 'पल पल दिल के पास' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'इमली का बूटा' गीत वाली दिलीपकुमार, राजकुमार, विवेक मुशरान, मनीषा की फिल्म-४
६. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की 'नहीं कही थी बात' गीत वाली फिल्म-३
७. 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
९. लक्की अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२
१०. राकेश रोशन, योगिता बाली की 'लो मेरा प्यार लेलो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'तुम्ही रहनुमा हो' गीत वाली अनिल धवन, राधा सलूजा की फिल्म-३
१५. सुनीलदत्त, मीनाकुमारी की 'रंग और नूर की' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेंमा मालिनी की फिल्म-२,२
२१. राजेंद्रकुमार, वैजयंतीमाला की 'हमसे तो अच्छी तेरी' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'कोई देख रहा रहा' गीत वाली सनी देओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२
२४. सुनील शेट्टी, सोमी अली की 'आ जा जाने जां' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'मैं तेरा मजनूं' गीत वाली गोविंदा, सोनाली, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-२
२७.शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'अपने दिल में जगह' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
२९. फरदीनखान, करीना कपूर की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-३
३२. अनिलकपूर, श्रीदेवी, रवीना की 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

२. सनी देओल, सुनील, शिल्पा की 'कोई परी आती नही' गीत वाली फिल्म-२
३. 'ओ नचलै नचलै' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन की फिल्म-३
४. राजेश खन्ना, टीना, पद्मिनी की फिल्म-३
५. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली फिल्म-३
८. संजयदत्त, गोविंदा, दिव्या, ममता की 'दिल तो खोया है' गीत वाली फिल्म-४
९. 'गोरे गोरे मुखड़े पे' गीत वाली अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की फिल्म-३
११. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
१२. 'हाथी मेरे साथी' की नायिका ?-३
१४. 'तुमको कितना है' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना जेटली की फिल्म-२
१६ संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चांदनी रातें प्यार की बातें गीत वाली देवआनंद, गीताबाली की फिल्म-२
१९. शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की 'प्यार करना नहीं आया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'यशोदा का नंदलाला' गीत वाली जयाप्रदा, जीतेंद्र, विनोद की फिल्म-३
२२. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'जो बीच बजरिया' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-२
२५.विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
२६. 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
२७. देवआनंद, हेमा मालिनी की फिल्म-३
३०. 'आज सरे महफिल' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3711

य	स	बॉ	स		ह	मे	शा		स
हू		डे		रॉ	की			खौ	फ
दी	दा	र			क	स	क		र
	मि		की	म	त		री	ना	
सु	नी	ल		र्या		हि	ना		कि
जा		व	ही	दा		म्म		जि	स्म
ता	ल		रे		सौ	त	न		त
	ल	म्हे		सौ	दा		ज	या	
शा	का		जीं		ग		रा		प्या
का	र	तू	स		र	वी	ना		सा

सूडोकु -3712

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3711 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

शब्द पहेली - 3712

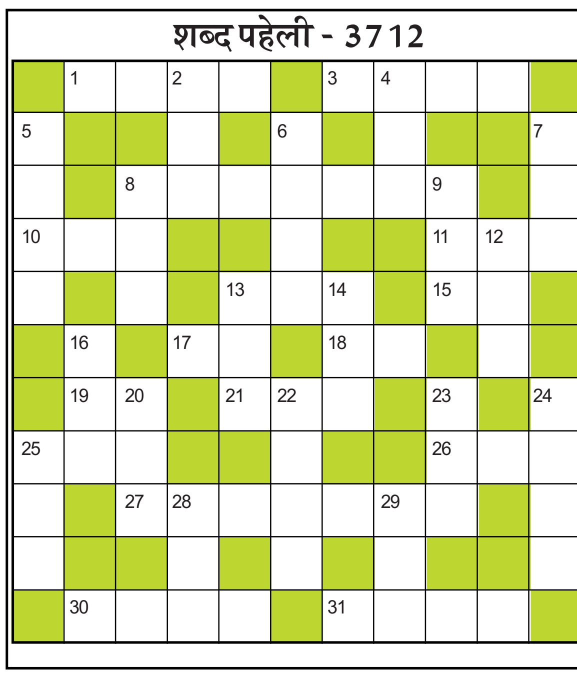

बाएँ से दाएँ

1.नेमत,वर,ईष्टकृपा -4
3.उद्देश्य,ध्येय-4
8.सयाना,चतुर-4,3
10.मनुष्य-3
11.मोल,दाम-3
13.बैठने का स्थान-3
15.दौड़ना (अंग्रेजी-2)
17.पराजित-2
18.वध,कत्ल-2
19.काव्यकार,शायर-2
21.राशिचक्र की दसवीं राशि-3
25.आक्रमण,प्रहार-3
26.पालतू जानवर-3
27.ईश्वर,भगवान-7
30.ईश्वरीय कृपा-4
31.भयभीत होना, डरना-4

ऊपर से नीचे

2.असुर,दैत्य-3
4.गागर,घड़ा-3
5.मन की करना-4
6.प्रार्थना,ईश वंदना-4
7.चरित्र,ईमान-3
8.कार्यविधि-3
9.रेखा,लाईन-3
12.माला का मोती-3
13.राहत,विश्राम-3
14.कैनाल,उपनदी-3
16.नगद राशि-3
20.रुदन -3
22.पक्षियों का शोर-4
23.मध्यांग, कटि-3
24.12 राशियों का समूह-4
25.महल,बड़ा भवन-3
28.सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
29.अदृश्य, जो दिखाई न दे-3

शब्द पहेली -3711का हल

स	ज	दा	क	र	ना		म	त	वा	ला
ह	रा		त		का	म	ना		दा	वा
न		बे	र	ह	म		ना	रा		रि
शी	ल	वा	न		या	द		नी	र	स
ल		प		ख	ब	र	ची		न	
ता	र	न	हा	र		का	न	भ	र	ना
	म		र	ह	ब	र		यं		प
प्र	ण	य		रा	हु		ब	क	वा	स
ति		दा	स		बे	क	रा	र		न्द
का	न		चि	रा	ग		म		क	हो
र	म	जा	न		म	द	द	क	र	ना

P-12:28 paga09_jhn.qxd 11/16/2025 9:45 PM Page 1

संक्षिप्त समाचार

नेपाल में क्रूरता! कुत्ते के 33 पिल्लों पर किया अमानवीय अत्याचार, दो भारतीय गिरफ्तार

काठमांडू, एजेंसी। काठमांडू में दो भारतीय नागरिकों को कुत्तों के 33 बच्चों को अमानवीय परिस्थितियों में एक छोटे पिंजरे में रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। आरोपियों की पहचान बिहार के पटना जिले के आलमगंज निवासी 18 वर्षीय मोहम्मद गुड्डू और 28 वर्षीय मोहम्मद नसाद के रूप में हुई है। नेपाल पुलिस ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि पुलिस की एक टीम ने चौमाटी क्षेत्र में एक किराए के शेड से कुत्ते के बच्चों को बचाया और उन्हें पुनर्वास के लिए एक गैर-सरकारी संगठन (टीम संकल्प नेपाल) को सौंप दिया। पुलिस ने बताया कि कुत्ते के बच्चों को अमानवीय तरीके से एक तंग पिंजरे में बंद पाया गया। दोनों गिरफ्तार लोगों को पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

ट्रंप ने फिर की अपनी प्रशंसा, बोले- मैंने आज एक और युद्ध रोका!

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को दावा किया कि वह अमेरिका की मध्यस्थता से कंबोडिया और थाईलैंड के बीच हुए उस संघर्षविराम समझौते को बनाए रखने में सफल रहे हैं जो टूटने के कगार पर था। ट्रंप ने सप्ताहांत में फ्लोरिडा स्थित अपने मार-ए-लागो एस्टेट के लिए उड़ान भरते समय 'एयरफोर्स वन (अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक विमान) में पत्रकारों से कहा, ''मैंने आज ही एक युद्ध रोका है। उन्होंने कहा कि उनके ये कदम दुनिया भर के देशों पर भारी शुल्क लगाने की उनकी इच्छाशक्ति के कारण संभव हुए हैं। ट्रंप का तर्क है कि उनकी देशों पर शुल्क लगाने की रणनीति के कारण अमेरिका को व्यापार और कूटनीतिक लाभ में बड़ी बढ़त मिलती है। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने कंबोडिया और थाईलैंड के प्रधानमंत्रियों से फोन पर बात की थी, जो अब ''बहुत अच्छा कर रहे हैं। इन दोनों दक्षिण-पूर्व एशियाई पड़ोसी देशों के बीच सीमा को लेकर क्षेत्रीय विवाद के कारण जुलाई के अंत में पांच दिनों तक सशस्त्र संघर्ष चला था जिसमें कई सैनिक और आम नागरिक मारे गए थे। ट्रंप ने धमकी दी थी कि अगर दोनों देशों ने युद्ध नहीं रोका तो उन्हें व्यापार संबंधी विशेषाधिकार नहीं मिलेगा जिससे संघर्ष को अस्थायी रूप से रोकने में मदद मिली। हालांकि, इस सप्ताह संघर्षविराम उस समय टूटने की कगार पर पहुंच गया था जब कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेत ने कहा कि थाईलैंड के साथ लगती उनके देश की सीमा पर गोलीबारी में एक ग्रामीण की मौत हो गई।

जी20 से अमेरिका ने बनाई दूरी, अब खाली कुर्सी के हवाले अध्यक्षता

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने कहा कि अगले सप्ताह होने वाले शिखर सम्मेलन में अमेरिकी नेतृत्व की अनुपस्थिति में दक्षिण अफ्रीका प्रतीकात्मक रूप से जी-20 की अध्यक्षता एक खाली कुर्सी को सौंप देगा। उन्होंने वाशिंगटन के साथ व्यापारिक संबंधों को सुधारने की आवश्यकता पर भी बल दिया।उन्होंने श्वेत दक्षिण अफ्रीकियों को कत्ल किए जाने तथा उनकी भूमि से भगाये जाने के बारे में व्यापक रूप से खारिज किये गए दावों का हवाला दिया था। रामफोसा ने सोवेटो में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा, मैंने पहले भी कहा है कि मैं किसी खाली कुर्सी को अध्यक्षता सौंपना नहीं चाहता। लेकिन खाली कुर्सी तो वहां होगी ही, शायद प्रतीकात्मक रूप से उस खाली कुर्सी को सौंप दूंगा और फिर राष्ट्रपति ट्रंप से बात करूंगा। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने पिछले सप्ताह कहा था कि कोई भी सरकारी अधिकारी 22-23 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग नहीं लेगा, क्योंकि उनके अनुसार वहां मानवाधिकारों का हनन हो रहा है। दक्षिण अफ्रीकी अधिकारियों ने इस बात से इन्कार किया है कि अश्वेत बहुल इस देश में किसी को भी अपनी नस्ल के आधार पर भेदभाव का सामना करना पड़ता है।

कांग्रेस की इंटरनेशनल फजीहत, अमेरिकी सिंगर ने राहुल गांधी पर गाया ऐसा गाना; वीडियो वायरल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी गायिका मैरी मिलबेन ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला किया, क्योंकि भाजपा के नेतृत्व वाले राजग ने बिहार विधानसभा चुनाव में एक बड़ी जीत हासिल की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसक मिलबेन ने एक पोस्ट साझा कर कांग्रेस समर्थकों पर आरोप लगाया कि उन्होंने पहले इंटरनेट मीडिया पर उनके खिलाफ ट्रोलिंग की थी क्योंकि उन्होंने भाजपा का समर्थन किया था।

मिलबेन का पोस्ट : मिलबेन ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, प्रिय राहुल गांधी, कांग्रेस और सभी गांधी गुंडों जिन्होंने मुझे कई हफ्ते पहले एक्स पर ट्रोल किया था और अब मेरे मित्र पीएम नरेन्द्र मोदी और भाजपा बिहार चुनाव में जीत रहे हैं। जबकि कांग्रेस और राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन को बिहार चुनाव में बुरी तरह हार का सामना करना पड़ रहा है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने बिहार चुनाव में जीत का एक नया मील का पत्थर स्थापित किया है। पीएम मोदी का बडा संबोधन बिहार के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 90 सीटों पर बढ़त बनाई हुई है और एक प्रचंड जीत की ओर पार्टी बढ़ रही है। एनडीए की बात करें तो भाजपा और जनता दल यूनाइटेड समेत तमाम सहयोगी पार्टियों का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा। इन नतीजों के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में स्थित भाजपा का मुख्यालय से कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और इस दौरान उनका एक अलग अंदाज दिखा। उन्होंने सबसे पहले गमछा लहराकर जीत का जश्न मनाया और फिर बिहार की जनता को संबोधित करते हुए कहा, लोगों ने गर्दा उड़ा दिया। महागठबंधन पर पीएम मोदी का निशाना पीएम मोदी ने इस दौरान कर्पूरी ठाकुर और जेपी नारायण को नमन भी किया। उन्होंने कहा कि जनता ने जंगलराज वालों के एमवाय फॉर्मूले को नकार दिया। उन्होंने कहा, कुछ लोगों ने तुष्टिकरण वाला एमवाय फॉर्मूला बनाया था। पीएम मोदी ने कहा कि बिहार की जनता ने 2010 के बाद सबसे बड़ा जनादेश दिया है। उन्होंने एनडीए के सभी दलों की ओर से बिहार के लोगों का आभार भी जताया। उन्होंने कहा कि अब साकारात्मक वाला एमवाय फॉर्मूला बना है।

व्हाइट हाउस ने ट्रंप की नई एच-1बी वीजा नीति पर दी सफाई

वाशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस ने एच-1बी वीजा नीति को लेकर कहा कि 1 लाख डॉलर की नई फीस प्रणाली दुरुपयोग रोकने की पहली बड़ी कड़ी है। ट्रंप प्रशासन की एच-1बी वीजा नीति का बचाव करते हुए व्हाइट हाउस के प्रवक्ता टेलर रोजर्स ने आईएएनएस को बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने आव्रजन कानूनों को कड़ा करने और अमेरिकी श्रमिकों को प्राथमिकता देने के लिए आधुनिक इतिहास में किसी भी राष्ट्रपति से अधिक काम किया है। दरअसल, समाचार एजेंसी आईएएनएस के साथ बातचीत करते हुए व्हाइट हाउस के प्रवक्ता ने कहा कि नए एच1-बी वीजा आवेदनों के लिए आवश्यक 100,000 डॉलर का भुगतान प्रणाली दुरुपयोग को रोकने और यह सुनिश्चित करने की दिशा में पहला महत्वपूर्ण कदम है कि अमेरिकी श्रमिकों की जगह अब कम वेतन वाले विदेशी श्रमिक न आएं।

प्रोजेक्ट फायरवॉल : रोजर्स ने एच-1बी वीजा नियमों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों की जांच के लिए हाल ही में शुरू किए गए प्रोजेक्ट फायरवॉल पर भी प्रकाश डाला। श्रम विभाग ने एच1-बी वीजा प्रणाली का दुरुपयोग करने वाली कंपनियों की जांच के लिए एक नई प्रवर्तन पहल के रूप में प्रोजेक्ट फायरवॉल शुरू किया है। रोजर्स ने आगे कहा कि ट्रंप प्रशासन एच1-बी प्रक्रिया में जवाबदेही बहाल करके अमेरिकी श्रमिकों की रक्षा कर रहा है, यह सुनिश्चित करते हुए कि इसका उपयोग केवल विशेष व्यवसायों में उच्चतम कुशल विदेशी श्रमिकों को लाने के लिए किया जाए, न कि कम वेतन वाले श्रमिकों को, जो अमेरिकियों को विस्थापित कर देंगे। व्हाइट हाउस की यह प्रतिक्रिया अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप द्वारा इस कार्यक्रम का बचाव करने के कुछ दिनों बाद आई है, जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या उनका प्रशासन एच-1बी वीज़ा को प्राथमिकता से हटाने की योजना बना रहा है।

अमेरिका बढ़ाएगा सऊदी अरब की ताकत, ट्रंप प्रिंस सलमान को देने जा रहे एफ-35 लड़ाकू विमान

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब और अमेरिका दोनों एक नए रक्षा अध्याय की ओर बढ़ रहे हैं। डोनल्ड ट्रंप, सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के काफी करीबी माने जाते हैं। साल के शुरुआत में सऊदी अरब ने ट्रंप से सीधे एफ-35 खरीदने में दिलचस्पी दिखाई थी। वहीं, शुक्रवार को ट्रंप ने इस बात का संकेत दे दिया कि वह सऊदी अरब को लॉकहीड मार्टिन द्वारा निर्मित एफ-35 स्टील्थ लड़ाकू विमानों की आपूर्ति के लिए एक समझौते पर सहमत होने पर विचार कर रहे हैं। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने एयर फोर्स वन में पत्रकारों से कहा कि सऊदी अरब ढेर सारे विमान खरीदना चाहत है। मैं इस पर विचार कर रहा हूं। उन्होंने मुझे इस पर विचार करने के लिए कहा है। वे 35 विमान खरीदना चाहते हैं - लेकिन सऊदी अरब वास्तव में उससे भी ज्यादा लड़ाकू विमान खरीदना चाहता है। आर्थिक और रक्षा समझौतों पर हस्ताक्षर की उम्मीद बता दें कि प प्रशासन सऊदी अरब के 48 एफ-35 खरीदने के अनुरोध पर विचार कर रहा है अमेरिका द्वारा यह संभावित बिक्री ऐसे समय में हो रही है, जब ट्रंप अगले हफ्ते व्हाइट हाउस में सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की मेजबानी करने की योजना बना रहे हैं, जहां उनके बीच आर्थिक और रक्षा समझौतों पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। ब्राहम समझौते में शामिल होगा सऊदी अरब.. बातचीत के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने पत्रकारों से कहा कि यह मुलाकात से कहीं बढ़कर, हम सऊदी अरब का सम्मान कर रहे हैं। उन्होंने दोहराया कि उन्हें उम्मीद है कि सऊदी अरब जल्द ही अब्राहम समझौते में शामिल होगा जिसने इजराइल और मुस्लिम-बहुल देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाया है। रियाद ने फिलिस्तीनी राज्य के रोडमैप पर सहमति के अभाव में इस तरह के कदम का विरोध किया है।

स्टॉकहोम में बड़ा हादसा: बस स्टॉप पर घुसी बस, 6 लोगों की मौत, कई घायल

स्टॉकहोम, एजेंसी। स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ। शहर के एक व्यस्त इलाके में एक डबल-डेकर बस अचानक नियंत्रण खो बैठी और सीधे बस स्टॉप में घुस गई। पुलिस और राहत एजेंसियों ने बताया कि इस दुर्घटना में कम से कम 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। राहत दल के अनुसार हादसे के समय बस में कोई यात्री मौजूद नहीं था। बस सीधे फुटपाथ और बस स्टॉप की ओर मुड़ गई, जिसके कारण वहां खड़े लोग इसकी चपेट में आ गए। मौके पर भारी मात्रा में मलबा और टूटे हुए हिस्से बिखरे मिले। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है जिससे यह लगे कि यह हमला (अटैक) था। फिलहाल इसे अनैच्छिक हत्या यानी दुर्घटनावश हुई मौत का मामला मानकर जांच की जा रही है। बस चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है, हालांकि पुलिस का कहना है कि ऐसी घटनाओं में यह एक नियमित प्रक्रिया है ताकि चालक से पूछताछ की जा सके। पीड़ितों की पहचान का खुलासा नहीं पुलिस ने यह बताने से इनकार कर दिया कि मृतकों या घायलों में कितने पुरुष, महिलाएं या बच्चे थे। घटना में घायल लोगों का इलाज नजदीकी अस्पतालों में किया जा रहा है। घटना का स्थान –चञ्ज॥ यूनिवर्सिटी के पास हादसा स्टॉकहोम के रॉयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के पास हुआ। यह क्षेत्र आमतौर पर छात्रों और यात्रियों से भरा रहता है। प्रधानमंत्री ने जताया दुख स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन ने एक्स पर लिखा- हम अभी इस हादसे के कारण का पता नहीं लगा पाए हैं, लेकिन मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगों और परिवारों के साथ हैं, जो इस घटना से प्रभावित हुए हैं। घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य जारी पुलिस, फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस की कई टीमें मौके पर पहुंच गईं और क्षतिग्रस्त बस को घेर लिया गया। मलबा हटाने और घायलों को अस्पताल भेजने का काम तुरंत शुरू कर दिया गया है।

पाकिस्तान में संविधान संशोधन की समीक्षा की मांग, वकीलों ने किया जोरदार विरोध

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में जस्टिस अमीरुद्दीन खान ने नवगठित फेडरल कांस्टिट्यूशन कोर्ट (एफसीसी) के पहले मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति आवास पर आयोजित समारोह में राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने उन्हें शपथ दिलाई। राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री की सिफारिश पर गुरुवार रात उनकी नियुक्ति की थी। संविधान के 27 वें संशोधन के जरिये संवैधानिक मामलों की निगरानी और उससे जुड़े मामलों की सुनवाई के लिए यह नई कोर्ट गठित हुई है। सरकार के इस कदम का सुप्रीम कोर्ट में कड़ा विरोध हुआ है और उसके दो वरिष्ठ न्यायाधीशों ने इस्तीफा भी दे दिया है। जरदारी ने 6 न्यायाधीशों के नाम की घोषणा की देश में संविधान संशोधन से बने नए कानून की समीक्षा की मांग उठ रही है। कांस्टिट्यूशन कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश समेत सात न्यायाधीश होंगे। राष्ट्रपति जरदारी ने शुक्रवार को नवगठित कोर्ट के लिए नियुक्त छह न्यायाधीशों के नाम की घोषणा की। जस्टिस सैयद हसन अजहर रिजवी, अमीर फारूक और अली बकार नजफी को सुप्रीम कोर्ट से कांस्टिट्यूशन कोर्ट में स्थानांतरित किया गया है। नियुक्त हुए तीन अन्य न्यायाधीशों के नाम जस्टिस केके आगा, रोजी खान बारेच और अरशद हुसैन शाह हैं। इनमें अवकाश प्राप्त अरशद हुसैन शाह को तब नियुक्त किया गया जब सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश मुसर्रत हिलाली ने नवगठित न्यायालय में कार्य करने से इन्कार कर दिया। पाकिस्तान के वकीलों और राजनीतिक दलों ने 27 वां संविधान संशोधन लागू होने वाले दिन 13 नवंबर को काला दिवस बताया है। कहा, सुप्रीम कोर्ट के दो वरिष्ठ न्यायाधीशों- मंसूर अली शाह और अतहर मिनाल्लाह का इस्तीफा देना दुखद है। सरकार के इस कदम को न्यायपालिका को कमजोर करने की साजिश बताते हुए अपमानजनक बताया गया है। वकीलों ने दी चेतावनी वकीलों और राजनेताओं ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश याह्या अफरीदी से मांग की है कि वह पूर्ण पीठ गठित कर 27 वें संविधान संशोधन की समीक्षा करें जिसमें सुप्रीम कोर्ट के अधिकार कम करने और सेना के अधिकार बढ़ाने वाले कदम उठाए गए हैं। देश के अधिवक्ताओं के संगठन नए कानून के विरोध में आंदोलन करने की चेतावनी पहले ही दे चुके हैं।

नई जंग की आहट! चीन ने दुनिया का सबसे बड़ा जंगी बेड़ा कर लिया तैयार

चुम्बकीय विमान प्रक्षेपण प्रणाली से लैस एक बड़े जंगी जहाज सिचुआन का समुद्री परीक्षण शुरू किया।

बीजिंग, एजेंसी। दुनिया में नई जंग की आहट तेज होती दिख रही है। चीन ने 234 युद्धपोतों के विशाल नौसैनिक बेड़े के साथ अपने सबसे उन्नत जंगी जहाज 'सिचुआन' का समुद्री परीक्षण शुरू कर दिया है। ईएमएएलएस तकनीक से लैस यह जहाज लड़ाकू विमान और ड्रोन ऑपरेट करने की क्षमता रखता है। इस कदम ने ताइवान, अमेरिका और जापान की सुरक्षा चिंताओं को और बढ़ा दिया है, क्योंकि यह चीन की भारत-प्रशांत में बढ़ती सैन्य आक्रामकता का नया संकेत माना जा रहा है। चीन ने लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर और ड्रोन को संचालित करने के लिए शुक्रवार को विद्युत चुम्बकीय विमान प्रक्षेपण प्रणाली से लैस एक बड़े जंगी जहाज सिचुआन का समुद्री परीक्षण शुरू किया। चीनी नौसेना ने यह जानकारी दी। सशस्त्र संघर्ष के दौरान दुश्मन के इलाकों तक पहुंचने और थल सेना की मदद के लिए इस तरह के जहाजों का उपयोग किया जाता है। यह परीक्षण इस महीने की शुरुआत में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा देश के तीसरे विमानवाहक पोत, फुज़ियान, के जलावतरण के बाद हुआ है। नयी तरह का विमानवाहक पोत ईएमएएलएस से लैस सबसे आधुनिक युद्धपोत बताया जा रहा है। ईएमएएलएस का इस्तेमाल केवल अमेरिकी विमानवाहक पोत यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड द्वारा किया जाता है।

आधिकारिक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सिचुआन ऐसा पहला जहाज है जो ईएमएएलएस से लैस है और यह जहाज बिजली से संचालित होता है। ईएमएएलएस, विमानवाहक जहाज पर विमानों के उतरने और उड़ान भरने की प्रक्रिया में तेजी ला सकता है। रक्षा विश्लेषकों का कहना है कि यह जहाज चीनी सैन्य बलों को ताइवान तट पर तेज़ी से पहुंचने में मदद कर सकता है। चीन, ताइवान के अपना हिस्सा होने का दावा करता रहा है। विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव के कारण, चीन विभिन्न वैश्विक समुद्री मार्गों पर परिचालन के लिए और अधिक विमानवाहक पोत बना सकता है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, चीन के पास जहाजों का अब दुनिया का सबसे बड़ा बेड़ा है, जिसमें 234 युद्धपोत हैं, जबकि अमेरिकी नौसेना के पास 219 युद्धपोत हैं।

430 ड्रोन-18 मिसाइलें! रूस का यूक्रेन पर अब तक का सबसे घातक हमला, कीव में 6 की मौत व 35 घायल

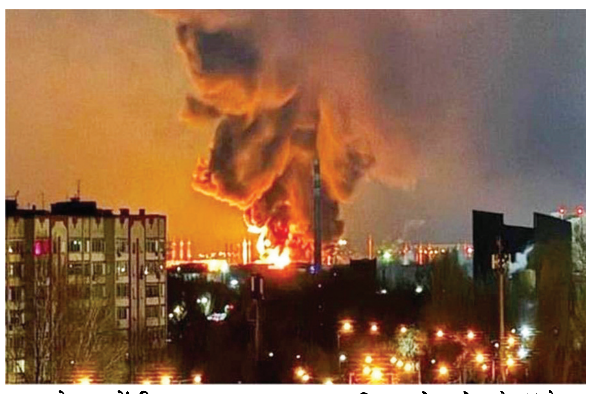

मास्को, एजेंसी। रूस द्वारा शुक्रवार तड़के यूक्रेन पर किए गए मिसाइल और ड्रोन हमलों में छह लोगों की मौत हो गई और एक गर्भवती महिला समेत कम से कम 35 लोग घायल हो गए। यूक्रेन के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बताया कि देश भर में हुए इस हमले में कम से कम 430 ड्रोन और 18 मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने बताया कि देश के अन्य क्षेत्रों में हुए इस हमले का निशाना कीव था। जेलेंस्की ने 'टेलीग्राम पर एक पोस्ट में कहा, ÷यह सुनियोजित हमला लोगों और आम नागरिकों को यथासंभव अधिक नुकसान पहुंचाने के लिए किया गया था।÷ उन्होंने बताया कि हमला इतना जोरदार था कि मिसाइल के टुकड़ों से अजरबैजान दूतावास क्षतिग्रस्त हो गया। अधिकारियों ने बताया कि हमलों में छह लोगों की मौत हो गई और एक गर्भवती महिला समेत कम से कम 35 लोग घायल हो गए। मॉस्को ने असैन्य क्षेत्रों को निशाना बनाए जाने से इनकार किया है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि उसने यूक्रेन के ''सैन्य-औद्योगिक और ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर रात में हमले किए। यूक्रेनी अधिकारियों ने इन दावों को खारिज किया और आवासीय परिसरों एवं सार्वजनिक भवनों को हुए नुकसान को दर्शाया। दार्नित्स्की जिले में मलबा एक आवासीय इमारत के प्रांगण और एक शैक्षणिक संस्थान के परिसर में गिर गया। गिरते हुए मलबे की चपेट में आने से एक कार में आग लग गई। दि्नप्रोव्स्की जिले में हमले के कारण तीन अपार्टमेंट, एक घर और खुले क्षेत्र में आग लग गई। हमले से पोदिल्स्की जिले में पांच आवासीय और एक गैर-आवासीय भवन क्षतिग्रस्त हो गए। शेवचेंकोव्स्की जिले में जलता मलबा गिरने से एक खुले क्षेत्र और गैर-आवासीय भवन में आग लगी। होलोसीव्स्की जिले में हमले की वजह से एक अस्पताल में आग लग गई और एक गैर-आवासीय भवन को नुकसान पहुंचा। देस्नियान्स्की और सोलोमियान्स्की जिलों में हमलों के बाद रिहायशी इमारतों में आग लग गई, वहीं सवियातोशिन्स्की जिले में एक निजी घर में आग लग गई।

अमेरिका में कॉफी, चाय और फलों पर कम हुआ टैरिफ

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में बढ़ती महंगाई और उपभोक्ताओं की शिकायतों के बीच राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने बड़ा फैसला लिया है। ट्रंप ने ने खाद्य आयात पर लगने वाले टैरिफ को घटा दिया है। इससे भारत के आम, अनार और चाय निर्यात को फायदा हो सकता है। दरअसल, ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ का असर सीधे उपभोक्ताओं पर पड़ रहा था। हाल ही में अमेरिका के सबसे बड़े शहर न्यूयॉर्क में हुए मेयर और गर्वनर चुनाव में मंहगाई बड़ा मुद्दा थी। इस चुनाव में ट्रंप को हार का सानना करना पड़ा। जिसके बाद ट्रंप ने बीफ, कॉफी और फलों सहित दर्जनों कृषि उत्पादों पर लगे टैरिफ को हटाने का फैसला किया है। भारत को क्या हुआ लाभ? व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को घोषणा की कि उष्णकटिबंधीय फल और जूस, चाय और मसाले उन आयातों में शामिल हैं जिन पर पारस्परिक शुल्क नहीं लगेगा। व्हाइट हाउस फैक्टशीट में उल्लिखित अन्य वस्तुएं कॉफी और चाय, कोको, संतरे, टमाटर और बीफ थीं। जिन पर टैरिफ घटाया गया है। ट्रंप ने भारत से आयात पर 25 प्रतिशत पारस्परिक शुल्क लगाया और रूसी तेल खरीदने पर 25 प्रतिशत का दंडात्मक शुल्क जोड़ा। लेकिन मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए, ट्रंप ने पहले जेनेरिक दवाओं को शुल्क से मुक्त कर दिया था, जिससे भारत को बड़ा लाभ हुआ, जो अमेरिका में निर्धारित 47 प्रतिशत जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति करता है। वहीं, अब खाद्य आयात घटाने से आम, अनार और चाय निर्यात में वृद्धि देखने को मिलेगी। ट्रंप नहीं उतरे उम्मीदों पर खरे इस हफ्ते जारी एनबीसी न्यूज के एक सर्वेक्षण में, 63 प्रतिशत पंजीकृत मतदाताओं ने कहा कि जीवन-यापन की लागत और अर्थव्यवस्था के मामले में ट्रंप उनकी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे, और 30 प्रतिशत रिपब्लिकन इससे सहमत थे। ट्रंप ने किफायतीपन के मुद्दे को डेमोक्रेट्स द्वारा किया गया पूरी तरह से धोखा बताते हुए इसे खारिज कर दिया और पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में पेट्रोल और ऊर्जा की कम कीमतों और उच्च मुद्रास्फीति दर की ओर इशारा किया, जब यह एक समय 19.7 प्रतिशत तक पहुंच गई थी। हालांकि बाइडेन के कार्यकाल में तेजी से बढ़ती मुद्रास्फीति पर बहस हुई है, फिर भी यह तेजी से बढ़ रही है, सितंबर में यह 3 प्रतिशत दर्ज की गई। लेकिन कुछ खाद्य उत्पादों की कीमतों में टैरिफ के कारण वृद्धि दर्ज की गई है। आयात की कीमतों में 30 प्रतिशत वृद्धि सितंबर के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आंकड़ों के अनुसार, भुनी हुई कॉफी की कीमतों में 18.9 प्रतिशत और बीफ और वील की कीमतों में 14.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। भारतीय किराना दुकानों में भारत से मसालों और खाद्य पदार्थों के आयात की कीमतों में लगभग 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। आम और अनार का निर्यात बढ़ने की संभावना गौरतलब है कि पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश द्वारा टैरिफ हटाने के बाद भारत से आम के आयात का भारत-अमेरिका संबंधों में एक विशेष स्थान है। मिसाइलों, परमाणु सहयोग और प्रौद्योगिकी नवाचार के साथ-साथ आमों को भी फरवरी में ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के दौरान जारी संयुक्त बयान में जगह मिली। बयान में कहा गया कि भारत ने अमेरिका को भारतीय आमों और अनारों का निर्यात बढ़ाने के लिए अमेरिका द्वारा उठाए गए कदमों की भी सराहना की।

बरात में आईक्रिम स्टाल पर जमकर चले लाठी डंडे और कर्सियां, दूल्हे के भाई सहित कई लोग घायल

उत्तम भारत संवाददाता/ठाकुरद्वारा। जसपुर मार्ग स्थित एक मैरिज हाल में खाने के दौरान आईक्रिम को लेकर आइक्रिम स्टाल संचालक और बरातियों में कहासुनी के बाद जमकर, लाठी डंडे, बैल्ट और कर्सियों चली। इस मारपीट में स्टाल संचालक व उसके दो साथी, और बरातियों में दूल्हे का भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। मारपीट के दौरान बरात में अफरा तफरी मच गई। दोनों पक्षों ने पुलिस को एक दूसरे के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की।

नगर के मोहल्ला बिजली घर के पीछे निवासी वसीम पुत्र शरीफ बहेड़ावाला निवासी शाहवेज, वार्ड 09 निवासी कासिम पुत्र निजाजमुददीन, शादी समारोह के दौरान आईक्रिम का कार्यक्रय करते है। रविवार को थाना डिलारी के गांव कांकरखेड़ा निवासी एक युवक की बरात कोतवाली के ग गांव मलपुरा लक्ष्मीपुर में आयी थी। बरात के रूकने की व्यवस्था जसपुर रोड स्थित मैरिज हाल में थी। बराती खाना खाने लगे। खाना खाते हुए जब दूल्हे का भाई अपने साथियों के साथ आईक्रिम स्टाल पर पहुंचे तो वहा भीड़ अधिक होने के कारण आईक्रिम देने वाले वसीम से कुछ देर हो गई। इस बात से नाराज दूल्हे के भाई ने आईक्रिम स्टाल पर आईक्रिम देने वाले युवक के साथ गाली गलौज करते हुए गला पकड़कर मारना पीटना शुरू कर दिया। मारपीट के दौरान बरात में अफरा तफर मच गई। मारपीट की सूचना पर शाहवेज, कासिम भी मौके पर पहुंचें। आरोप है कि बरातियों ने शाहवेज, कासिम और वसीम को बुरी तरह लाठी डंडो और बेल्टों से मारपीट की और जमकर कुर्सियां भी चली।

स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा तमाम शिकायतों के बाद भी मंदिर की भूमि की पैमाइश नहीं

● अभिलेखों में रकबा मौके पर कम, मुख्यमंत्री पोर्टल पर फिर से शिकायत

उत्तम भारत संवाददाता/ठाकुरद्वारा। नगर में ठाकुरद्वारा-मुरादाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित प्राचीन एवं प्रसिद्ध श्री शिव मढ़ी मंदिर की अभिलेखों में दर्ज भूमि पर फिर से स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों ने मंदिर की भूमि की आधी अधूरी पै माइस कराये जबरन आयुर्वेदिक चिकित्सालय का निर्माण फिर से शुरू करा दिया है। जिससे क्षेत्र के लोगों में आक्रोश फिर से बढ़ने लगा है। धर्म प्रेमियों ने इसकी शिकायत एक बार फिर से जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ-साथ मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज करा कर कहां है कि मंदिर की भूमि अभिलेखो मे दर्ज होने के बावजूद भी स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी जबरन

मंदिर की भूमि पर अवैध रूप से आयुर्वेदिक चिकित्सालय का निर्माण कराने पर उतारू है। जबकि उक्त भूमि अभिलेखों में दर्ज रक्वे से मंदिर की मौके पर भूमि कम है। स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों से कई बार लिखित रूप में मंदिर की भूमि की पैमाइश की मांग की। लेकिन राजस्व विभाग की टीम ने आज तक मंदिर की भूमि की मौके पर जाकर आधी अधूरी पेमाइश की जो आज तक पूरी नहीं हो सकी। शिकायतकताओं का कहना है कि आयुर्वेदिक चिकित्सालय का निर्माणमणि मंदिर की गाटा संख्या 595 रकबा 0376 हेक्टर कराया जा रहा है, जबकि उसी के बराबर में गाटा संख्या 595 ग बंजर झाड़ी रकवा वरावर मे मौजूद है। शिकायतकताओं का कहना है कि उसे सरकारी भूमि पर स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों की मिली भगत से अवैध रूप से कब्जा कर निर्माण करा दिया गया है। बताते चलें कि इससे पूर्व भाजपा के जिला अध्यक्ष आकाश पाल पूर्व अध्यक्ष राजपाल सिंह, सत्यपाल सिंह सैनी, आदि ने उप मुख्यमंत्री से भी शिकायत दर्ज कराई गई थी। यहां तक की मंडल आयुक्त को शिकायत पत्र देकर निष्पक्ष कार्यवाही की मांगकी थी। दो-तीन महीने मामला शांत रहा। स्थानीय प्रशासनिकअधिकारियों के इशारे पर अस्पताल का निर्माण शुरू कर दिया गया। जिसमें मिट्टी का भरान ठेकेदार द्वारा कराया जा रहा हैजिससे मंदिर कमेटी के अतिरिक्त नगर के आसपास के क्षेत्र विभिन्न संगठनों के लोगों मैं आक्रोश व्याप्त होने लगा है। मंदिर की भूमि को बचाने के लिए रणनीति तैयार शुरू कर दी है। किंतु भौतिक सत्यापन में स्कूल के बराबर में एक चकरोड भी चल रही है, जो कि राजस्व नक्शे में नहीं है। संभवत नगर पालिका कि उक्त भूमि इस रास्ते में ही निकल गई है, किंतु इसका नक्शे में एवं खसरा, खतौनी में दूरस्तीकरण नहीं हुआ है। इस अवैध निर्माण प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए तुरंत कार्रवाई करने को कहा मंदिर भूमि के संबंध में भाजपा का शिष्ट मंडल ने आयुक्त आनंद जय सिंह को भी इस निर्माण कार्य के संबंध में जानकारीदी थी। संपूर्ण समाधान दिवस में एसडीएम ठाकुरद्वारा को ज्ञापन दिया गया था, लेकिन उन्होंने कोई उचित कार्यवाही नहीं की। इस संबंध में राजेंद्र पांडे पूर्व सभासद ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर फिर से शिकायत दर्ज कराई है। और निर्माण कार्य को रोके जाने की मांग की है।

बिहार में एनडीए की प्रचंड जीत पर छजलैट क्षेत्र में भाजपा कार्यकताओं ने मनाया विजय उत्सव

उत्तम भारत संवाददाता/छजलैट। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की ऐतिहासिक जीत पर भाजपा कार्यकताओं ने हर्षोल्लास के साथ विजय उत्सव मनाया। इस उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी मंडल छजलैट कार्यालय एवं ग्राम छज्जा नंगला में पूर्व विधायक राजेश कुमार सिंह ह्यचुन्नूह्न ने कार्यकताओं और क्षेत्रवासियों के साथ मिष्ठान वितरण कर जीत का जश्न मनाया। इस दौरान उन्होंने कार्यकताओं को बधाई देते हुए कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की प्रचंड विजय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में हो रहे विकास के महायज्ञ का प्रतिफल है। यह परिणाम स्पष्ट संदेश देता है कि बिहार की जनता विकास, सुशासन और स्थिरता से कोई समझौता स्वीकार नहीं करती। महागठबंधन की करारी हार इस बात का प्रमाण है कि जनता अवसरवाद, परिवारवाद, अव्यवस्था और दुष्प्रचार की राजनीति को पूरी तरह नकार चुकी है। उन्होंने बिहार की जनता के प्रति आभार जताते हुए कहा कि जनता के समर्थन ने इस जनादेश को और अधिक सशक्त बनाया है। इस अवसर पर चेयरमैन गन्ना समिति कुंवर सुरेंद्र सिंह, क्षेत्रीय संयोजक वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ हुकुम सिंह, जिला उपाध्यक्ष भाजयुमो विक्रांत सिंह, मंडल उपाध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह, जिला मंत्री भाजयुमो सुमित दिवाकर, मंडल अध्यक्ष छजलैट आंचल चौधरी, गन्ना डायरेक्टर उद्यम सिंह, इसके अलावा सोमवीर सिंह, संजीव चौधरी, विश्वेश्वर शर्मा, इकबाल प्रधान, विक्रम सिंह, जयपाल सिंह, अनिल दिवाकर, तनुष चौधरी सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मां भगवती के जागरण में भजनों पर झूमें श्रद्धालु, लगाए जयकारे

उत्तम भारत संवाददाता/कांठ। बम बटक एकता मंच कांठ के तत्वाधान में नगर के श्री रामलीला मैदान में मां भगवती के 17 वें भव्य विशाल जागरण का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ अति विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ भाजपा नेता व पूर्व विधायक पुत्र मुकेश माहेश्वरी और विशिष्ट अतिथि भाजपा के पूर्व मंडलाध्यक्ष राजपाल सिंह प्रजापति ने हिमाचल प्रदेश ज्वाला देवी मंदिर से लाई गई अखंड जोत स्थापित कर किया। शनिवार की रात इस अवसर पर आचार्य भावेश शर्मा ने विधिविधान से मंत्रोचरण करते हुए पूजन आदि को सम्पन्न कराया। इसके बाद गणेश वंदना और उनकी सुंदर झांकी के पश्चात जागरण को आगे बढ़ाया गया। जागरण में आशीष जागरण एंड पार्टी की ओर से आए गायक कलाकार विवेक शर्मा दिल्ली, ओमकार देवा मुरादाबाद और रविंद्र नायक दिल्ली ने तमाम भजनों की प्रस्तुति देकर

श्रद्धालुओं को झूमने पर विवश कर दिया। इसी के साथ दारा आर्ट ग्रुप के कलाकारों ने भगवान गणेश, श्रीराम दरवार, वीर हनुमान, मां काली तंडव, शिव-पार्वती विवाह, मां सती की लीला, धानू भगत की लीला, पूतना वध की लीला, लक्ष्मण मूर्छा लीला आदि की झांकियां और नृत्य प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। जागरण के अंत में तारा रानी की कथा, मां दुर्गा आरती कर कन्याओं के पूजन के बाद जागरण का समापन किया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर धर्मलाभ प्राप्त किया। आयोजकों ने अतिथियों और सहयोगियों को सम्मानित किया। सुरक्षा व्यवस्था में एसएचओ कांठ सुदेश पाल सिंह, एसआई संजीव कुमार एवं कमलदीप आदि फोर्स के साथ रहे। इस अवसर पर व्यवस्था में बम बटक एकता मंच के अध्यक्ष डॉ. देवराज सिंह, उपाध्यक्ष गौरव कुमार, अरविंद कुमार, मीडिया प्रभारी पंकज कुमार, मुकुल भुइयार छोटू, मनोज कुमार, नीरज कुमार, विनोद प्रजापति, डॉ. त्रिवेद भुइयार, राधेश्याम भुइयार, नीरज भुइयार, हिमांशु गोला, हेमंत कुमार, नितिन कुमार, गणेश कुमार, अनुभव, पप्पू प्रजापति, अंकित शर्मा, निशांत कुमार, रनवीर सिंह, विरेंद्र विश्नोई, सचिन कुमार, जितेंद्र चौहान, मुकुल कुमार, अमित कुमार, सुशांत कुमार, राजकुमार सिंह नन्हें आदि कार्यकर्ता रहे।

राजकीय हाई स्कूल पैगंबरपुर में आयोजित किया कैरियर मेला

उत्तम भारत संवाददाता/कांठ। राजकीय हाई स्कूल पैगंबरपुर में कैरियर मेले का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं ने बड़ी संख्या में प्रतिभाग किया। कैरियर मेले में उपस्थित जूनियर हाईस्कूल से श्रीमती रूबी रस्तोगी, श्रीमती सोनम, गणित शिक्षक प्रदीप कुमार, विज्ञान शिक्षक सुनील कुमार, गांव के सरपंच, बी आई एस जनपदीय नोडल ईशान शर्मा, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से डॉ. अनुभव, विद्यालय के यशस्वी विज्ञान शिक्षक जगसरन सिंह आदि विशेषज्ञ वक्ताओं ने विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े कैरियर में रोजगार को लेकर अपने-अपने बहुमूल्य विचार छात्र छात्राओं एवं अभिभावकों के साथ साझा किए तथा विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं के अनुरूप मार्गदर्शन देने का कार्य किया गया। प्रधानाचार्य संजीव गुप्ता द्वारा कैरियर कार्यक्रम में विशेष योगदान देने वाले छात्र छात्राओं को मैडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गये। मंच का संचालन विद्यालय नोडल शिक्षक रुपेन्द्र कुमार ने किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के कनिष्ठ सहायक कर्तव्य और सेवा के लिए सदैव समर्पित विकास कुमार द्वारा समस्त अतिथियों, छात्र छात्राओं एवं अभिभावकों के लिए जलपान एवं मिठाई का प्रबंध एवं वितरण किया गया। कार्यक्रम में छात्र छात्राओं ने पंख डायरी बनाई तथा अपनी च्वाइस के करियर के अनुरूप चार्ट बनाया, रंगोली बनाई, गीत कविताएं और अपने अनुभव शेयर किये।

खनन व ओवरलोड वाहनों पर कसा शिकंजा: परिवहन विभाग का विशेष चेकिंग अभियान, 2.79 लाख का जुमार्ना

उत्तम भारत संवाददाता, रामपुर। जिलाधिकारी अजय कुमार सिंह के निर्देश पर परिवहन विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाकर खनन, ओवरलोड, बिना रिफ्लेक्टर टेप और अनधिकृत रूप से संचालित वाहनों के विरुद्ध चेकिंग की कार्रवाई की गयी। वरिष्ठ सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी राजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि शनिवार देर रात चलाये गये चेकिंग अभियान में

परिवहन विभाग की टीम द्वारा 02 ओवरलोड वाहनों को नवीन मंडी और मानपुर तिराहा में सीज किया गया। चेकिंग के दौरान टैक्स जमा न करने वाले 03 डम्पर व ट्रक, हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट न लगाने पर 05 वाहनों, बिना रिफ्लेक्टर टेप के 04 वाहनों और अन्य 36 वाहन जो अनधिकृत रूप से बिना हेलमेट, रॉंग साइड, बिना सीट बेल्ट आदि पाये जाने पर चालान की कार्रवाई की गयी।

उन्होंने बताया कि इस अभियान में कुल 2.79 लाख रुपए का जुमार्ना लगाया गया।

सुरक्षित यातायात के लिए हेलमेट का प्रयोग अवश्य करें दो पहिया वाहन चालक: हरीश

उत्तम भारत संवाददाता, रामपुर। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष हरीश गंगवार ने दो पहिया वाहन चालकों को हेलमेट वितरित किए। इस दौरान उन्होंने वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि सुरक्षित यातायात के लिए आवश्यक है कि दो पहिया चालक हेलमेट का प्रयोग अवश्य करें। इसके साथ ही सीट बेल्ट व अन्य नियमों का भी पालन करना बेहद आवश्यक है। रविवार को मिलक में आयोजित कार्यक्रम में पेट्रोल पंप पर भाजपा जिलाध्यक्ष हरीश गंगवार ने लोगों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने दो पहिया वाहन चालकों को हेलमेट वितरित करते हुए कहा कि आज सड़क दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण लापरवाही और सुरक्षा कवच का अभाव है। ऐसे में सभी अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए बाइक चलाते समय हमेशा हेलमेट पहनें। उन्होंने कहा कि हेलमेट न केवल दुर्घटना की स्थिति में सिर को गंभीर चोटों से बचाता है, बल्कि जीवन बचाने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने बताया कि यातायात माह के दौरान जिले में विभिन्न स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिसमें लोगों को ट्रैफिक नियमों का पालन करने, ओवरस्पीडिंग व मोबाइल का प्रयोग न करने जैसी अहम बातों की जानकारी दी जा रही है। इस दौरान कार्यकताओं ने भी सड़क सुरक्षा से जुड़े संदेशों वाले हैंडबिल वितरित किए और लोगों को नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में मौजूद युवाओं ने हेलमेट वितरण पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे अभियान से समाज में सकारात्मक बदलाव आएगा। अंत में जिलाध्यक्ष ने कहा कि भाजपा संगठन निरंतर सामाजिक हित से जुड़े कार्यक्रमों में सक्रिय है और आगे भी सड़क सुरक्षा के लिए ऐसे अभियान जारी रहेंगे।

हमारे ग्रह और उसके परिस्थितिकी तंत्र को सुरक्षित करने के लिए एक दौड़

उत्तम भारत संवाददाता/मुरादाबाद,। हार्टफुलनेस मेडिटेशन केन्द्र द्वारा ग्रीन कान्हा रन का आयोजन रविवार को सुबह 8 बजे मझोला थाना के सामने किया गया। जोनल कॉर्डिनेटर डॉ नवीन कुमार सिंह ने हरी झंडी दिखाकर प्रतिभागियों को रवाना किया ग्रीन कान्हा रन में सभी उम्र के प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया जिसमें 92 वर्षीय नौबतसिंह और 4 वर्षीय कुमारी परी सबसे कम उम्र ने भी ग्रीन कान्हा रन में प्रतिभाग किया ।हार्टफुलनेस मेडिटेशन केन्द्र मुरादाबाद के जोनल कॉर्डिनेटर डॉ नवीन कुमार सिंह ने बताया कि क्लाइमेट परिवर्तन और कार्बन फुटप्रिंट की चर्चा वाले इस दौर में ग्रीन हार्टफुलनेस रन एक अत्यंत विचारशील और जलवायु-सचेत दौड़ होगी। इस दौड़ के रजिस्ट्रेशन से प्राप्त समस्त आय ह्यफॉरेस्ट्स बाय हार्टफुलनेसह्न हार्टफुलनेस संस्थान की एक पहल को दी जाएगी। जिसका उद्देश्य भारत की प्रकृति, धरती, पर्यावरण, देशज एवं लुप्तप्राय वृक्ष प्रजातियों का पोषण, संरक्षण और संवर्धन करना है ग्रीन कान्हा रन के संयोजक अमित सक्सेना ने कहा कि यह हार्टफुलनेस मेडिटेशन संस्था द्वारा पिछले कई वर्षों से पूरे भारतवर्ष में ग्रीन कान्हा दौड़ कराई जा रही है। इसमें स्वस्थ शरीर, स्वस्थ धरती, स्वस्थ प्रकृति, वृछारोपण के द्वारा पृथ्वी को हरा-भरा कर पर्यावरण बचाओ उद्देश्य रहा है प्रो डॉ साधना सिंह ने ग्रीन कान्हा रन की महत्ता के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि हमारे मानसिक, शारीरिक, आध्यात्मिक, स्वास्थ्य, प्रकृति पर्यावरण के लिए आवश्यक है। डाक्टर अंकित वर्मा, रीजनल यूथ फेसिलिटेटर, उत्तर प्रदेश ने कहा कि यह संपूर्ण भारत वर्ष में एक समय एक साथ ग्रीन कान्हा रन आयोजित की जा रही है। यह रन फॉरेस्ट बाइ हार्टफुलनेस, द्वारा संचालित है, जो अब तक 22000 वृक्ष भारत वर्ष मे लगा चुके है, इसका मुख्य उद्देश्य यूथ को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि मुरादाबाद केंद्र पर लगभग 110 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया डॉ अतुल विश्नोई ने कहा कि सुबह 8 बजे से ही सभी भाई बहन ग्रीन कान्हा रन में प्रतिभाग करने के लिए उत्सुक थे। ऐसे कार्यक्रम स्वास्थ्य, प्रकृति, धरती, पर्यावरण के प्रति सकारात्मक रूप कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं। दौड़ में सभी उम्र के प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्रकृति सेवा समिति ट्रस्ट रजि. मुरादाबाद के संस्थापकध महासचिव पर्यावरण सचेतक नैपालसिंह पाल ने कहा कि प्रकृति, पर्यावरण जागरूकता, संरक्षण और संवर्धन हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है अतः हम सभी को मिलकर अपनी अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए ग्रीन कान्हा रन का मुख्य उद्देश्य हमारे ग्रह और उसके परिस्थितिकी तंत्र को सुरक्षित करना है ध्यान प्रशिक्षक आदर्श श्रीवास्तव जी ने कहा कि सभी धार्मिक, सामाजिक संगठनों को भी ऐसे कार्यक्रम में शामिल होने चाहिए और समाज को सकारात्मक ऊर्जा और नवीन ऊर्जा के साथ बदलाव का प्रयास करना चाहिए।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर ज्ञानपुर सुखदेव क्लासेस में जागरूकता और सम्मान से भरपूर कार्यक्रम

उत्तम भारत संवाददाता, रामपुर। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर ज्ञानपुर स्थित सुखदेव क्लासेस में सोमवार को एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें पत्रकारिता की स्वतंत्रता, उसकी जिम्मेदारी और लोकतंत्र में उसकी अनिवार्य भूमिका पर रोचक और सारगर्भित चर्चा हुई। कार्यक्रम की शुरूआत निदेशक सुखदेव मिश्रा के उद्बोधन से हुई। उन्होंने प्रेस को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ बताते हुए कहा कि स्वतंत्र और निर्भीक पत्रकारिता ही वह ताकत है, जो शासन को जवाबदेह बनाए रखती है, समाज को सत्य की रोशनी दिखाती है और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करती है। सह-निदेशक अनु मिश्रा ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वर्ष 1966 में प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया की स्थापना के उपलक्ष्य में हर वर्ष 16 नवंबर को यह दिवस मनाया जाता है।

समाचार

मतदाता गहन परीक्षण अभियान की समीक्षा बैठक, घर-घर पहुँच चुके 94 प्रतिशत मतदाता फॉर्म

उत्तम भारत संवाददाता/ठाकुरद्वारा। भारतीय चुनाव आयोग द्वारा उत्तर प्रदेश में संचालित मतदाता गहन परीक्षण अभियान के तहत बीएलओ एवं भाजपा के बूथ लेवल अधिकारी-2 द्वारा अब तक किए गए कार्यों की समीक्षा की गई। यह समीक्षा बैठक शक्ति केंद्र अंसारियान में आयोजित हुई। बैठक में सेक्टर संयोजक अंकुर राणा विशेष रूप से उपस्थित रहे। समीक्षा के दौरान निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त बीएलओ ने अवगत कराया कि लगभग 94 प्रतिशत मतदाता फॉर्म घर-घर पहुँचाए जा चुके हैं। यह कार्य समयबद्ध रूप से आगे बढ़ रहा है और शेष फॉर्म शीघ्र वितरित किए जाएंगे। बैठक में उपस्थित बीएलओकृ भूरे खान, हरपाल सिंह, फहीम अहमद, परवीन जहां और इदरीश अहमद ने अपने-अपने क्षेत्रों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। भाजपा के बीएलओ-2 तरूश अग्रवाल, संजीव कुमार रोहिला, आशुतोष अग्रवाल, विनीत अग्रवाल ने भी अभियान की जानकारी साझा की। इस अवसर पर भाजपा मीडिया प्रभारी कमलेश कुमार, उमेश कुमार गुप्ता, एडवोकेट अंकित गुप्ता, आशु तथा अन्य पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तेंदुए ने नीलगाय को बनाया अपना निवाला, ग्रामीणों में दहशत

उत्तम भारत संवाददाता/ठाकुरद्वारा। थाना क्षेत्र के ग्राम अस्दुल्लापुर पट्टी में तेंदुआ दिखाई देने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। गांव के ही अधिवक्ता कपिल चौधरी के खेत में एक नीलगाय मृत पाई गई, जिसके पास तेंदुआ सुबह लगभग 8 बजे बैठा दिखाई दिया। तेंदुए को करीब से देखकर खेत स्वामी और आसपास मौजूद लोग भयभीत होकर गांव की ओर भागे और शोर मचाया। शोर सुनकर गांव के लोग लाठी-डंडे लेकर मौके पर पहुंच गए, जिन्हें आता देख तेंदुआ खेत से भाग निकला। घटना की सूचना खेत स्वामी कपिल चौधरी ने तुरंत ही वन विभाग के दारोगा संजय चौहान को दी। सूचना पर वन विभाग के कर्मचारी जितेंद्र सिंह कांस्टेबल को मौके पर भेजा गया। विभागीय टीम ने ग्रामीणों की मदद से मृत नीलगाय को खेत में ही गड्ढा खोदकर दफना दिया। तेंदुआ दिखाई देने की घटना से ग्रामीणों में भारी दहशत और आक्रोश का माहौल बन गया। मौके पर पहुंचे ग्राम प्रधान पति बलवंत सिंह के नेतृत्व में ग्रामीणों ने तेंदुए को पकड़ने की मांग करते हुए प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि तेंदुआ गांव के लिए गंभीर खतरा बन सकता है और किसी भी समय अनहोनी हो सकती है। ग्रामीणों की मांग पर वन विभाग ने पिंजरा लगाने का प्रस्ताव मांगा, जिसे ग्राम प्रधान एवं ग्रामीणों ने मौके पर तैयार कर विभाग को सौंप दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन अभी तक सक्रिय नहीं दिख रहा, जबकि तेंदुए की उपस्थिति से पूरा गांव भय के साये में है। लोगों का स्पष्ट कहना है कि अति शीघ्र पिंजरा लगाकर तेंदुए को पकड़ा जाए, ताकि किसी बड़ी घटना को रोका जा सके।

आर्य समाज की बैठक में सुनाया शोभायात्रा की आय व्यय का ब्यौरा

उत्तम भारत संवाददाता/कांठ। नगर स्थित आर्य समाज मंदिर में यज्ञ के उपरांत बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में आर्य समाज के प्रधान द्वारा शोभा यात्रा के आय व्यय का व्यौरा सुनाया गया। नगर स्थित आर्य समाज मंदिर में रविवार को नैपाल आर्य द्वारा हवन संपन्न कराया गया एवं वेदों का पठान-पाठन कराया गया। यज्ञ के उपरांत आर्य समाज बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में आर्य समाज के प्रधान सुरेश आर्य ने 108 वे वार्षिकोत्सव पर आयोजित शोभा यात्रा का आय व्यय व्यौरा सुनाया तथा विद्यालय दयानंद बाल विद्या मंदिर की देखरेख पर विचार करते हुए कुछ निर्णय लिए जिसमें सभी ने अपनी सहमति दी। बैठक में आर्य समाज के प्रधान सुरेश चौहान आर्य, मंत्री अमित पप्पन, संरक्षक सुशील मणि गुप्ता, डॉ निर्मल चंद्र गुप्ता, संदीप गुप्ता, रघुराज सिंह, विक्रम सिंह, महेंद्र सिंह, मास्टर हरि सिंह, भूपेंद्र चौहान, राजीव शर्मा, हुकम सिंह, अरविंद चौहान, झुन्ना सिंह, रतेश शर्मा, नौबत सिंह, करण प्रकाश, भानु सिंह, विजय वर्मा, चमन सिंह, अशोक बिश्नोई, पिंकुल गुप्ता, नरेश सिंह, सुभाष चंद्र आदि उपस्थित रहे।

धनगर समाज के लोगों ने की अपने बच्चों प्रमाण पत्र बनवाने की मांग

उत्तम भारत संवाददाता/कांठ। धनगर समाज के लोगों ने संपूर्ण समाधान दिवस में न्यायालय के आदेशों का हवाला देते हुए प्रार्थना पत्र देकर अपने बच्चों के धनगर समाज के प्रमाण पत्र बनवाने की मांग तहसीलदार से की है। ग्राम रसूलपुर गुर्जर निवासी महावीर सिंह एवं करी रावण निवासी सुखबीर सिंह ने तहसील कांठ मैं प्रार्थना पत्र देकर संपूर्ण समाधान दिवस में अधिकारियों को बताया कि धनगर समाज से आते हैं परंतु उनके बच्चों के जाति प्रमाण पत्र धनगर समाज के नहीं बनाए जा रहे हैं। उन्होंने तहसीलदार से मांग की है कि उच्च न्यायालय के निदेशों का संज्ञान लेकर उनके बच्चों के धनगर समाज के प्रमाण पत्र बनाए जाएं।

शांति भंग के आरोप में दो गिरफ्तार

उत्तम भारत संवाददाता/ठाकुरद्वारा। मामूली कहासुनी के दौरान मारपीट हो गई। पुलिस ने दोनो पक्षो के दो व्यक्तियों का शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार एसडीएम न्यायालय में पेश किया। कोतवाली क्षेत्र के गांव बोवदवाला निवासी विशाल पुत्र महेंद्र सिंह व योगेंद्र पुत्र विक्रमम सिंह के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। पुलिस ने दोनों को शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। रविवार को पुलिस ने दोनों का शांति भंग के आरोप में चालान कर एसडीएम न्यायालय में पेश किया। जहां पर एसडीएम ने सुनवाई के उन्हे जमानत पर छोड़ दिया है।

पुलिस पर चौकीदार का मोबाइल डेटा डिलीट करने का आरोप

रेत भरे ओवरलोड वाहनों को पकड़कर छोड़ने की वीडियो बनाए जाने के शक में डिलीट किया डेटा

उत्तम भारत संवाददाता, मसवासी। मानपुर चेकपोस्ट पर तैनात एक प्राइवेट चौकीदार ने कोतवाली पुलिस पर उसके मोबाइल का डेटा डिलीट करने का गंभीर आरोप लगाया है। घटना के बाद चेकपोस्ट पर तैनात अन्य चौकीदारों में भी रोष देखा जा रहा है। मानपुर चेक पोस्ट पर तैनात चौकीदार ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि बृहस्पतिवार देर रात मानपुर चेकपोस्ट पर स्थानीय पुलिस ने रेत से भरे कुछ ओवरलोड वाहनों को पकड़कर खड़ा कराया था। आरोप है कि कुछ समय बाद वाहनों को आपसी साजझबाज कर छोड़ा गया। चौकीदारों का कहना है कि पुलिस को शक था कि कहीं वाहन छोड़ने की वीडियो रिकॉर्डिंग न कर ली गई हो। इसी शक में पुलिसकर्मियों ने सभी चौकीदारों का मोबाइल लेकर उसमें मौजूद डेटा डिलीट कर दिया। चौकीदारों का आरोप है कि डेटा इसलिए हटाया गया ताकि पुलिस की कार्रवाई पर सवाल न उठें और पूरा मामला उजागर न हो सके।

सैफनी: रामगंगा नदी पुल पर दर्दनाक हादसा, बाइक सवार गंभीर घायल, मुरादाबाद रेफर

सैफनी। रविवार को नगर में रामगंगा नदी पर बने पुल के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें एक स्कूटी सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसकी नाजुक हालत को देखते हुए परिजनों ने उसे तत्काल मुरादाबाद के लिए रेफर करवा दिया है।

खोया-पाया

मेरी हाई स्कूल की मार्कशीट अनुक्रमांत 0957158 व इंटरमीडिएट की मार्कशीट अनुक्रमांक 0729472 बाजार आते समय वास्तव मे कहीं गुम हो गयी है।

रहमत पत्नी सलमान निवासी फुलसिंहां कोतवाली सम्भल जनपद सम्भल।

P-12:28 paga09_jhn.qxd 11/16/2025 9:47 PM Page 1

एंजेलिना जोली से प्रेरित हैं शीना चौहान

फिल्मी दुनिया में कई ऐसे किरदार होते हैं, जो न केवल दर्शकों के दिलों पर छा जाते हैं, बल्कि कलाकारों को भी प्रेरित करते हैं। इस कड़ी में अभिनेत्री शीना चौहान ने बताया कि उनके लिए आने वाली सीरीज में अपने किरदार को निभाने के लिए हॉलीवुड अभिनेत्री एंजेलिना जोली का लोकप्रिय किरदार 'मेलफिसेंट' सबसे बड़ी प्रेरणा बना। एंजेलिना जोली ने डिज्नी की फिल्म 'मेलफिसेंट' में जिस तरह से एक 'विलेन' को ताकत, भावनाओं और मानवीय गहराई से पेश किया, उसने दुनियाभर के दर्शकों को प्रभावित किया था। शीना ने बात करते हुए कहा, ''एंजेलिना जोली का अभिनय केवल एक खलनायिका को दिखाने तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने उसे एक ऐसी स्त्री के रूप में पेश किया जो ताकतवर भी है, भावनाओं से भरी भी है, और संवेदनशील भी है। कुल मिलाकर उन्होंने अपने किरदार के जरिए कल्पनाओं को जगाया। वह एक ऐसी शक्ति थीं, जिसमें प्यार, गुस्सा, दर्द और करुणा सब कुछ था। मैंने अपने किरदार में भी वही संतुलन लाने की कोशिश की है।'' शीना चौहान ने आगे कहा, ''सीरीज 'भयावह' में मेरा किरदार एक ऐसी औरत का है जो विद्रोही है, जुनूनी है और अपने विचारों में इंसानियत रखती है। अगर किसी भी नेगेटिव किरदार में भावनाओं और संवेदनशीलता की परतें जोड़ दी जाएं, तो वह और भी दिलचस्प बन जाता है। मेरी कोशिश यही रही कि दर्शक मेरे किरदार से डरें भी, लेकिन उसे समझें भी। अपने लुक और बदलाव के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि जब उन्होंने इस किरदार का रूप धारण किया, तो उन्हें खुद अपने अंदर एक अलग ऊर्जा महसूस हुई। उन्होंने कहा, 'जैसे ही मैंने सींग लगाए, रेड लिपस्टिक लगाई, और बालों को कर्ली किया, तो मुझे लगा कि मेरा किरदार मुझमें उतर आया है। मेरे किरदार में हास्य भी है और रहस्य भी। मुझे उसे निभाने में बहुत मजा आया और मैं चाहती हूं कि दर्शक भी उसे उतना ही पसंद करें।' 'भयावह' सीरीज साल 2026 में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी।

सुष्मिता सेन से लेकर सैफ अली खान तक

बॉलीवुड के ये सितारे अब वेब सीरीज में कमा रहे नाम

कई बॉलीवुड कलाकारों ने बड़े पर्दे पर बेहतरीन अभिनय किया है। शुरू से उनकी पहचान फिल्मों में काम करने की रही है। इनमें से कुछ कलाकारों ने अब बड़े पर्दे पर अभिनय करना बंद कर दिया है। हालांकि इन कलाकारों ने वेब सीरीज में अच्छा अभिनय किया है। इनके अभिनय को दर्शकों ने खूब सराहा भी है। आइए उन कलाकारों के बारे में जानते हैं, जिन्होंने बड़े पर्दे के साथ वेब सीरीज में भी अच्छी अदाकारी की है।

सुष्मिता सेन- आर्या

लाखों दिलों की चाहत सुष्मिता सेन ने आर्या के जरिए सिनेमा में शानदार वापसी की। इसमें उन्होंने अपराध और खतरे का सामना करने वाली एक मां का किरदार निभाया। उनकी स्क्रीन उपस्थिति में शक्ति और कमजोरी का मिश्रण है। वेब सीरीज के फॉर्मेट को अपनाकर, सुष्मिता ने दिखाया कि कैसे बॉलीवुड के सितारे नई जिंदगी पा सकते हैं।

माधुरी दीक्षित- द फेम गेम

माधुरी दीक्षित लंबे वक्त से बड़े पर्दे पर राज करती रही हैं। उन्होंने वेब सीरीज द फेम गेम में अभिनय के जरिए यह साबित कर दिया कि यह प्लेटफॉर्म छोटा नहीं है। सीरीज में उन्होंने एक ऐसी सुपरस्टार का किरदार निभाया, जिसकी जिंदगी में कई राज छिपे हैं। उनके सहज आकर्षण ने इस सीरीज को दर्शकों के दिलों में जगह दिलाई। वेब सीरीज में माधुरी के प्रवेश ने दिखाया कि कैसे बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार भी नए दर्शकों से जुड़ने के लिए स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स का सहारा ले रहे हैं।

मनोज बाजपेयी-द फैमिली मैन

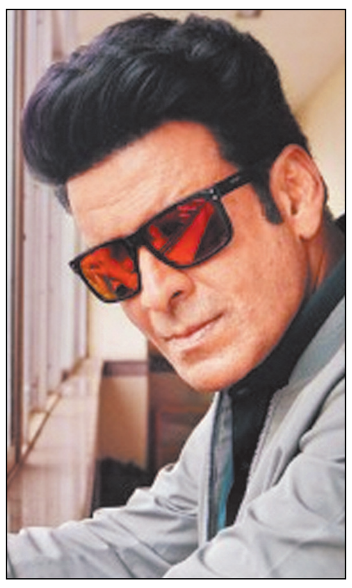

मनोज बाजपेयी ने द फैमिली मैन में श्रीकांत तिवारी नामक एक जासूस की भूमिका निभाकर फैंस के दिलों को जीत लिया। उन्होंने इसमें हास्य और चिंता से ग्रस्त व्यक्ति का किरदार निभाया। इस सीरीज के साथ, मनोज ने एक शानदार उदाहरण पेश किया कि कैसे बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार अच्छी कहानियों के साथ स्ट्रीमिंग में छा सकते हैं।

सैफ अली खान सेक्रेड गेम्स

सैफ अली खान बड़े पर्दे के मशहूर अभिनेता हैं। हालांकि उन्होंने वेब सीरीज सेक्रेड गेम्स में सरताज सिंह की भूमिका को पूरी ईमानदारी से निभाया है। वेब सीरीज में उन्होंने अपने अभिनय से फैंस को हैरान कर दिया है। डिजिटल ड्रामा में उनके अभिनय ने दूसरे बॉलीवुड कलाकारों को रास्ता दिखाया है। सैफ ने साबित कर दिया है कि स्ट्रीमिंग शो भी फिल्मों की तरह प्रभावशाली हो सकते हैं और दर्शकों से जुड़ सकते हैं।

इसी तरह से नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने सेक्रेड गेम्स में अच्छा अभिनय किया। राधिका आप्टे ने लस्ट स्टोरीज में शानदार अभिनय किया। पंकज त्रिपाठी ने मिर्जापुर में अपने अभिनय का लोहा मनवाया है।

अभिषेक बच्चन ब्रीद इंटू द शैडो

अभिषेक बच्चन ने सीरीज ब्रीद इनटू द शैडोज से दर्शकों को प्रभावित किया है। इसमें उन्होंने एक पिता की भूमिका निभाई है। उनके डिजिटल डेब्यू ने दर्शकों को नया अनुभव दिया। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर अभिषेक के सफर ने दिखाया कि कैसे बॉलीवुड अभिनेता खुद को नया रूप दे सकते हैं। उन्होंने यह बताने की कोशिश की कि अपने बेहतरीन अभिनय से वह फैंस को हैरान कर सकते हैं।

मैं अभी बहुत कुछ हासिल करना चाहती हूं

इंटरनेशनल स्टार बन चुकीं अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'एसएसएमबी 29' को लेकर चर्चाओं में हैं। एसएस राजामौली द्वारा निर्देशित इस फिल्म में प्रियंका महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ नजर आएंगी। 15 नवंबर को फिल्म का एक बड़ा इवेंट होना है। इस बीच अभिनेत्री ने एक्स पर अपने फैंस के साथ बातचीत का एक सेशन चलाया। इस दौरान देसी गर्ल ने फैंस के सवालों के कुछ मजेदार जवाब भी दिए। आस्क पीसीजे सेशन की शुरुआत में प्रियंका ने अपनी एक सेल्फी शेयर करते हुए कहा कि वो अभी कार में हैं। आप सब कहां हैं? सेशन के दौरान एक फैन ने पूछा कि आपने बॉलीवुड, हॉलीवुड, म्यूजिक और प्रोड्यूसर के तौर पर सब कुछ एक्सप्लोर किया है। अब ऐसा क्या है जो आप सीखना चाहती हैं या कुछ नया क्रिएट करना चाहती हैं? इस पर पीसी ने जवाब दिया, 'मुझे लगता है कि मैंने अभी शुरुआत भी नहीं की है। मैं अभी बहुत कुछ करना और हासिल करना चाहता हूं। उम्मीद है कि मैं कर पाऊंगी।'

इंडस्ट्री ने हमेशा मुझे काम, इज्जत और प्यार दिया

पॉलिटिकल ड्रामा महारानी के चौथे सीजन में रानी भारती (हुमा कुरैशी) की बेटी रौशनी भारती, जिसकी भूमिका निभा रही हैं अभिनेत्री श्वेता बसु प्रसाद। एक्ट्रेस ने हाल ही में बातचीत की और सीरीज को लेकर बात की।

बातचीत के दौरान, श्वेता कहती हैं, मैं महारानी के तीनों सीजन की बहुत बड़ी प्रशंसक रही हूं। जब इस शो के क्रिएटर और राइटर सुभाष कपूर जी से मुलाकात हुई और उन्होंने सीजन 4 के लिए मेरा नाम सुझाया, तो यह मेरे लिए बेहद खुशी की बात थी। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने सीजन 1 में रौशनी भारती का किरदार लिखा था, तब ही मन बना लिया था कि लीप के बाद मुझे कास्ट करेंगे। किसी क्रिएटर का इस तरह का विश्वास एक कलाकार के लिए बहुत बड़ी बात होती है। इस फेंचाइजी की लोकप्रियता, मजबूत लेखन और शानदार परफॉर्मेंस – इन सबने मुझे बहुत आकर्षित किया। अपने किरदार रौशनी भारती के बारे में श्वेता कहती हैं, स्पॉयलर तो नहीं दूंगी (हंसती हैं), लेकिन इतना जरूर कहूंगी कि रौशनी, रानी भारती की बेटी है – एक पॉलिटिकल परिवार में पली-बढ़ी, बेहद दमदार और अपने माता-पिता की विरासत को लेकर चलने वाली। इस बार वो पहले से ज्यादा मजबूत, आत्मविश्वासी और प्रभावशाली नजर आएगी।

अपनी स्क्रिप्ट चॉइस को लेकर श्वेता हमेशा ईमानदार रही हैं। वह स्वीकार करती हैं, अगर दिल नहीं मानता, तो मैं प्रोजेक्ट नहीं करती। जैसा मैंने कहा, मैं पहले ऑडियंस हूं, फिर एक्टर। अगर मुझे लगे कि मैं खुद वो फिल्म नहीं देखना चाहूंगी, तो ऑडियंस का वक्त क्यों बर्बाद करूं? मेरी जिम्मेदारी है कि वही प्रोजेक्ट चुनूं जो ऑडियंस को पसंद आए। हिट-फ्लॉप तो किस्मत की बात है, पर इरादा हमेशा ईमानदार होना चाहिए। वह आगे जोड़ती हैं, मैं खुद को बेहद भाग्यशाली मानती हूं। मैं एक आउटसाइडर रही हूं, लेकिन इस इंडस्ट्री ने हमेशा मुझे काम, इज्जत और प्यार दिया। मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि मुझे मेरी मेहनत का फल नहीं मिला। यहां धैर्य और अनुशासन बहुत जरूरी हैं और अब मुझे लगता है कि मेहनत का असर दिख रहा है। हुमा कुरैशी के साथ काम को लेकर श्वेता बसु प्रसाद का अनुभव बेहद खास रहा।

मैंने 'रिटेक' लिखी और डायरेक्ट की...

अब श्वेता केवल कैमरे के सामने ही नहीं, बल्कि कैमरे के पीछे भी अपना टैलेंट दिखा रही हैं। वह बताती हैं, मैंने रिटेक नाम की एक शॉर्ट फिल्म लिखी और डायरेक्ट की है, जिसमें अनुपम खेर साहब हैं और अप्पलॉज एंटरटेनमेंट ने इसे प्रोड्यूस किया है। मैं फिलहाल नई स्क्रिप्ट्स पर काम कर रही हूं – शॉर्ट फिल्म ही नहीं, बल्कि फीचर फिल्म पर भी। आगे डायरेक्शन जरूर करूंगी, लेकिन एक्टिंग मेरा पहला प्यार है और रहेगा। कैमरे के आगे रहना मेरी पहचान है, वो कभी नहीं छोड़ूंगी।

शादी की होनी चाहिए एक्सपायरी डेट

अजय देवगन के साथ काजोल की शादी को 26 साल पूरे हो चुके हैं। लेकिन अब काजोल ने शादी को लेकर एक ऐसा बयान दिया है, जिसे सुनकर हर कोई हैरान रह गया।

अभिनेत्री काजोल इन दिनों अपने टॉक शो 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। शो के लेटेस्ट एपिसोड में अब अभिनेता विक्की कौशल और अभिनेत्री कृति सेनन नजर आएंगे। हालांकि, शो के कुछ प्रोमो सामने आए हैं, जिनमें काजोल और ट्विंकल अपने मेहमानों के साथ जमकर मस्ती करती नजर आ रही हैं। अब इस एपिसोड के प्रोमो में दिखता है कि काजोल ने शादी की एक्सपायरी डेट होने का समर्थन किया है। साथ ही उन्होंने इस मामले में नया विकल्प होने की बात का भी पक्ष लिया है।

सिर्फ काजोल ने किया समर्थन

दरअसल, शो के 'ये या वो' सेगमेंट के दौरान सवाल पूछा गया, 'क्या शादी की एक एक्सपायरी डेट और रिन्यूवल का विकल्प होना चाहिए?' इस सवाल से कृति सेनन, विक्की कौशल और ट्विंकल ने अपनी असहमति जताई। उन्होंने इस सवाल पर रेड जोन चुना। लेकिन अभिनेता अजय देवगन की पत्नी और अभिनेत्री काजोल ने इस सवाल का समर्थन करते हुए ग्रीन जोन को चुना। इस पर ट्विंकल ने मजाकिया लहजे में कहा, 'नहीं, यह शादी है, वॉशिंग मशीन नहीं।'

सही व्यक्ति से शादी होने की क्या गारंटी

अपने फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए काजोल ने कहा कि मुझे तो बिल्कुल ऐसा ही लगता है। क्या गारंटी है कि आप सही समय पर सही व्यक्ति से शादी करेंगे? रिन्यूवल का विकल्प सही होगा और अगर कोई एक्सपायरी है, तो किसी को ज्यादा देर तक परेशान नहीं होना पड़ेगा। यही नहीं काजोल ने ट्विंकल को भी ग्रीन जोन में शामिल होने के लिए मनाने की कोशिश की। लेकिन ट्विंकल अपने विचार पर अड़ी रहीं।

ट्विंकल-विक्की का मानना पैसे से खरीद सकते हैं खुशी

इसी सेगमेंट के दौरान अगला स्टेटमेंट था, 'क्या पैसे से खुशी खरीदी जा सकती है।' इस बार ट्विंकल खन्ना और विक्की कौशल इस बात से सहमत नजर आए और उन्होंने ग्रीन जोन चुना। जबकि काजोल ने इस कथन पर अपनी असहमति जताई। काजोल ने कहा कि आपके पास चाहे कितना भी पैसा हो, यह वास्तव में एक बाधा बन सकता है। यह आपको असली खुशी से दूर कर देता है। वहीं कुछ देर सोचने के बाद कृति ने माना कि पैसे से कम से कम कुछ हद तक खुशी खरीदी जा सकती है।

काजोल और ट्विंकल का कॉमन है एक्स

गेम के बाद ट्विंकल ने कहा कि सबसे अच्छे दोस्तों को एक-दूसरे के एक्स को डेट नहीं करना चाहिए। फिर उन्होंने मजाकिया अंदाज में काजोल को गले लगा लिया। ट्विंकल ने कहा मजाक में कहा कि हमारा एक एक्स कॉमन है, लेकिन हम बता नहीं सकते। इस पर काजोल तुरंत हंस पड़ीं और ट्विंकल को चुप रहने के लिए कहा।